{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 08 जून 2026
ज्येष्ठ कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 254
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

री-नीट परीक्षा की सिटी स्लिप जारी, 21 जून को होगा एग्जाम

नई दिल्ली। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने री-नीट यूजी परीक्षा के लिए एग्जाम सिटी इंटीमेशन स्लिप जारी कर दी है। अभ्यर्थी आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर यह जानकारी प्राप्त कर सकते हैं कि उनकी परीक्षा किस शहर में आयोजित होगी। एनटीए ने स्पष्ट किया है कि यह केवल परीक्षा शहर की जानकारी देने वाली स्लिप है, इसे प्रवेश पत्र नहीं माना जाए। विस्तृत एडमिट कार्ड अलग से जारी किया जाएगा। परीक्षा 21 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 5ः15 बजे तक ऑफलाइन मोड में आयोजित की जाएगी। एजेंसी के अनुसार सिटी स्लिप समय से पहले जारी करने का उद्देश्य अभ्यर्थियों को यात्रा और अन्य व्यवस्थाओं के लिए पर्याप्त समय देना है।

सेल और भेल का छिन सकता है 'महारत्न' दर्जा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दो बड़ी सरकारी कंपनियों - स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल) को एक साल की 'वॉचलिस्ट' में डाल दिया है। ये कंपनियां 'महारत्न' का दर्जा बनाए रखने के लिए ज़रूरी मुख्य वित्तीय मानदंडों को पूरा करने में नाकाम रहीं। अगर ये दोनों सरकारी कंपनियां तय समय में अपने वित्तीय प्रदर्शन में सुधार नहीं कर पाती हैं, तो उन्हें 'नवरत्न' कंपनियों के दर्जे पर लाया जा सकता है। 'महारत्न' का दर्जा शुरू होने के बाद से ऐसा पहली बार होगा। दोनों कंपनियां पिछले तीन वर्षों के दौरान 5,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का औसत सालाना मुनाफा बनाए रखने की शर्त को पूरा करने में नाकाम रहीं। हालांकि, ये कंपनियां अन्य पात्रता शर्तों को पूरा करती हैं, जैसे कि 25,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा का औसत सालाना टर्नओवर, 15,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की नेट वर्थ और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी मौजूदगी; लेकिन उनका मुनाफा तय बेंचमार्क से कम रहा है।

भाजपा को झटका-महासचिव पद से डॉ. राजू का इस्तीफा

चंडीगढ़। पंजाब भाजपा में संगठनात्मक बदलावों के बीच पार्टी को एक बड़ा झटका लगा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. जगमोहन सिंह राजू ने प्रदेश महासचिव पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने अपने इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक की। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डॉ राजू ने 5 जून को संगठन मंत्री को इस संबंध में एक पत्र भेजा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षों में उन्होंने पार्टी के उपाध्यक्ष और महासचिव के रूप में कार्य किया तथा यह उनके लिए सीख और अनुभव से भरा कार्यकाल रहा। इसके लिए उन्होंने पार्टी नेतृत्व का आभार भी व्यक्त किया। राजनीतिक हलकों में उनके इस्तीफे को पंजाब भाजपा में हाल ही में हुए नेतृत्व परिवर्तन से जोड़कर देखा जा रहा है। भाजपा द्वारा केवल सिंह ढिल्लों को पंजाब इकाई का नया अध्यक्ष नियुक्त किए जाने के बाद यह फैसला सामने आया है। हालांकि डॉ. राजू ने अपने पत्र में किसी प्रकार की नाराजगी का खुला उल्लेख नहीं किया है।

कुछ ना कहना

अवैध प्रवासियों को लेकर भारत-बांग्लादेश सीमा पर बढ़ा तनाव

रोजाना 200-300 लोगों का हो रहा सत्यापन, दस्तावेजों के अभाव में फंसे हजारों लोग

कोलकाता। एजेंसी।

पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले स्थित हकीमपुर चेकपोस्ट इन दिनों एक असामान्य स्थिति का गवाह बन रही है। वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिक अब स्वयं सामने आकर अपनी पहचान दर्ज करा रहे हैं और बांग्लादेश लौटने की इच्छा जता रहे हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के अधिकारियों के अनुसार प्रतिदिन 200 से 300 लोग सत्यापन के लिए चेकपोस्ट पहुंच रहे हैं, जिससे वहां लंबी कतारें लग रही हैं। सीमा पर ऐसे लोगों की भीड़ बढ़ने से तनाव जैसे हालात बन गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार ऐसे तमाम लोगों को सीधे सीमा पार भेजने के बजाय उनका बायोमीट्रिक सत्यापन और दस्तावेजों की जांच की जा रही है। इसके बाद उन्हें राज्य सरकार द्वारा बनाए गए होल्डिंग सेंटरों में भेजा जा रहा है। कई ऐसे लोग भी हैं जो वर्षों से भारत में रह रहे हैं और उनके पास आधार कार्ड सहित भारतीय दस्तावेज तो हैं, लेकिन बांग्लादेशी पहचान संबंधी कोई प्रमाण नहीं है। यही स्थिति उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती बन गई है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर मौजूदा स्थिति को लेकर बीएसएफ के एक अधिकारी ने मीडिया को बताया, कि यह पहली बार है जब अवैध प्रवासियों को खोजने की आवश्यकता नहीं पड़ रही, बल्कि वे स्वयं अपनी पहचान दर्ज कराने पहुंच रहे हैं। स्थानीय सामाजिक संगठन 'भूखा मानुसेर अधिकार अभियान' के अनुसार सत्यापन कराने वाले अधिकांश लोग बांग्लादेश के विभिन्न जिलों से वर्षों पहले अवैध रूप से भारत आए थे। इस बीच उन लोगों की चिंता ज्यादा बढ़ गई है, जिनके पास किसी भी देश के नागरिक होने के प्रमाण नहीं हैं। ऐसे लोगों को आशंका है कि यदि दोनों देशों में से किसी ने भी उन्हें स्वीकार नहीं किया तो उनका भविष्य अनिश्चित हो जाएगा।

बंगाल में बने 11 होल्डिंग सेंटर

गृह मंत्रालय के निर्देश पर पश्चिम बंगाल में 11 होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं। सबसे अधिक प्रभावित उत्तर 24 परगना जिले के तेतुलिया में एक होटल को अस्थायी होल्डिंग सेंटर में बदला गया है। राज्य सरकार के अनुसार इन केंद्रों में फिलहाल एक हजार से कम लोग रह रहे हैं, जहां भोजन, चिकित्सा और बच्चों के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

अवैध प्रवासियों को सीमा में जबरन धकेलने का आरोप

दूसरी ओर, बांग्लादेश बॉर्डर गार्ड (बीजीबी) ने भारत पर अवैध प्रवासियों को सीमा में धकेलने की कोशिश का आरोप लगाया है। बांग्लादेश ने सीमा पर निगरानी और सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी है। बांग्लादेश की विदेश राज्य मंत्री शमा ओबायद इस्लाम ने भी चेतावनी दी है कि किसी भी व्यक्ति को एकतरफा तरीके से सीमा पार भेजने की कोशिश दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ा सकती है। इस तरह से दोनों ही देशों की सीमा पर तनाव बराबर बना हुआ है। अंततः हजारों लोगों की पहचान, नागरिकता और भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वे न तो पूरी तरह भारत में सुरक्षित महसूस कर रहे हैं और न ही बिना वैध दस्तावेजों के बांग्लादेश लौट पा रहे हैं। इससे सीमा क्षेत्र में मानवीय और प्रशासनिक चुनौती लगातार गहराती जा रही है।

ओडिशा में इंजीनियर निकला करोड़ों का मालिक, 9 ठिकानों पर विजिलेंस ने मारा छापा

पांच बहुमंजिला इमारतें, 13 प्लॉट, सोने के गहने और लॉकरों में 2.4 करोड़ कैश मिला

भुवनेश्वर। ओडिशा के असिस्टेंट एग्जीक्यूटिव इंजीनियर बैकुंठनाथ बेहरा के पास करोड़ों की संपत्ति का खुलासा हुआ है। बेहरा कंधमाल जिले के बलिगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी में पदस्थ हैं। उनका 1999 में जूनियर इंजीनियर के पद पर अपॉइंटमेंट हुआ था। तब सैलरी 6 हजार रुपए थी। ओडिशा विजिलेंस को बेहरा के पास आय से ज्यादा संपत्ति होने की शिकायत मिली थी। इसके बाद सर्च वारंट के आधार पर विजिलेंस ने भुवनेश्वर, जाजपुर, बारिपदा और कंधमाल जिले के कुल 9 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे।

इस दौरान पांच बहुमंजिला इमारतें, 13 प्लॉट, सोने के गहने और बैंक लॉकरों से करीब 2.4 करोड़ कैश मिला है। सभी संपत्तियों की कीमत करोड़ों में आंकी जा रही है। इसे हाल के वर्षों की सबसे बड़ी आय से ज्यादा संपत्ति की कार्रवाइयों में एक है। भुवनेश्वर के चार इलाकों के अलावा जाजपुर जिले के धर्मशाला स्थित पैतृक घर, रिश्तेदारों के घर, सरकारी क्वार्टर और ऑफिस में भी तलाशी ली गई। कार्रवाई में दो एडिशनल एसपी, पांच डीएसपी, छह इंस्पेक्टर और बड़ी संख्या में अन्य अधिकारियों को लगाया गया था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जांच में अब तक पांच बड़ी इमारतों का पता चला है। इनमें भुवनेश्वर स्थित नीलाद्री विहार में करीब 10,500 वर्गफुट क्षेत्रफल वाली चार मंजिला इमारत सबसे बड़ी है। इसके अलावा सैलश्री विहार में तीन मंजिला भवन, पटिया में दो मंजिला मकान, चंद्रशेखरपुर में दो मंजिला मकान है। जाजपुर जिले के धर्मशाला में पैतृक जमीन पर भी दो मंजिला इमारत बनी है। विजिलेंस को बेहरा और उनके परिवार के नाम पर 13 प्लॉट भी मिले हैं। इनमें सात प्लॉट भुवनेश्वर, पांच जाजपुर जिले के धर्मशाला और एक बारिपदा में स्थित है। भुवनेश्वर में और भी जमीन होने की जानकारी सामने आई है।

अचानक साजिश हुई, वरना मैं होता कांग्रेस अध्यक्ष-अशोक गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के बड़े नेता अशोक गहलोत ने एक बार फिर वो पुराना मामला उठाया है, जब वो कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते-बनते रह गए थे। गहलोत का कहना है कि उन्हें अध्यक्ष बनाने का फैसला हो चुका था, लेकिन एक साजिश की वजह से सब कुछ पलट गया। और आज भी लोग असली सच नहीं जानते। कुछ साल पहले कांग्रेस में अध्यक्ष पद के लिए चुनाव की बात चली। उस वक्त सोनिया गांधी और कांग्रेस की टॉप लीडरशिप ने अशोक गहलोत को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का मन बना लिया था। गहलोत खुद भी इस पद के लिए तैयार थे और उन्होंने इसे सम्मान की बात मानी थी। लेकिन जैसे ही यह तय होने लगा, पार्टी ने राजस्थान में पर्यवेक्षक भेजे यानी ऐसे नेता जो वहां की स्थिति देखने आए। इसके बाद हालात तेजी से बदल गए। गहलोत के मुताबिक, इस पूरे घटनाक्रम के पीछे एक बड़ी साजिश थी, जिसकी वजह से वो अध्यक्ष नहीं बन पाए। इस पूरे मामले के बाद देशभर में यह बात फैल गई कि गहलोत ने खुद ही अध्यक्ष पद से मना कर दिया, क्योंकि वो राजस्थान का मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ना चाहते थे। यानी लोगों की नजर में यह गहलोत की अपनी पसंद थी। यहां तक कि उनके अपने करीबी लोग और समर्थक भी यही मानते रहे।

आज भी सच छुपा है

गहलोत का कहना है कि इस पूरे मामले की असली सच्चाई आज भी बहुत कम लोगों को पता है। वो लगातार लोगों को समझाने की कोशिश करते हैं, लेकिन जो धारणा बन चुकी है वो हटाना आसान नहीं। उनके मुताबिक, वो इसलिए नहीं चूके क्योंकि उनकी इच्छा नहीं थी, बल्कि परिस्थितियां और साजिश इसके लिए जिम्मेदार थी।

राहुल गांधी ने सार्थक को बताया सीबीआई से भी तेज

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सीबीएसई की मूल्यांकन प्रणाली में खामियों को उजागर करने वाले छात्र सार्थक सिद्धांत की जमकर सराहना की है। राहुल गांधी ने रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर छात्र के साथ हुई मुलाकात का वीडियो साझा करते हुए इसे युवाओं की बड़ी जीत बताया। रांची निवासी 18 वर्षीय सार्थक सिद्धांत ने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) प्रणाली और उससे जुड़ी टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया था। बारहवीं कक्षा की परीक्षा में अपेक्षा से कम अंक मिलने के बाद उन्होंने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की पुनर्समीक्षा कराई और कथित त्रुटियों को सार्वजनिक किया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि देश का एक युवा छात्र उन तथ्यों को सामने लाने में सफल रहा, जिन्हें जांच एजेंसियां भी नहीं खोज सकीं। उन्होंने इसे युवाओं की जागरूकता और संघर्ष का उदाहरण बताया। सार्थक इससे पहले सीबीएसई में सुधार संबंधी सुझावों पर संसद की स्थायी समिति के समक्ष विस्तृत प्रस्तुति भी दे चुके हैं।

मुंबई एयरपोर्ट पर सोना तस्करी का बड़ा खुलासा, भाजपा से जुड़े पदाधिकारी समेत 5 गिरफ्तार

मुंबई। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सोना तस्करी के खिलाफ राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए भाजपा से जुड़े एक पदाधिकारी सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने आरोपियों के कब्जे से 5 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य का सोना और अन्य सामान बरामद किया है। डीआरआई द्वारा की गई इस कार्रवाई में गिरफ्तार आरोपियों में अजित आचरेकर का नाम प्रमुख रूप से सामने आया है। जानकारी के अनुसार, आचरेकर भाजपा की एक श्रमिक (कामगार) संगठन में सचिव के पद पर कार्यरत हैं। उनके अलावा रोहित कुमार सिंह, संतोष सुभाष, समीमुल्ला शाह, हमीद लेबेरीफखान और फलिल मोहम्मद कासिम को भी हिरासत में लिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, डीआरआई की टीम ने मुंबई एयरपोर्ट परिसर में संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर इन लोगों को रोका और पूछताछ शुरू की। जांच के दौरान अधिकारियों को सोना तस्करी से जुड़े महत्वपूर्ण सबूत मिले, जिसके बाद सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रारंभिक जांच में बरामद सोने की कीमत 5 करोड़ रुपये से अधिक आंकी गई है। अधिकारियों का मानना है कि यह मामला केवल एक तस्करी की घटना नहीं, बल्कि किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ा हो सकता है। जानकारी के अनुसार, अजित आचरेकर ने कुछ महीने पहले ही भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। उनका पार्टी में प्रवेश महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण की मौजूदगी में आयोजित एक कार्यक्रम में हुआ था। इसके बाद उन्हें पार्टी की श्रमिक इकाई में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई थी। डीआरआई अब इस बात की जांच कर रही है कि इस तस्करी के पीछे कोई अंतरराष्ट्रीय सोना तस्करी गिरोह सक्रिय था या नहीं। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि विदेशों में मौजूद किन व्यक्तियों या संगठनों के नेटवर्क का इस्तेमाल इस अवैध कारोबार के लिए किया गया। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और आने वाले दिनों में इस तस्करी रैकेट से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। फिलहाल सभी आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और बरामद सोने के स्रोत तथा उसके अंतिम गंतव्य का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

इंडिया ब्लॉक की बैठक से डीएमके-आप ने बनाई दूरी, जेएमएम भी नाराज

सीपीआई-एम ने कहा- बीजेपी से 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ

नई दिल्ली। इंडिया ब्लॉक की सोमवार को होने वाली बैठक से पहले मतभेद सामने आ गए हैं। डीएमके द्वारा कांग्रेस की मौजूदगी के कारण इस बैठक से दूर रहने की घोषणा के बाद अब सीपीआई-एम ने भी कांग्रेस की कार्यशैली पर नाराजगी जताई है। सीपीआई-एम ने कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि केरल में उसके नेताओं द्वारा लगाए गए बीजेपी के साथ 'डील' के आरोप गठबंधन की मूल भावना के खिलाफ हैं। सूत्रों का कहना है कि झारखंड राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस द्वारा उम्मीदवार उतारे जाने से बाद से हेमंत सोरेन की पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा भी नाखुश है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीपीआई-एम महासचिव एम ए बेबी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को पत्र लिखकर इस मुद्दे पर स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही इस पत्र की कई कॉपियां गठबंधन के अन्य सहयोगी दलों को भी भेजी हैं। बेबी ने पत्र में राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर ऐतराज जताया है। उन्होंने कहा कि केरल विधानसभा चुनाव अभियान में कांग्रेस ने बार-बार ये प्रचार किया कि सीपीआई-एम और बीजेपी के बीच राजनीतिक समझौता है और तत्कालीन सीएम पिनराई विजयन और पीएम मोदी के बीच खास डील हुई है। सीपीआई-एम ने इसे विपक्षी गठबंधन की भावना के खिलाफ बताया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक माकपा नेता ने इन आरोपों को पूरी तरह से मनगढ़ंत करार दिया है जिसे वो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं कर सकते! उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व को याद दिलाया कि केरल की धरती पर आरएसएस और बीजेपी के खिलाफ सीधे राजनीतिक लड़ाई लड़ते हुए माकपा ने अपने सैकड़ों समर्पित कार्यकर्ताओं को खोया है। बेबी ने अपने पत्र में कहा कि इंडिया ब्लॉक बीजेपी के खिलाफ राजनीतिक लड़ाई के लिए बना था और ऐसे वक्त में सहयोगी दलों पर ही संदेह जताना गठबंधन की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाता है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि इन आरोपों पर स्थिति स्पष्ट नहीं की गई तो 8 जून यानी सोमवार की गठबंधन बैठक से पहले ही एकता पर सवाल खड़े हो जाएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस के रवैये पर कड़े सवाल उठाने के बावजूद सीपीआई-एम ने विपक्षी एकजुटता और समन्वय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। बेबी ने साफ किया कि उनकी पार्टी संसद के अंदर मोदी सरकार की तानाशाही, सांप्रदायिक और जनविरोधी नीतियों का मजबूती से विरोध करने के लिए अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर काम करती रहेगी। वहीं, दिल्ली में होने वाली इस रणनीतिक बैठक में ममता बनर्जी, अभिषेक बनर्जी, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और राहुल गांधी जैसे शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। हालांकि, कांग्रेस के साथ मतभेदों के चलते डीएमके के इस बैठक में शामिल होने की उम्मीद कम हैं। दूसरी ओर आम आदमी पार्टी ने भी इस बैठक से दूरी बना ली है, जिससे विपक्षी गठबंधन की एकजुटता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

उधर, झारखंड में आगामी राज्यसभा चुनावों में दो राज्यसभा सीटों में से एक पर कांग्रेस द्वारा अपने उम्मीदवार प्रणव झा की घोषणा करने पर जेएमएम भी कांग्रेस से नाराज है। सूत्रों का कहना है कि सीएम हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ जेएमएम राज्य की दोनों सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारना चाहती थी, क्योंकि जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन के पास दोनों सीटें जीतने के लिए पर्याप्त संख्या बल है। इसी बीच शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने गठबंधन में किसी भी तरह की फूट या बिखराव के दावों को खारिज किया है। राउत ने कहा कि भले ही डीएमके ने इस बैठक से दूरी बना ली हो, लेकिन विपक्ष को तमिलनाडु में टीवीके के रूप में एक मजबूत वैकल्पिक मित्र मिल गया है।

|| दशम पुण्य स्मरण ||

परम श्रद्धेय पिताजी

मिलो किसी से ऐसे कि
जिंदगी भर की पहचान बन जाये...
पड़े कदम जमीं पर ऐसे कि
लोगों के दिल पर निशान बन जाये...
जीने को तो जिंदगी, यहां हर कोई जी लेता है,
पर जियो जिंदगी ऐसे कि,
औरों के लबों की मुस्कान बन जाये...

स्व. घेवरचंद जी बाघरेचा

स्वर्गवास- 8 जून 2016

भावपूर्ण श्रद्धांजलि

आपके चरणों में कोटिशः
शत्-शत् नमन्

:: श्रद्धानवत् ::

अशोक, राजेंद्र, अनिल, सी.ए. सुनील एवं दिलीप बाघरेचा (पुत्र),
श्रीमती जतनबाई सुराना, स्व. बालचंदजी सुराना, संतोषजी बरड़िया, स्व.कुसुम बरड़िया (पुत्री),
अनिता, शांता, मोहिनी, रूपा, सुनीता (पुत्रवधु), सी.ए. नितिन, नवीन, विवेक, रवि, सी.ए. विजय,
मोहित, मयंक, मधुर (पौत्र), प्रीति, दिपीका, निकिता, प्रिया, सी.ए. पूजा, प्रणिता (पौत्रवधु),
श्रीमती नंदिता चौरड़िया, श्रीमती श्रद्धा कोटाडिया, श्रीमती खुशबु वैद्य, श्रीमती प्रियंका संचेती,
मोनिल सेठिया, श्रीमती पायल जैन, श्रीमती सूर्या भंडारी एवं समस्त बाघरेचा परिवार...

डोंगरिया तालाब पर अतिक्रमण के विरोध में ग्रामीणों का प्रदर्शन

साढ़े सात एकड़ का तालाब सिमटकर ढाई एकड़ होने का दावा, एसडीएम के आश्वासन के बाद शांत हुआ आंदोलन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज।बालाघाट।

जिला मुख्यालय से लगी ग्राम पंचायत डोंगरिया में तालाब की भूमि पर कथित अतिक्रमण और प्लाटिंग का मामला सामने आया है। रविवार 7 जून को ग्राम पंचायत डोंगरिया सहित आसपास के लगभग आधा सेक ?ा ग्रामीणों ने तालाब में हो रहे अतिक्रमण का विरोध करते हुए कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का प्रदर्शन सुबह 11 बजे से शुरू होकर दोपहर करीब ढाई बजे तक चला। इस दौरान ग्रामीणों ने तालाब को अतिक्रमण मुक्त कर संरक्षित करने की मांग उठाई। उनका आरोप था कि तालाब की जमीन पर लगातार प्लाटिंग की जा रही है, जिससे उसका अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। ग्रामीणों के अनुसार यह तालाब पहले लगभग साढ़े सात एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ था, लेकिन लगातार अतिक्रमण के कारण अब केवल दो से ढाई एकड़ ही बचा है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में कई बार शिकायतें और विरोध दर्ज कराया गया, लेकिन संबंधित विभागों ने कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की। मामले की जानकारी मिलने पर प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। वारासिवनी एसडीएम ने ग्रामीणों को पूरे मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिसके बाद प्रदर्शन समाप्त हुआ। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने की दिशा में जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे पुनः आंदोलन करेंगे। फिलहाल प्रशासन की आगामी कार्रवाई पर सभी की नजरें टिकी हैं।

जिला मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत डोंगरिया में स्थित वर्षों पुराने उमरिया तालाब को लेकर एक बार फिर विवाद गहरा गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि तालाब की भूमि पर अवैध रूप से प्लाटिंग कर उसे मिट्टी से भरने का कार्य किया जा रहा है, जिससे तालाब का अस्तित्व खतरे में पड़ गया है। इसी के विरोध में बड़ी संख्या में ग्रामीण तालाब स्थल पर एकत्रित हुए और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों के अनुसार उमरिया तालाब गांव का एक प्राचीन जलस्रोत है, जिसका क्षेत्रफल पहले लगभग साढ़े सात एकड़ से अधिक था। कुछ वर्ष पूर्व सड़क निर्माण के दौरान तालाब की करीब पौने दो एकड़ भूमि अधिग्रहित हो गई थी, जिसके बाद भी तालाब का क्षेत्रफल लगभग पांच एकड़ से अधिक बचा हुआ था। लेकिन पिछले कुछ महीनों से कथित रूप से तालाब की जमीन पर प्लाटिंग कर मिट्टी डाली जा रही है, जिससे तालाब का दायरा लगातार सिमटता जा रहा है। ग्रामीण आशीष ठाकुर ने बताया कि यह तालाब केवल जल संग्रहण का माध्यम नहीं है, बल्कि आसपास के किसानों के लिए सिंचाई का महत्वपूर्ण स्रोत भी रहा है। बरसात के समय तालाब का पानी खेतों तक पहुंचता था और ग्रामीण इसकी मेड़ को व्यवस्थित कर जल संरक्षण का कार्य करते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले वर्ष तालाब क्षेत्र में किए गए अतिक्रमण और प्लाटिंग के कारण जल निकासी प्रभावित हुई, जिससे गांव में जलभराव और बाढ़ जैसी स्थिति निर्मित हो गई थी। उन्होंने बताया कि जो लोग तालाब की जमीन पर स्वामित्व का दावा कर रहे हैं, उनसे दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा गया था, लेकिन मौके पर कोई भी व्यक्ति वैध दस्तावेज लेकर नहीं पहुंच सका। इसके बाद ग्रामीणों ने स्वयं तालाब की मेड़ और सीमांकन को सुरक्षित करने की पहल शुरू की तथा प्रशासन को भी पूरे मामले की जानकारी दी। ग्रामीणों का कहना है कि यह तालाब सिंचाई विभाग से संबंधित है और वर्षों से गांव की जीवनरेखा रहा है। इसी मुद्दे को लेकर 7 जून को दोपहर लगभग 11 बजे बड़ी संख्या में ग्रामीण तालाब स्थल पर एकत्रित हुए और विरोध प्रदर्शन किया। जनपद प्रतिनिधि बाबूलाल भगत ने कहा कि उन्होंने सबसे पहले इस मामले को प्रशासन के समक्ष उठाया था और कई बार शिकायत भी की थी। उन्होंने बताया कि तालाब संरक्षण की मांग को लेकर उन्हें आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा, लेकिन अब जब तालाब का अस्तित्व ही संकट में है, तो ग्रामीणों के साथ खड़ा होना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि तालाब की भूमि पर लगातार अतिक्रमण हो रहा है, जिससे इसका मूल स्वरूप समाप्त होता जा रहा है। उनके अनुसार जिस तालाब का क्षेत्रफल कभी लगभग साढ़े सात एकड़ था, वह अब काफी छोटा हो गया है। इस जलस्रोत का उपयोग आसपास के कई गांवों के किसान सिंचाई के लिए करते रहे हैं। इसके अलावा धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों, विशेषकर मूर्ति विसर्जन जैसे आयोजनों में भी इस तालाब की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। विरोध प्रदर्शन के दौरान अन्य ग्रामीणों ने भी कहा कि यह केवल एक तालाब नहीं बल्कि गांव की धरोहर है। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो आने वाले वर्षों में यह जलस्रोत पूरी तरह समाप्त हो सकता है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि वे तालाब संरक्षण की लड़ाई जारी रखेंगे और अवैध अतिक्रमण के खिलाफ लगातार आवाज उठाएंगे।

प्रशासन हरकत में, एसडीएम पहुंचे मौके पर

मामले की जानकारी मिलते ही प्रशासन भी सक्रिय हो गया। मौके पर पुलिस बल तैनात किया गया, वहीं वारासिवनी एसडीएम कार्तिक जायसवाल स्वयं घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। मीडिया से चर्चा करते हुए एसडीएम ने कहा कि प्रारंभिक निरीक्षण में कुछ स्थानों पर प्लाटिंग और भूमि भराव जैसी गतिविधियां दिखाई दी हैं। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए जल्द ही एक विशेष जांच दल गठित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जांच में स्थानीय पटवारी और राजस्व निरीक्षक को शामिल नहीं किया जाएगा, बल्कि दूसरे क्षेत्र के अधिकारियों की टीम बनाकर पूरे प्रकरण की जांच कराई जाएगी। एसडीएम ने स्पष्ट किया कि यदि जांच में तालाब की भूमि पर अतिक्रमण, अवैध प्लाटिंग या भूमि भराव की पुष्टि होती है तो संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ राजस्व एवं अन्य प्रासंगिक कानूनों के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। अब ग्रामीणों की नजर प्रशासनिक जांच पर टिकी हुई है। उनका कहना है कि यदि समय रहते तालाब को बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण जलस्रोत हमेशा के लिए समाप्त हो सकता है।

कलेक्टर मृणाल मीना के नेतृत्व में बालाघाट बना प्रदेश का सिरमौर, श्रमयोगी मानधन योजना में हासिल किया प्रथम स्थान

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना में बालाघाट प्रदेश में प्रथम, 9594 श्रमिकों का हुआ पंजीयन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। श्रमिक कल्याण के क्षेत्र में बालाघाट जिले ने एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना के अंतर्गत श्रमिकों के पंजीयन में मध्यप्रदेश के सभी 55 जिलों में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जिले को इस योजना के तहत 9,471 श्रमिकों के पंजीयन का लक्ष्य दिया गया था, जिसके विरुद्ध 9,594 श्रमिकों का सफल पंजीयन कर लक्ष्य से अधिक उपलब्धि दर्ज की गई है। प्रदेश के किसी अन्य जिले में इतनी बड़ी संख्या में श्रमिकों का पंजीयन नहीं हुआ है।

इस महत्वपूर्ण सफलता का श्रेय कलेक्टर मृणाल मीना के कुशल नेतृत्व, सतत मॉनिटरिंग और श्रमिक हितैषी कार्यशैली को दिया जा रहा है। कलेक्टर श्री मीना ने श्रम विभाग, जनपद पंचायतों, नगरीय निकायों, निर्माण विभागों तथा पंचायत स्तर तक अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट लक्ष्य सौंपते हुए अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। उन्होंने नियमित रूप से प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्रदान किया, जिसके परिणामस्वरूप बालाघाट जिला प्रदेश में शीर्ष स्थान हासिल करने में सफल रहा।

इस उपलब्धि में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अभिषेक सराफ की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनके द्वारा प्रतिदिन श्रमिक पंजीयन की समीक्षा की जाती थी तथा लक्ष्य पूर्ति के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को निरंतर प्रेरित किया जाता रहा। जिला प्रशासन, श्रम विभाग और पंचायत स्तर के अमले के समन्वित प्रयासों ने इस सफलता को संभव बनाया है।

क्या है प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना

प्रधानमंत्री श्रमयोगी मानधन योजना असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए केंद्र सरकार की एक महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा योजना है। इस योजना के अंतर्गत 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के पात्र श्रमिकों को उनकी आयु के अनुसार मासिक अंशदान करना होता है। श्रमिक द्वारा जमा की गई राशि के बराबर अंशदान केंद्र सरकार भी करती है। 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने पर लाभार्थी को प्रतिमाह 3,000 रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। यह योजना रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं, निर्माण श्रमिकों, घरेलू कामगारों, कृषि श्रमिकों, रिक्शा चालकों तथा अन्य असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों के लिए वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा का मजबूत आधार प्रदान करती है। बालाघाट जिले की यह उपलब्धि न केवल प्रशासन की कार्यकुशलता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दर्शाती है कि जिले में श्रमिक कल्याण योजनाओं को लेकर व्यापक जागरूकता और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री मृणाल मीना के नेतृत्व में जिले ने एक बार फिर साबित किया है कि जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी संचालन से उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं।

गांव-गांव घूमकर अवैध धान बीज बेचने वालों पर कार्रवाई

बैहर थाने में तीन आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किसानों को अवैध रूप से धान बीज बेचने और धोखाधड़ी करने के मामले में कृषि विभाग ने कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन व्यक्तियों के विरुद्ध बैहर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। अनुविभागीय कृषि अधिकारी एवं बीज निरीक्षक बैहर श्री एस.आर. धुर्वे ने बताया कि भिकेवाड़ा निवासी सानू पटले, भंडेरी निवासी पलक बिसेन तथा भोरवाही निवासी कुंजेलाल हिरवाने के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4) एवं अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम के तहत 07 जून 2026 को बैहर थाने में मामला दर्ज कराया गया है। जानकारी के अनुसार कृषक साथी एग्रीटेक प्राइवेट लिमिटेड के प्रोपराइटर सानू पटले एवं उनके द्वारा नियुक्त प्रतिनिधि पलक बिसेन, कुंजेलाल हिरवाने के वाहन क्रमांक एमपी-50-जेडजी-6496 के माध्यम से भंडेरी, गोहारा, कासीटोला सहित विभिन्न गांवों में घूम-घूमकर विभिन्न कंपनियों के धान बीज का अवैध विक्रय कर रहे थे। कृषि विभाग को इसकी सूचना मिलने पर 01 जून 2026 को मंडेरी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहन एवं धान बीज को जब्त कर लिया गया था। जांच में पाया गया कि बिना वैध अनुमति एवं आवश्यक दस्तावेजों के किसानों को धान बीज बेचा जा रहा था, जिससे किसानों के साथ धोखाधड़ी होने की आशंका थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कृषि विभाग ने संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत विक्रेताओं से ही प्रमाणित बीज खरीदें तथा बीज खरीदते समय पक्का बिल एवं आवश्यक दस्तावेज अवश्य प्राप्त करें। किसी भी प्रकार की संदिग्ध बीज बिक्री की जानकारी तत्काल कृषि विभाग को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

अतिक्रमण रोधी एजेंसी हाइड्रा का नाम हिटलर से प्रेरित होकर रखा

तेलंगाना के सीएम रेड्डी के बयान ने खड़ा किया बड़ा राजनीतिक विवाद

हैदराबाद। तेलंगाना के सीएम ए रेवंत रेड्डी के बयान ने बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा कर दिया है। रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया एवं संपत्ति संरक्षण एजेंसी के नाम और अवधारणा को उन्होंने जर्मनी के तानाशाह एडोल्फ हिटलर से प्रेरित होकर चुना था। हाइड्रा तेलंगाना की अतिक्रमण रोधी एजेंसी है। सीएम रेड्डी के इस बयान पर बीजेपी और बीआरएस समेत विपक्षी दलों ने प्रतिक्रिया दी है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बेंगलुरु में एक कार्यक्रम में बोलते हुए रेवंत रेड्डी ने कहा कि हाइड्रा शब्द हिटलर का पसंदीदा शब्द था उसकी कोर टीम को हाइड्रा कहा जाता था, जो किसी की भी हत्या कर सकती थी। मैंने हिटलर से प्रेरणा लेकर राज्य की अतिक्रमण रोधी एजेंसी का नाम हाइड्रा रखा। हालांकि, इतिहासकारों ने सीएम रेड्डी के इस दावे पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि हिटलर की किसी कोर टीम का नाम हाइड्रा होने का कोई ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है। इतिहासकारों के मुताबिक हाइड्रा नाम द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान नाजी जर्मनी के खिलाफ ब्रिटिश रॉयल एयर फोर्स के एक बमबारी मिशन से जुड़ा था। सीएम एरेड्डी के बयान पर बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कांग्रेस को घेरते हुए तीखा हमला बोला। उन्होंने एक्स पर लिखा- कांग्रेस की खतरनाक हिटलर और इमरजेंसी मानसिकता एक बार फिर खुलकर सामने आ गई है। पूनावाला ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी खुलेआम यह कह रहे हैं कि हाइड्रा बनाने की प्रेरणा उन्हें हिटलर से मिली। उन्होंने इसे कांग्रेस की तानाशाही सोच करार दिया और कहा कि इंदिरा गांधी की इमरजेंसी से लेकर पत्रकारों और छात्रों पर कार्रवाई तक यही मानसिकता दिखाई देती है। पूनावाला ने रेवंत रेड्डी के उस बयान पर भी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री उत्तर भारत से हैं और दक्षिण भारत के लोगों को दूसरे दर्जे का नागरिक नहीं बनना चाहिए। पूनावाला ने इन टिप्पणियों को विभाजनकारी बताते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता उत्तर-दक्षिण विभाजन को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं।

14 वर्षों बाद खैरलांजी तहसील बौद्ध संघ का ऐतिहासिक पुनर्गठन संपन्न

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी की पावन धरती पर स्थित डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर सामुदायिक भवन में वह ऐतिहासिक क्षण साकार हुआ जिसका समाज लंबे समय से इंतजार कर रहा था। लगभग 14 वर्षों के बाद बालाघाट जिला बौद्ध संघ की तहसील शाखा खैरलांजी का पुनर्गठन संपन्न हुआ। यह केवल एक चुनाव नहीं था, बल्कि संगठन, एकता, सामाजिक जागरण और मिशन के प्रति समर्पण का उत्सव था। आयोजन बालाघाट जिला बौद्ध संघ के अध्यक्ष सचिन मेश्राम की अध्यक्षता में तथा निर्वाचन अधिकारी एवं वरिष्ठ सदस्य एच.आर. रानडे के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं निर्देशन जिला महासचिव दीपंकर पाटिल जी द्वारा किया गया।इस ऐतिहासिक अवसर पर जिला कार्यकारिणी के वरिष्ठ पदाधिकारियों में जिला संरक्षक जे.एस. चौरे, वरिष्ठ सदस्य भाऊदास चौहान, प्रह्लाद गजभिये,सर्कल छतेरा अध्यक्ष उत्तम भालेराय, भेंडारा-डोंगरमाली अध्यक्ष बालगोविंद बंसोड मिरगपुर से विशेष सदस्य प्रफुल्ल रंगारी, गजपुर सर्कल से विशेष सदस्य भीमप्रकाश बोरकर,वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सरोज बोरकर सहित सैकड़ों समाज बंधु प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।उनकी उपस्थिति और सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय के अनुसार प्रकाश उके को बालाघाट जिला बौद्ध संघ की तहसील शाखा खैरलांजी का तहसील अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।

इनको मिली तहसील की कमान

नई तहसील कार्यकारिणी में प्रकाश उके के हाथों में अध्यक्ष पद की कमान सौंपी गई है।वही मनोहर गेडाम को उपाध्यक्ष, अशोक जामुरकर को महासचिव, विशाल गजभिए की सहसचिव, संदीप वाघमारे को कोषाध्यक्ष बनाया गया है ।तो वही डेविड मेश्राम को संरक्षक बनाकर, मिलींद शेंडे नरेश चौधरी, अनिल सहारे, मुकेश गढ़पाले,प्रशांत गजभिये, प्रफुल्ल रंगारी, महेश मेश्राम, विजय जामुलकर,श्रीमती सरोज मेश्राम,श्रीमती गौतमा मासुरकर, और महेन्द्र नखासे को तहसील कार्यकारिणी सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है।

बाबासाहेब का मिशन ही हमारा जीवन

इस अवसर पर उपस्थित सभी समाजबंधुओं ने नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं एवं मंगलकामनाएं प्रेषित कीं। विशेष रूप से वारासिवनी तहसील अध्यक्ष हंसराज मेश्राम तथा उपस्थित अन्य सदस्यों ने खैरलांजी तहसील के ग्रामीण सर्कलों में संगठन विस्तार की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने का विश्वास व्यक्त किया।पदाधिकारियो ने बताया कि आज खैरलांजी तहसील ने संगठनात्मक एकता, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और सामाजिक प्रतिबद्धता का ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है, जो पूरे जिले के लिए प्रेरणा बनेगा। यह पुनर्गठन केवल एक तहसील का नहीं, बल्कि पूरे समाज के जागरण और संगठन शक्ति का प्रतीक है। हम आशा करते हैं कि बालाघाट जिले की अन्य तहसीलें भी खैरलांजी तहसील के इस ऐतिहासिक, अनुशासित और प्रेरणादायक चुनाव से सीख लेकर अपने-अपने क्षेत्रों में संगठन को मजबूत करेंगी तथा तथागत भगवान बुद्ध और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य और अधिक गति से करेंगी।

200 रुपये कम देने पर पत्नी ने पति पर कुल्हाड़ी से किया हमला

घरेलू विवाद में पति घायल, किरनापुर पुलिस ने दर्ज किया मामला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के किरनापुर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम लवेरी में घरेलू विवाद के चलते एक महिला द्वारा अपने पति पर कुल्हाड़ी से हमला करने का मामला सामने आया है। घटना में पति घायल हो गया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी पत्नी संतोषी दासरे के विरुद्ध मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम लवेरी निवासी देवेंद्र दासरे39 वर्ष मजदूरी का कार्य करता है। बताया गया है कि 7 जून की सुबह लगभग 10 बजे देवेंद्र ने अपनी पत्नी संतोषी दासरे को 5 हजार रुपये दिए थे। इसी दौरान रुपयों में 200 रुपये कम होने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। आरोप है कि 200 रुपये कम देने की बात पर संतोषी दासरे गुस्से में आ गई और अपने पति देवेंद्र को अश्लील गालियां देने लगी। जब देवेंद्र ने उसे गाली देने से मना किया, तो विवाद और बढ़ गया। इसी बीच संतोषी ने घर में रखी कुल्हाड़ी उठाकर अपने पति पर हमला कर दिया। हमले में देवेंद्र के हाथ और पैर में चोटें आईं।घटना के बाद घायल देवेंद्र दासरे ने इसकी जानकारी अपने पिता जीवनलाल दासरे तथा गांव के कोटवार जोगेंद्र रायकर को दी। जिनके साथ वह रिपोर्ट दर्ज कराने किरनापुर थाना पहुंचा। किरनापुर पुलिस ने घायल देवेंद्र का प्राथमिक उपचार एवं मुलाहिजा अस्पताल में करवाया।किरनापुर पुलिस ने आरोपी पत्नी संतोषी दासरे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 296(बी) एवं 115(2) के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस पूरे मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

आवश्यकता है
10वीं/12वीं या पदवीधर/आई.टी.आई. की यश एलईडी टेक्नोलॉजी प्रा. लिमिटेड कम्पनी नागपुर में इंटरव्यू के लिये।
-संपर्क करें-
शिव प्रसाद परिहार
9823234770
9823020378

किराये पर उपलब्ध
धनराज कॉम्प्लेक्स बालाघाट में प्रथम तल पर दुकानें किराये पर देना है।
महेन्द्र सुराना 94251 38670
ललित बाघरेचा 9424765679

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
सोमवार 08 जून 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3

पद्मेश न्यूज

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

पीजी कॉलेज में एडमिशन की जद्दोजहद, सीटें कम, विद्यार्थी अधिक

हर साल सैकड़ों छात्र-छात्राएं प्रवेश से वंचित,प्राइवेट कॉलेजों को मिलता है फायदा, क्षमता महज 3 हजार की,पढ़ रहे 12000 बच्चे,नई कॉलेज बिल्डिंग की दरकार, प्राचार्य बोले- गोंगलई में 11 एकड़ भूमि आवंटित, बिल्डिंग बनने में लगेंगे 3 साल

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 12वीं कक्षा के परीक्षा परिणाम घोषित किए जाने के बाद जिले के शासकीय पीजी कॉलेज में प्रवेश को लेकर एक बार फिर भारी प्रतिस्पर्धा की स्थिति बनने जा रही है। हर वर्ष की तरह इस बार भी सीटों की तुलना में विद्यार्थियों की संख्या कहीं अधिक होने से बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं को प्रवेश के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। विभिन्न संकायों में प्रवेश के लिए आवेदन करने वाले विद्यार्थी अब भी एडमिशन की रहा देख रहे हैं, जिसकी पहली लिस्ट तो जारी कर दी गई है लेकिन विधार्थियों द्वारा अब दूसरी लिस्ट का इंतजार किया जा रहा है।आपको बताए कि प्रधानमंत्री कालेज ऑफ एक्सीलेंस जटाशंकर त्रिवेदी पीजी कालेज जिले का सबसे बड़ा और प्रतिष्ठित शासकीय महाविद्यालय होने के कारण ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के अधिकांश विद्यार्थी पीजी कॉलेज में ही प्रवेश लेना चाहते हैं। बेहतर शैक्षणिक वातावरण, अनुभवी प्राध्यापक, कम फीस और विभिन्न विषयों की उपलब्धता के कारण विद्यार्थियों की पहली पसंद यही कॉलेज रहता है। लेकिन सीमित सीटों के कारण सभी विद्यार्थियों को प्रवेश नहीं मिल पाता।

हर वर्ष बनती है प्रवेश की चुनौती

कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया शुरू होते ही विद्यार्थियों और अभिभावकों की लंबी कतारें देखने को मिलती हैं।जो हर साल की तरह इस साल भी देखी जा रही है। कई छात्र-छात्राएं मेरिट सूची में स्थान नहीं बना पाने के कारण प्रवेश से वंचित रह जाते हैं। विशेष रूप से कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय के लोकप्रिय विषयों में सीटों की कमी सबसे बड़ी समस्या बनकर सामने आती है शिक्षा से जुड़े लोगों का कहना है कि जिले में उच्च शिक्षा की मांग लगातार बढ़ रही है, लेकिन उसके अनुरूप शासकीय संस्थानों का विस्तार नहीं हो पाया है। परिणामस्वरूप हर साल सीटों की कमी विद्यार्थियों के भविष्य पर असर डालती है।

प्राइवेट कॉलेजों को मिलता है सीधा लाभ

पीजी कॉलेज में प्रवेश नहीं मिलने की स्थिति में अधिकांश विद्यार्थियों को निजी महाविद्यालयों का रुख करना पड़ता है। इसका सीधा फायदा प्राइवेट कॉलेजों को मिलता है।कई अभिभावक आर्थिक रूप से कमजोर होने के बावजूद मजबूरी में निजी संस्थानों में बच्चों का दाखिला कराते हैं, जहां फीस और अन्य खर्च अपेक्षाकृत अधिक होते हैं।यदि शासकीय कॉलेज में सीटों की संख्या बढ़ाई जाए या नए भवन और अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की जाएं तो अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल सकता है।

पीजी कालेज को नए भवन की दरकार

पीजी कॉलेज में विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए लंबे समय से नए भवन और विस्तृत परिसर की मांग उठती रही है। वर्तमान परिसर में जगह की कमी के कारण कई बार शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन में भी कठिनाइयां आती हैं। प्रयोगशालाओं, कक्षाओं और अन्य सुविधाओं के विस्तार की आवश्यकता लगातार महसूस की जा रही है।जिले की उच्च शिक्षा व्यवस्था को मजबूत

बनाने के लिए बड़े और आधुनिक कॉलेज परिसर की आवश्यकता है, ताकि भविष्य में बढ़ती छात्र संख्या को समायोजित किया जा सके।

उच्च शिक्षा के लिए जरूरी है कालेज विस्तार

विशेषज्ञों का मानना है कि जिले में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में लगातार बढ़ रही मांग को देखते हुए शासकीय महाविद्यालयों का विस्तार समय की आवश्यकता बन चुका है। यदि नई बिल्डिंग समय पर तैयार होती है तो आने वाले वर्षों में प्रवेश संबंधी समस्याओं में काफी हद तक कमी आ सकती है और हजारों विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।फिलहाल एडमिशन के इस दौर में विद्यार्थियों और अभिभावकों की निगाहें प्रवेश प्रक्रिया पर टिकी हुई हैं।

लॉ कालेज बिल्डिंग अबतक अधूरी

नगर के अग्रणीय महाविद्यालय पीजी कॉलेज में वर्षों से लंबित प्रथक लॉ कॉलेज की मांग अब तक अधूरी है, प्रथक लॉ कॉलेज बिल्डिंग निर्माण कराने के लिए पीजी महाविद्यालय को शाशन द्वारा वायासिवनी रोड स्थित ग्राम डोंगरिया में 10 एकड़ की जमीन पूर्व में आवंटित की जा चुकी है,लेकिन उस भूमि पर ला कालेज बिल्डिंग का कार्य पूरा नही हो पाया है।उम्मीद जताई जा रही थी कि पृथक ला कालेज बनने से पीजी कालेज में ला क्लास के कमरे खाली हो जाएंगे जिससे आवश्यकता अनुसार संकाय की सीट बढ़ाकर अधिक विधार्थियो का एडमिशन लिया जाएगा।लेकिन ला कॉलेज बिल्डिंग का निर्माण अब तक पूरा नही हो पाया है।जो वर्तमान समय मे पूरा होना असंभव लग रहा है।

साइंस कॉलेज के लिए भी वर्षो से कर रहे इंतजार

पीजी महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या अधिक और व्यवस्था कम होने की बात कोई नई नहीं है बल्कि पीजी कॉलेज को वर्षो से नई बिल्डिंग की दरकार है जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है,बैठने की जगह कम और विद्यार्थियों की संख्या अधिक होने के चलते परेशानी हो रही है। वही साइंस कॉलेज बनाने के लिए नई बिल्डिंग की मांग वर्षो पुरानी है जो अब तक पूरी नहीं हो पाई है। कॉलेज में नई बिल्डिंग ना होने से कॉलेज की व्यवस्था दिन-ब-दिन बिगड़ती जा रही है इसके अलावा अपनी वाह वाही लूटने और छात्र संगठनों के दबाव में आकर सरकार प्रतिवर्ष सीट बढ़ाने का फरमान जारी कर देती है जिससे विद्यार्थियों की संख्या और अधिक बढ़ जाती है और व्यवस्था बिगड़ते जाती है।

नए भवन के लिए मिली गोंगलई में 11 एकड़ भूमि

बताया जा रहा है कि महाविद्यालय के नए भवन निर्माण के लिए गोंगलई क्षेत्र में लगभग 11 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। प्रस्तावित नए परिसर में आधुनिक शैक्षणिक सुविधाओं के साथ पर्याप्त कक्षाएं, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल मैदान और अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं विकसित की जाएंगी। निर्माण कार्य की प्रक्रियाएं पूरी होने के बाद आगामी तीन वर्षों में नई कॉलेज बिल्डिंग तैयार होने की उम्मीद है। नया परिसर बनने से प्रवेश क्षमता बढ़ेगी और विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी।

भूमि मिल गई है, बिल्डिंग बनाने में लगेगा करीब 3 वर्ष का समय- मरठे

कॉलेज प्राचार्य अशोक कुमार मरठे ने बताया कि महाविद्यालय में विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, हमारे पास सीमित जगह है, लेकिन राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि प्रदेश के सभी जिलों में प्रधानमंत्री कॉलेज आफ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे जिसमें पुराने कोर्स के अलावा नए कोर्स भी खोलने की बात चल रही है, भविष्य में पात्रता परीक्षा के माध्यम से वहां प्रवेश दिया जाएगा।वहीं पदों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी, इसके लिए बालाघाट जिले में गोंगलई में अनुसूचित जाति जनजाति होस्टल के बाजू में करीब 11 एकड़ की भूमि मिली है जिसका सीमांकन हो चुका है, भूमि क्षमता की जांच कर बिल्डिंग बनाने का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा जिसकी डिजाइन भी बनकर तैयार है।जब बिल्डिंग बन जाएगी तो एडमिशन के लिए परेशानी नहीं होगी लेकिन उक्त भूमि में बिल्डिंग बनाने और उस बिल्डिंग को हैंडओवर करने में करीब तीन वर्ष का समय लगेगा।

पुराना श्री राम मंदिर प्रांगण में संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह आज से

पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर कथा आयोजन की वर्षों से चल रही परंपरा 14 जून को विभिन्न कार्यक्रमों के साथ किया जाएगा समापन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष की भर्ती इस वर्ष भी नगर के पुराना श्री राम मंदिर में संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह का आयोजन किया गया है।पिछले कई वर्षों से चली आ रही इस परंपरा का निर्वह करते हुए इस वर्ष यह आयोजन 8 से 14 जून तक किया गया है।जिसमें कथा वाचक पंडित मधुरेश मिश्र द्वारा रोजाना ही विभिन्न प्रसंगों की संगीतमय प्रस्तुति दी जाएगी।बताया गया कि 14 जून को परीक्षित मोक्ष, गीता सार, हवन, यज्ञ, पूर्णाहुति, एवं महाप्रसाद वितरण के साथ आयोजित इस संगीतमय श्रीमद भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा वाचन का समापन किया जाएगा।

पिछले कई वर्षों से चली आ रही परंपरा- मधुरेश मिश्र

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान पुराना श्री राम मंदिर के पुजारी पंडित मधुरेश मिश्र ने बताया किपुरूषोत्तम मास के पावन अवसर पर प्रतिवर्ष पर पुराना श्री राम मंदिर प्रांगण में संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा प्रवचन का आयोजन किया जाता

है।यह परंपरा पिछले कई वर्षों से चली आ रही है जो अब भी जारी है।उन्होंने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा एवं श्री राम कथा श्रवण से वंश वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति, व्यापार, मान-सम्मान एवं सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। उन्होंने 8 से आगामी 14 जून तक रोजाना आयोजित होने वाले विभिन्न प्रसंगों में उपस्थित की अपील श्रद्धालु भक्तों से की है।

रोजाना ही विभिन्न प्रसंगों की दी जाएगी प्रस्तुति

नगर के पुराना श्री राम मंदिर प्रांगण में आयोजित इस संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा प्रवचन के दौरान 8 जून से रोजाना ही विभिन्न प्रसंगों की प्रस्तुति दी जाएगी जिसमें 8 जून सोमवार को शुकदेव जन्म, परीक्षित जन्म, हिरण्याक्ष वध का वर्णन किया जाएगा।तो वही 9 जून मंगलवार को ध्रुव चरित्र, जड़ भरत, आख्यान प्रसंग की प्रस्तुति दी जाएगी।इसके उपरांत 10 जून बुधवार को प्रहलाद चरित्र, गजेन्द्र मोक्ष, समुद्र मंथन, का वर्णन कर, 11जून गुरुवार को रामचरित एवं श्री कृष्ण जन्म प्रसंग का संगीतमय वाचन किया जाएगा। वही 12 जून शुक्रवार को बाललीला, कंस वध,गोवर्धन पूजा, रुकमणी विवाह, तो 13 जून शनिवार को जरासन्ध वध, शिशुपाल वध, सुदामा चरित्र, का वर्णन होंगा।इसके अंतिम दिन 14 जून रविवार को परीक्षित मोक्ष का वाचन कर गीता सार, हवन यज्ञ पूर्णाहुति एवं महाप्रसाद वितरण वितरण कर आयोजित इस संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान यज्ञ सप्ताह कथा प्रवचन का समापन किया जाएगा।

आम आदमी को लगा महंगाई का एक और झटका, फिर बढ़े घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम

29 रुपये महंगा हुआ सिलेंडर, 965 रु 50 पैसे प्रति सिलेंडर की नई दरें लागू, इसके पूर्व 60 रु का किया गया था इजाफा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

देश में लगातार बढ़ती महंगाई के बीच आम आदमी के लिए एक और बुरी खबर है। आज तेल कंपनियों ने नए रेट जारी कर दिए हैं जिसमें पेट्रोल- डीजल की कीमतों में तो कोई बदलाव नहीं हुआ लेकिन घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत एक बार फिर 29 रुपये बढ़ा दी गई है।सरकार ने पेट्रोल डीजल एनसीजी और कमर्शियल सिलेण्डर के बाद अब एक बार फिर घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ा दिए हैं।जानकारी के मुताबिक पिछली बार सरकार द्वारा घरेलू गैस के दाम 60 रुपए बढ़ाए गए थे।अब इसके दामो में 29 रु का और इजाफा किया गया है।जहा पहले रसोई गैस की कीमत 936 रु 50 पैसे थी वही 29 रु दाम बढ़ने से अब एक गैस सिलेंडर की कीमत 965 रु 50 पैसे हो गई है।बढ़ी हुई कीमतों की नई दरें 7 जून से लागू कर दी गई है।जहा आम नागरिकों और ग्रहणीयों ने रसोई गैस के दाम बढ़ने पर अपनी नाराजगी जताते हुए रसोई गैस, सहित अन्य खाद्यपदार्थो के दाम कम करने और लगातार बढ़ती जा रही इस मंहगाई पर अंकुश लगाने की मांग की है।

इसके पूर्व कमर्शियल सिलेंडर के भी बढ़ गए थे दाम

गैस के दामों को लेकर सरकार द्वारा अपनाई जा रही पॉलिसी लोगों के समझ के परे है क्योंकि एक ओर सरकार होटलों प्रतिष्ठानों आदि में लगने वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम लगातार बढ़ा रही है तो वहीं घरों में लगने वाली गैस के दाम भी लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। जिसको लेकर लोगों में नाराजगी देखी जा रही है पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के साथ ही एलपीजी घेरलू सिलेंडर के दाम बढ़ने के कयास भी पूर्व में लगाए जा रहे थे। एक तरफ 28 फरवरी को शुरू हुए ईरान युद्ध की वजह से सप्ताहों में आई दिक्कतों के बावजूद भी घरेलू एलपीजी सिलेंडर के दाम नहीं बढ़ाए गए

थे लेकिन सरकार ने एक मई को कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में इजाफा किया था।कमर्शियल सिलेंडर 993 रुपए और 5 किलो वाले सिलेंडर के दाम में 261 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी।इसके बाद 1 जून को कमर्शियल सिलेंडर 42 रुपए महंगा हुआ था, तो वही अब 6 जून को घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 29 रु बढ़ा दिए गए है।

फिर चूल्हा फूंकने को मजबूर महिलाएं

एलपीजी गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से एक बार फिर लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।जहां शहरी क्षेत्रों के सामान्य लोग तो जैसे तैसे मजबूरी में सिलेंडर भराकर खाना बनाने को मजबूर है तो वही शहर में निवास करने वाले गरीब मजदूरों और जिले के ग्रामीण अंचलों में रहने वाली कई महिलाओं सहित उज्जवला योजना के कई हितग्राहियों ने लगातार गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने से गैस सिलेंडर और चूल्हे कोने में सरका दिए हैं और फिर से चूल्हा फूंक रही हैं। वही कीमतें बढ़ने से उज्ज्वला गैस के उपभोक्ताओं के लिए महंगी गैस पर रोटियां बनाना हैसियत से बाहर हो गया है।आलम यह है कि जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं खाना पकाने के लिए अब लकड़ियां बीनने निकल पड़ती हैं वही देहात में अधिकांश घरों में सिलेंडर बंद हो चुके हैं। और वे एक बार फिर चूल्हे में खाना बनाने को मजबूर है जिससे गृहणियों की सांसों में धुआं, आंखों में जलन और आंसू की बेबसी लौट आई है इन सबकी वजह आए दिन बढ़ते गैस सिलेंडर के दाम बताए जा रहे हैं।

रसोई गैस की महंगी कीमतों ने पीएम उज्ज्वला योजना को किया फ्लॉप

महंगाई के इस दौर में रसोई गैस के दाम लगातार बढ़ाए जा रहे हैं जिससे ग्रहणीयो का बजट बिगड़ गया है। वही बात अगर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की करें तो लगातार बढ़ती जा रही गैस की कीमतों से उज्वला योजना भी फ्लॉप साबित हो रही है। ज्ञात हो कि 1 मई 2016 को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत हुई थी जिसका मकसद था देश के उन सभी परिवारों को सुरक्षित, स्वच्छ रसोई ईंधन आवंटित करना, जो आज भी पुराने, असुरक्षित व प्रदूषित ईंधन का प्रयोग खाना बनाने के लिए करते हैं, लेकिन महंगाई ने वापस हितग्राहियों को चूल्हा फूंकने पर मजबूर कर दिया है।जहा लगातार रसोई गैस के दाम बढ़ने और आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण कई महिलाओं ने उज्वला योजना में मिले गैस सिलेंडर और चूल्हे कोने में सरका दिए हैं और फिर से चूल्हा फूंक रही हैं। वही कीमतें बढ़ने से उज्ज्वला गैस के उपभोक्ताओं के लिए महंगी गैस पर रोटियां बनाना हैसियत

मंहगाई को कम करना चाहिए

स्थानीय लोगों ने बताया कि पेट्रोल डीजल के दाम पहले से बढे हुए हैं ऊपर से सरकार ने गैस के दाम बढ़ा दिए हैं हम मजदूरी कर महज 500रु कमाते हैं जिसमें 200 रु पेट्रोल में लग जाते हैं। पहले यही गैस 400 रु में आती थी अब वही गैस लगभग 1000 रु में आ रही है। अब घर चलाएं या बच्चों को पढ़ाए समझ नहीं आ रहा है। महंगाई काफी बढ़ गई है अभी हमने बच्चों का एडमिशन भी नही कराया है उसमें काफी पैसा लगेगा। पेट्रोल डीजल सहित अन्य वस्तुओं के दाम बढ़ रहे हैं इसे कम करना चाहिए।किचन का बजट बिगड़ गया है हमारी सरकार से अपील है कि लगातार बढ़ती जा रही महंगाई को कम करें और रसोई गैस के दाम बिल्कुल नहीं बढ़ाएं।

पहले 60, अभी 29 रु बढ़ाए गए है- अनुराग मिश्रा

गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों को लेकर की गई चर्चा के दौरान गैस एजेंसी मैनेजर अनुराग मिश्रा ने बताया कि पहले घरेलू गैस सिलेंडर के दाम 60रु बढ़ाए गए थे, जिसके चलते 936 रु 50 पैसे में गैस मिल रही थी। अब इसके दाम 29 रुपए और बढ़ा दिए गए हैं जिसके चलते 936 रु 50 पैसे में मिलने वाली घरेलू गैस अब 965 रु 50 पैसे में मिल रही है।

नाबालिग का अपहरण और दुष्कर्म के आरोप में युवक गिरफ्तार जेल भेजा गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। तिरोड़ी पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में महाराष्ट्र के एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी किरण पिता बंडू टेकाम 22 वर्ष ग्राम नवेगांव टोली थाना तिरोड़ा जिला गोंदिया निवासी है। जिसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भिजवा दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 6 जून 2025 को किरण, पीड़ित के गांव में उसकी बड़ी बहन की शादी में शामिल होने आया था। यहीं पर दोनों का परिचय हुआ। और दोनों मोबाइल से बातचीत करने लगे थे। इसके बाद आरोपी किरण लगातार पीड़ित के घर आता-जाता रहा और उसके साथ शारीरिक संबंध बनाते रहा। जिससे नाबालिग पीड़ित गर्भवती हो गई। पीड़ित ने गर्भवती होने के संबंध में किरण को बताई थी। इसके बाद किरण ने शादी का झांसा देकर पीड़ित को अपने गांव नवेगांव टोली ले गया। पीड़ित वहीं रहने लगी थी। पीड़ित के गर्भवती होने की जानकारी आशा कार्यकर्ता को लगी। जांच के लिए जब आशा कार्यकर्ता ने आधार कार्ड आदि दस्तावेज देखे तो पीड़िता के नाबालिग होने का पता चला। इसकी सूचना तत्काल तिरोड़ा पुलिस थाने को दी गई। तिरोड़ा पुलिस ने प्रारंभिक जांच कर शून्य पर अपराध दर्ज किया और डायरी अग्रिम कार्रवाई के लिए तिरोड़ी थाना भेजी। तिरोड़ी पुलिस ने आरोपी किरण टेकाम के विरुद्ध अपराध क्रमांक 143/2026 दर्ज किया है। जिसमे भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2), 87, 64(2)एम, 332(5) और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5(एल)/6,5(1) शामिल हैं। अपराध दर्ज होने के तुरंत बाद तिरोड़ी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी किरण को उसके घर नवेगांव टोली से गिरफ्तार कर लिया। मेडिकल जांच व अन्य कानूनी प्रक्रिया पूरी कर आरोपी किरण को 7 जून को न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने आरोपी किरण को न्यायिक अभिरक्षा में वासासिवनी जेल भेज दिया है। तिरोड़ी ने बताया कि नाबालिग से जुड़े मामलों में पुलिस जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई है और मामले की विवेचना जारी है।

आस-पास की खबरें

कंजई सरपंच ने पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह से की मुलाकात, गैलीजोड़ी नाला पुलिया निर्माण की मांग की

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत कंजई के सरपंच अधिवक्ता आनंद बिसेन शनिवार को भोपाल में मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह से सौजन्य भेंट की। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र की एक प्रमुख और बहुप्रतीक्षित

समस्या को लेकर आवश्यक चर्चा की और गैलीजोड़ी नाला मोक्षधाम पाजरा पुलिया निर्माण कार्य को स्वीकृति प्रदान कर आगामी बजट में जोड़ने की मांग की। इस पर पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने सकारात्मक रूख दिखाते हुए जल्द स्वीकृति देने का आश्वासन दिया है। चर्चा में कंजई सरपंच अधि. आनंद बिसेन ने बताया कि पीडब्ल्यूडी मंत्री महोदय को अवगत करवाया है कि गैलीजोड़ी नाला मोक्षधाम पाजरा मार्ग पर पुलिया का निर्माण न होने से स्थानीय ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। विशेषकर मोक्षधाम जाने वाले लोगों और बारिश के दिनों में यह मार्ग पूरी तरह बाधित हो जाता है। साथ ही यह भी बताया कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से प्रशासन से इस पुलिया के निर्माण की मांग कर रही है, लेकिन अब तक यह कार्य लंबित है। इसीलिए शनिवार को भोपाल में मंत्री जी से व्यक्तिगत मुलाकात कर आवश्यक दस्तावेज और मांग पत्र सौंपा गया है, ताकि बजट में इसे शामिल कर जल्द से जल्द काम शुरू करवाया जा सके। वहीं पुलिया का निर्माण होने से कंजई सहित आसपास के कई गांवों के लोगों को आवागमन में सुविधा होगी।

पांढरवानी अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल अध्यक्ष बने जगन्नाथ (शरद) धानेश्वर

बैठक में मंडल का गठन कर कार्यकारिणी का किया गया विस्तार, समाजोत्थान पर दिया गया जोर

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित गढ़वाल समाज सामुदायिक भवन में रविवार को अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। यह बैठक समाज के संरक्षक एवं पदाधिकारियों की उपस्थिति में प्रारंभ हुई। आयोजित बैठक में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज पांढरवानी के अध्यक्ष पद चुनाव पर चर्चा की गई। जिसके बाद सर्वसम्मति से जगन्नाथ (शरद) धानेश्वर को अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसी तरह अनिल बनवाले, अनिकेत वराड़े, श्रीमती पुष्पलता भारद्वाज को उपाध्यक्ष, देवेन्द्र बनवाले को कोषाध्यक्ष, संजय हरिद्रवार को सचिव, संतोष नागेश्वर, जानकी ब्रम्हे को सहसचिव, राहुल गोयल को मीडिया प्रभारी सहित अन्य पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। जिसके बाद उपस्थितजनों ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए समाज को संगठित कर समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम करने कहा गया। वहीं अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी के नवनियुक्त पदाधिकारियों ने कहा कि जो दायित्व सौंपा गया है उसका ईमानदारी से निर्वहन करते हुए समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में समाजोत्थान के क्षेत्र में काम किया जायेगा। चर्चा में अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी कार्यवाहक अध्यक्ष एनपी बनवाले ने बताया कि अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी का अध्यक्ष पद चुनाव हेतु पूर्व में एक बैठक आयोजित की गई थी, जिसमें निर्वाचन कब किया जाना, नामांकन फार्म जमा करने की अंतिम तारीख सहित अन्य कार्ययोजना तैयारी की गई थी। जिसके बाद दो लोगों ने अध्यक्ष पद के लिए दावेदारी किये थे और नामांकन फार्म जमा किये थे और नामांकन फार्म वापस लेने की तारीख पर देवेन्द्र बनवाले ने अपना फार्म वापस ले लिया था। जिसके बाद अध्यक्ष पद के लिए जगन्नाथ (शरद) धानेश्वर अकेले बचे थे। श्री बनवाले ने बताया कि 7 जून को निर्वाचन की प्रक्रिया के तहत अध्यक्ष पद हेतु एक ही दावेदार होने की स्थिति में जगन्नाथ (शरद) धानेश्वर को सर्वसम्मति से भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है एवं कार्यकारिणी भी घोषित कर दिया गया है। साथ ही नवनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत कर नया दायित्व सौंप दिया गया है। जिनके द्वारा समाजोत्थान सहित अन्य कार्य करवाये जायेंगें और सभी को संगठित करने के क्षेत्र में काम करेंगें। नवनियुक्त अध्यक्ष जगन्नाथ (शरद) धानेश्वर ने बताया कि सभी के सर्वसम्मति से मुझे अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है और इस मंडल के अंतर्गत 10 ग्राम आते है। साथ ही कार्यकारिणी में सभी ग्राम के स्वजातीय बंधु को पदाधिकारी का दायित्व दिया गया है। श्री धानेश्वर ने बताया कि समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में समाजोत्थान के क्षेत्र में बेहतर काम किया जायेगा। इस अवसर पर अखिल भारतीय गढ़वाल समाज मंडल पांढरवानी के संरक्षक एनपी बनवाले, चंद्रकुमार ब्रम्हे, संजय कंचनवार, पन्नालाल गोयल, अनिल ब्रम्हे, संतोष ब्रम्हे, विरेन्द्र बनवाले, सुरेन्द्र बनवाले, बर्सत ब्रम्हे, पीयुष ब्रम्हे, आकाश नागेश्वर, विनय ब्रम्हे, शिवनंदन सूर्यवंशी, एनएस सूर्यवंशी, गणेश नागेश्वर सहित अन्य स्वजातीय बंधु उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में शुक्रवार को विश्व

पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के तहत विशेष संवाद एवं पौधारोपण कार्यक्रम संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा की अध्यक्षता में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। इस विशेषज्ञ व्याख्यान में एन.एन.एस. प्रभारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत करवाये एवं प्रत्येक विद्यार्थियों को एक पेड़ लगाने के लिये प्रोत्साहित किया। भारतीय ज्ञान परम्परा प्रभारी नरेश सौलखे ने अपने व्याख्यान में विद्यार्थियों को बताया कि अपने आस-पास स्वच्छता रखे एवं पॉलीथीन का प्रयोग बंद करें। डॉ. कामाक्षा बिसेन ने विद्यार्थियों को ग्लोबल वार्मिंग की बढ़ती समस्या एवं जल संरक्षण के बारे में बताया। वहीं महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने विद्यार्थियों से अधिक-अधिक वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम प्रभारी श्रीमती भूमेश्वरी ठाकरे के द्वारा उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में डॉ. संगीता मेश्राम, डॉ. निर्मल कीर्ति गेडाम, मनीष शिवहरे, डॉ. आशा कारे, डॉ. आरती विश्वकर्मा, दीपक अहिरवार, यादोराव राजुरकर, व्यंकटरमन नगपुरे, श्रीमती सरिता एड़े, रामदयाल मथारे, लकेश गेडाम, पीतम मुरते, श्रीमती वंदना कुर्वे, मिनेश पंचेश्वर, प्रशिक हुमनेकर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

बकोड़ा में बह रही ज्ञान की गंगा, संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा में झूम रहे श्रध्दालु

9 जून को हवन-पूजन और महाप्रसादी वितरण के साथ होगा समापन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी दूर लालबर्रा-बालाघाट हाईवे मार्ग पर स्थित ग्राम बकोड़ा के सुप्रसिध्द धार्मिक स्थल श्री सांई मंदिर में गत 3 जून से सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का भव्य आयोजन जारी है। इस धार्मिक अनुष्ठान से पूरे क्षेत्र का माहौल भक्तिमय हो गया है और ग्राम में मानो ज्ञान की गंगा बह रही है। इस सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में सुप्रसिध्द कथावाचक पूज्य महंत हंसराज जी मिश्रा अपने मुखारविंद से भगवान श्रीकृष्ण की अलौकिक जीवनलीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दे रहे हैं। कथा के दौरान उनके द्वारा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, बाल लीला और सुदामा चरित्र जैसे दिव्य प्रसंगों का अत्यंत सजीव एवं मार्मिक वर्णन किया जा रहा है। साथ ही भजनों और प्रसंगों की मधुर प्रस्तुति पर उपस्थित श्रध्दालु भावविभोर होकर झूमने पर मजबूर हो रहे हैं।

दोपहर से शाम तक उमड़ रही श्रध्दालुओं की भीड़

श्री सांई मंदिर परिसर में प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक कथा का वाचन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्र के श्रध्दालुजन पहुंचकर कथा श्रवण कर पुण्य लाभ अर्जित कर रहे हैं। आयोजन समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि गत 3 जून से सांई मंदिर बकोड़ा में श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ जारी है और सुबह के समय विशेष पूजा अर्चना की जाती है एवं दोपहर 3 बजे से कथा प्रवचन शुरू होता है। जिसमें कथावाचक पूज्य महंत हंसराज जी मिश्रा अपने मुखारविंद से भगवान श्रीकृष्ण के लीलाओं पर संगीतमय प्रवचन दे रहे है, जिससे पूरे ग्राम में ज्ञान की गंगा बह रही है। वहीं कथा सुनने के लिए क्षेत्र के श्रध्दालुजन बड़ी संख्या में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ अर्जित कर रहे हैं। इस सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का समापन आगामी 9 जून को पूर्ण आहुति, हवन-पूजन एवं विशाल महाप्रसादी (भंडारा) वितरण के साथ किया जायेगा। इस अवसर पर क्षेत्रीयजनों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ अर्जित करने की अपील आयोजन समिति के पदाधिकारी एवं ग्रामीणजनों ने की है।

नेवरगांव ला. में फुले कोचिंग सेंटर का शुभारंभ

नवोदय, सैनिक स्कूल सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की मिलेगी तैयारी, सभी समाज के बच्चों को मिलेगा लाभ

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 9 किमी. दूर ग्राम पंचायत नेवरगांव ला. में शिक्षा के क्षेत्र में एक सराहनीय पहल की गई है। जिला एवं ब्लॉक मरार माली समाज के निर्देशानुसार तथा सर्कल मरार माली समाज नेवरगांव ला. के सानिध्य में गत दिवस फुले कोचिंग सेंटर का भव्य शुभारंभ किया गया। इस केंद्र का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण अंचल के बच्चों को नवोदय, श्रमोदय, सैनिक स्कूल, ओलंपियाड और मींस मेरिट जैसी विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। इस कोचिंग सेंटर की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां किसी एक वर्ग नहीं, बल्कि सभी समाज के कक्षा 4 थी से 8 वीं तक के बच्चों को प्रवेश दिया जायेगा। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों को ध्यान में रखते हुए यहां बेहद न्यूनतम (कम से कम) शुल्क में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दी जायेगी। बच्चों के सर्वांगीण विकास और विषयगत तैयारी के लिए अलग-अलग विषयों के अनुभवी शिक्षक अपनी सेवाएं देंगे।

लालबर्रा ब्लॉक का पहला ऐसा केंद्र

जिला एवं ब्लाक मरार माली समाज के द्वारा जिस कोचिंग सेन्टर का शुभारंभ किया गया है जहां कम संसाधनों में ग्रामीण बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध करवाना और उन्हें प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक करना ही इस पहल का मुख्य उद्देश्य है। यह लालबर्रा ब्लॉक का पहला ऐसा कोचिंग सेंटर है जो समाज के सहयोग से शुरू हुआ है। वहीं पदाधिकारियों ने बताया कि नेवरगांव ला. के बाद ब्लॉक के अन्य प्रमुख स्थानों पर भी इसी तरह के कोचिंग सेंटर खोले जायेंगें ताकि ग्रामीण क्षेत्रों का कोई भी होनहार बच्चा सही मार्गदर्शन के अभाव में पीछे न छूटे। इस पूरे प्रोजेक्ट को जिला एवं ब्लॉक मरार माली समाज के पदाधिकारियों, स्थानीय प्रबुध्दजनों और स्वजातीय बंधुओं के विशेष सहयोग से धरातल पर उतारा गया है। इस अनुकरणीय और जनहितैषी पहल की क्षेत्र के नागरिकों, पालकों और प्रबुध्द वर्ग ने सराहना की है। यह कार्यक्रम जिला मरार माली समाज जिलाध्यक्ष रमेश पंचे के मुख्य आतिथ्य, ब्लाक मरार माली समाज लालबर्रा अध्यक्ष कैलाश माले की अध्यक्षता एवं शिक्षा प्रकोष्ठ प्रभारी, सभापति जीएल सिंघनधूपे, युवा प्रकोष्ठ प्रभारी गजेन्द्र देशमुख के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मरार माली समाज ब्लाक लालबर्रा, सर्कल के पदाधिकारी, स्वजातीय बंधु एवं बच्चें उपस्थित रहे।

जो लोग व्यवस्था चला रहे, उन्हें व्यवस्था का अनुभव भी करना चाहिए

नई दिल्ली। एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को तब और बल मिला जब सोनम वांगचुक ने मंच पर पहुंचकर छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया। वांगचुक ने कहा कि उन्हें व्यक्तिगत रूप से विरोध-प्रदर्शन पसंद नहीं है, लेकिन जब न्याय की मांगों को अनसुना किया जाता है तो लोगों को आवाज उठानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था में बुनियादी बदलाव की जरूरत है और छात्रों की समस्याओं को गंभीरता से सुना जाना चाहिए। वांगचुक ने कहा कि बार-बार पेपर लीक हो रहे हैं। ऐसे में जवाबदेही तो तय करनी पड़ेगी। इसी बीच कवांगचुक ने एक सुझाव देते हुए कहा कि नेताओं, मंत्रियों और नौकरशाहों के बच्चों को सरकारी स्कूलों और सरकारी शिक्षण संस्थानों में पढ़ना चाहिए। उनका कहना था कि जो लोग व्यवस्था चला रहे हैं, उन्हें उसी व्यवस्था का अनुभव भी करना चाहिए। मंच के सामने मौजूद छात्रों ने कई बार उन्हें शिक्षा मंत्री बनने का आग्रह किया, लेकिन उन्होंने किसी भी राजनीतिक भूमिका में आने की संभावना को खारिज कर दिया। इससे पहले सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने आरोप लगाया कि छात्र आंदोलन की मांगों पर ध्यान देने के बजाय सोशल मीडिया गतिविधियों को निशाना बनाया जा रहा है। दीपके ने कहा कि पिछले एक माह से केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई जा रही है, लेकिन सरकार इस मुद्दे पर कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि समाज के कुछ वर्ग दबाव में समझौता कर सकते हैं, लेकिन देश के छात्र और युवा अभी भी अपने अधिकारों और न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं। दोपहर गर्मी से दीपके की तबीयत बिगड़ गई। हालांकि उन्होंने प्रदर्शनकारियों को संबोधित किया। दीपके ने कहा कि आज का प्रदर्शन समाप्त हो रहा है, लेकिन यह सिर्फ शुरुआत है। हम अगले शनिवार फिर जंतर मंतर लौटेंगे। अगर धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा नहीं देते है तो यह आंदोलन केवल दिल्ली तक सीमित नहीं रहेगा। हम पूरे देश में प्रदर्शन करेंगे और स्टूडेंट्स की आवाज को हर राज्य और हर शहर तक पहुंचाएंगे। कई छात्र और राजनीतिक संगठनों का भी समर्थन देखने को मिला।

ब्राम्हणटोली गर्रा से झाड़गांव कच्चा मार्ग हुआ जर्जर

सड़क नहीं गड्ढों का जाल प्रशासन मौन राहगीर परेशान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत गर्रा से एक बड़ी समस्या सामने आ रही है। यहाँ के ब्राम्हणटोली स्थित प्राथमिक स्कूल के पास से झाड़गांव से डोके के लिए निकलने वाला कच्चा मार्ग अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। लगभग डेढ़ किलोमीटर लंबा यह मार्ग इस कदर जर्जर हो चुका है कि इस पर पैदल चलना भी दूभर हो गया है। सड़क पर शुरू से लेकर अंत तक सिर्फ गहरे गड्ढे और उभरे हुए नुकीले पत्थर गिट्टी दिखाई देते हैं जिससे हर पल किसी बड़ी दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है।

कम दूरी का एकमात्र साधन सुबह शाम रहता है दबाव

प्राप्त जानकारी के अनुसार यह मार्ग क्षेत्र के लोगों के लिए रामपायली ,गर्रा और मोहगांव खुर्द आने जाने के लिए सबसे सुगम और कम दूरी का रास्ता है। इतना ही नहीं यह मार्ग रामपायली के निवासियों को सीधे डोंगरमाली और डोंगरमाली के लोगों को सीधे रामपायली से जोड़ता है। कम दूरी का रास्ता होने के कारण सुबह और शाम के वक्त इस मार्ग पर यातायात का भारी दबाव रहता है। इसके साथ ही मार्ग के दोनों ओर कृषि भूमि स्थित होने के कारण किसानों को भी अपने खेतों तक पहुँचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग की स्थिति वर्तमान में तो खराब है ही लेकिन बारिश के दिनों में यह रास्ता पूरी तरह से टार्चर ज़ोन में तब्दील हो जाता है। पूरा मार्ग दलदल का रूप ले लेता है जिससे इस पर आवागमन पूरी तरह ठप हो जाता है। ऐसी स्थिति में ग्रामीणों और राहगीरों को मजबूरन दूसरे रास्तों का सहारा लेना पड़ता है जिसके कारण उन्हें ५ किलोमीटर का अतिरिक्त फेरा लगाकर अपने गंतव्य तक पहुँचना पड़ता है। इससे लोगों का समय और पैसा दोनों बर्बाद हो रहे हैं। इस बदहाल सड़क को लेकर कई बार प्रशासनिक अधिकारियों को लिखित और मौखिक रूप से गुहार लगाई जा चुकी है। परंतु आज तक किसी भी जिम्मेदार अधिकारी ने इस ओर ध्यान देने की जहमत नहीं उठाई। प्रशासन की इस बेरुखी के कारण सड़क की स्थिति जस की तस बनी हुई है। हालांकि राहत की बात यह है कि इस जर्जर मार्ग के कारण अभी तक कोई बड़ी अनहोनी या जानलेवा दुर्घटना नहीं हुई है ,लेकिन आए दिन दुपहिया वाहन चालक यहाँ फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। क्षेत्र की इस गंभीर समस्या को देखते हुए अब स्थानीय नागरिकों ,किसानों और राहगीरों ने सामूहिक रूप से शासन प्रशासन से मांग की है कि इस डेढ़ किलोमीटर लंबे मार्ग का जल्द से जल्द पक्कीकरण निर्माण कराया जाए। ताकि लोगों को इस रोजाना की प्रताड़ना से मुक्ति मिल सके और क्षेत्र में सुगम आवागमन बहाल हो सके।

सड़क की जर्जर हालत से विद्यार्थी बारिश में स्कूल जाने से होते है परेशान-राकेश चचाने

ग्रामीण राकेश चचाने ने बताया की यह जो कच्ची सड़क है वह डेढ़ किलोमीटर करीब लंबी है विद्यार्थी राहगीर और किसान इस मार्ग से अधिकांश आना जाना करते हैं। यहां से डेढ़ किलोमीटर दूरी पर झाड़गांव और डोके पड़ता है दोनों ग्राम के लोग रामपायली और रामपायली के लोग डोंगरमाली के लिए यहीं से आते जाते हैं। मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा जर्जर है निर्माण की अति आवश्यकता है। यदि प्रशासन इस मार्ग को पक्का बना देता है तो क्षेत्र के लोगों को सुविधा होगी। इस मार्ग पर दुर्घटना की बहुत ज्यादा संभावना है लोग मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने से चोटिल भी हो रहे हैं। गर्राटोला एवं कोथुरना मार्ग से ३ किलोमीटर का फेर पड़ता है और यहां से डेढ़ किलोमीटर में सीधे रास्ता तय हो जाता है। इसलिए अधिकांश लोग मोटरसाइकिल से यहीं से आते जाते हैं।

मार्ग की जर्जर हालत से सभी परेशान है-छोटू पटले

राहगीर छोटू पटले ने बताया की हमारा व्यापार है रोजाना ग्रामीण क्षेत्रों में हम भ्रमण करते हैं। हमें इधर से डोंगरमाली की तरफ व्यापार करने जाना होता है तो इसी मार्ग का उपयोग करते हैं। सप्ताह में दो.तीन बार तो इस मार्ग से आना जाना हमारा हो जाता है कई बार हमारी खुद की गाड़ी अनियंत्रित हो जाती है। मार्ग में शुरू से आखरी तक बहुत ज्यादा गड्ढे हो गए हैं वहीं गिट्टी के छोटे बड़े पत्थर सड़क पर बाहर उभर कर निकल गए हैं जिस कारण दुर्घटना की संभावना बहुत ज्यादा रहती है। कच्चा मार्ग है गड्ढे समझ नहीं आते हैं बारिश में पूरा मार्ग कीचड़ से भर जाता है आवागमन तक बंद हो जाता है तब बहुत ज्यादा दिक्कत होती है। हम चाहते हैं कि इस मार्ग को पक्का बनाया जाए ताकि आसानी से लोग आना जाना कर सके वर्तमान में बहुत दिक्कत है। बारिश के समय किस भी बड़ी मुश्किल से आना जाना कर पाते हैं।

आरक्षक कल्याण सिंह भदोरिया को दी गई विदाई

१४ वर्षों की सेवा के बाद भिंड हुआ स्थानांतरण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी पुलिस थाने में लंबे समय से अपनी कर्तव्यनिष्ठा और उत्कृष्ट सेवाओं के लिए पहचाने जाने वाले आरक्षक कल्याण सिंह भदोरिया के स्थानांतरण पर रविवार की दोपहर थाना सभाकक्ष में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। पुलिस विभाग के द्वारा बीते २५ मई को जारी की गई स्थानांतरण सूची के तहत आरक्षक भदोरिया का तबादला बालाघाट जिले से भिंड जिले के लिए किया गया है। विदाई कार्यक्रम की शुरुआत थाना प्रभारी पवन यादव सहित अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में हुई। इस दौरान उपस्थित अधिकारियों और साथी कर्मचारियों ने कल्याण सिंह भदोरिया के कार्यकाल को याद करते हुए उनके सौम्य व्यवहार कर्तव्यपरायण कार्यशैली और मिलनसार स्वभाव की जमकर सराहना की गयी। थाना प्रभारी पवन यादव एवं अन्य पुलिस अधिकारियों के द्वारा आरक्षक कल्याण सिंह भदोरिया को परंपरा अनुसार शाल श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। उपस्थित सभी अधिकारी.कर्मचारियों ने उनके सुखद सफल और उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए भावभीनी विदाई दी। मूल रूप से मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के निवासी कल्याण सिंह भदोरिया का बालाघाट से गहरा नाता रहा है। उन्होंने वर्ष २०१२ में आयोजित बालाघाट पुलिस भर्ती रैली में भाग लिया था जहां उनका चयन पुलिस विभाग में हुआ। जून २०१२ में

पदस्थापना के बाद से वे लगातार बालाघाट जिले के विभिन्न दायित्वों को संभालते हुए आरक्षक के पद पर कार्यरत रहे। बालाघाट जिले में करीब १४ वर्षों तक लंबी सेवा देने के बाद अब वे अपने गृह क्षेत्र के समीप जिला भिंड में अपनी नई सेवाएं देंगे। इस विदाई समारोह के अवसर पर वारासिवनी थाने के समस्त अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

१७ वर्षीय नाबालिग ने किया कीटनाशक का सेवन सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले एक ग्रामीण इलाके में रविवार को एक १७ वर्षीय नाबालिग बालिका के द्वारा अज्ञात कारणों के चलते कीटनाशक का सेवन करने का गंभीर मामला प्रकाश में आया है। तबीयत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे आनन.फानन में वारासिवनी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ीत १७ वर्षीय नाबालिग बालिका अपने परिवार के साथ क्षेत्र के एक गांव में निवास करती है। परिवार में मां और पांच बहनें हैं जिनमें से दो बहनों का विवाह हो चुका है। वर्तमान में तीन बहनें अपनी मां के साथ गांव में ही रहती हैं। बताया जा रहा है कि ७ जून को किन्हीं अज्ञात कारणों के वश नाबालिग ने घर में रखे चूहा मार कीटनाशक का सेवन कर लिया। कुछ ही समय बाद जब बालिका की तबीयत बिगड़ने लगी और उसे असहजता महसूस हुई तो उसने हिम्मत जुटाकर पूरी घटना की जानकारी अपनी मां को दी। उसने बताया कि उसने गलती से या किसी वजह से चूहा मार दवा खा ली है। जैसे ही मां और परिवार के अन्य सदस्यों को इस बात की भनक लगी परिजनों ने तत्परता दिखाई और बालिका को तुरंत वारासिवनी के सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में डॉक्टरों ने त्वरित कार्यवाही करते हुए प्राथमिक उपचार शुरू किया। अस्पताल प्रबंधन की ओर से इस मामले की सूचना स्थानीय वारासिवनी थाना पुलिस को दे दी गई है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि नाबालिग ने इतना आत्मघाती कदम किस वजह से उठाया। अस्पताल में नाबालिक का उपचार जारी है।

निर्माणाधीन माँ शारदा मंदिर पहुँचे पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल

चौपाल लगाकर विकास कार्यों को दी मंजूरी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड नंबर २ में जन सहयोग और अगाध आस्था की एक नई मिसाल देखने को मिल रही है। यहाँ महिला मंडल और समस्त वार्डवासियों के सामूहिक प्रयासों से भव्य माँ शारदा मंदिर का निर्माण कार्य बेहद तेज गति से किया जा रहा है। इसी बीच मैहर वाली माँ शारदा के प्रति अपनी गहरी आस्था शक्ति और अलौकिक प्रेम को प्रदर्शित करते हुए पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल शाम के समय अपनी स्कूटी से अचानक मंदिर परिसर पहुँचे। उन्होंने वहाँ चल रहे निर्माण कार्यों का बारीकी से जायजा लिया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल के सादगी भरे अंदाज में स्कूटी से पहुँचते ही मंदिर परिसर में स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। कुछ ही देर में यह निरीक्षण एक अनौपचारिक चौपाल में बदल गया। वार्डवासियों और महिला मंडल ने मंदिर के विकास और आसपास की व्यवस्थाओं को लेकर अपनी जरूरतें उनके सामने रखीं। जनभावनाओं और धार्मिक महत्व को देखते हुए प्रदीप जायसवाल ने मौके पर ही कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए। चौपाल के दौरान मंदिर और आसपास के क्षेत्र को सर्वसुविधायुक्त बनाने के लिए मंदिर परिसर में सुचारू बिजली आपूर्ति के लिए नया विद्युत कनेक्शन तत्काल कराया जाएगा। शाम और रात के समय पर्याप्त रोशनी के लिए परिसर में हाई.पावर हैलोजन लाइटें लगाई जाएंगी, मंदिर के ठीक बाजू में एक भव्य सभामंच का निर्माण किया जाएगा। ताकि भविष्य में यहाँ धार्मिक एवं सामाजिक आयोजन सुगमता से संपन्न हो सकें, श्रद्धालुओं के आवागमन को आसान बनाने के लिए मंदिर के निकटवर्ती मार्ग पर पक्की सड़क का निर्माण किया जाएगा। मंदिर के सामने स्थित मैदान को समतल किया जाएगा , जिससे उत्सवों के दौरान वहाँ आने वाले भक्तों को कोई असुविधा ना हो। इस दौरान पार्षद मदन धार्मिक, लक्ष्मीनारायण डेकाटे, सुदेश सोनकुसरे ,श्रीमती उर्मिला धार्मिक सहित बड़ी संख्या में महिला मंडल और वार्डवासी उपस्थित रहे।

करोड़ों की योजनाएं लेकिन जनता को नही मिल रही सुविधायें-रजनीश नकासे

रामपायली के श्रीराम घाट पर विकास बनाम सुविधाओं का बड़ा सवाल

पद्मेश न्यूज। रामपायली/वारासिवनी। देश भर में धार्मिक पर्यटन नदी तटों के सौंदर्यीकरण और तीर्थस्थलों के विकास पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। सरकारें इसे सांस्कृतिक संरक्षण और पर्यटन संवर्धन का माध्यम बताती हैं लेकिन जब विकास कार्य केवल निर्माण तक सीमित रह जाएं और आम जनता को मूलभूत सुविधाएं ही ना मिलें तब ऐसे विकास मॉडल पर गंभीर प्रश्न खड़े होना स्वाभाविक है। रामपायली के पूर्व उपसरपंच रजनीश नकासे ने चर्चा में बताया कि रामपायली स्थित श्रीराम घाट की स्थिति भी कुछ ऐसे ही है। श्रीराम घाट पर लाखों रुपये की लागत से निर्मित सुलभ शौचालय और स्नानागार आज भी पूर्ण रूप से उपयोग में नहीं आ सके हैं। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि नदी किनारे निर्मित इन सुविधाओं में पानी की व्यवस्था ही सुनिश्चित नहीं हो पाई है। परिणाम स्वरूप यहां आने वाले श्रद्धालुओं पर्यटकों और विशेष रूप से महिला दर्शनार्थियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। श्री नकासे ने बताया कि किसी भी सार्वजनिक निर्माण की सफलता उसकी उपयोगिता से मापी जाती है ना कि केवल उसकी लागत से। यदि लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी जनता को सुविधा ना मिले तो यह केवल संसाधनों की बर्बादी ही नहीं बल्कि प्रशासनिक योजना और निगरानी की कमजोरी भी मानी जाएगी। श्री नकासे ने बताया कि घाट पर बने शौचालय और स्नानागार लंबे समय से केवल ढांचे बनकर रह गए हैं। रखरखाव जलापूर्ति और संचालन व्यवस्था के अभाव में इनका उद्देश्य अधूरा रह गया है।

महिलाओं और श्रद्धालुओं की सबसे बड़ी परेशानी शौचालय की अव्यवस्थायें- श्रीमती गीता अग्रवाल

श्रीमती गीता अग्रवाल ने बताया कि रामपायली में विभिन्न धार्मिक आयोजनों संस्कारों और पर्वों के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। बाहर से आने वाले दर्शनार्थियों को स्नान शौच और स्वच्छता जैसी मूलभूत सुविधाओं की आवश्यकता होती है। लेकिन जब ऐसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती तो सबसे अधिक परेशानी महिलाओं वृद्धजनों और बच्चों को उठानी पड़ती है। श्रीमती अग्रवाल ने बताया कि स्नान और स्वच्छता की समुचित व्यवस्था ना मिलने से उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता है। यदि धार्मिक स्थलों पर मूलभूत सुविधाएं ही उपलब्ध ना हों तो विकास कार्यों का वास्तविक उद्देश्य अधूरा रह जाता है।

कटंगी बाईपास पर दो मोटरसाइकिलों में भीषण भिड़ंत, एक युवक गंभीर रूप से घायल सिविल अस्पताल में उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पथरवाड़ा के कटंगी बाईपास पर शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। दो मोटरसाइकिलों की आपस में हुई सीधी और जोरदार भिड़ंत में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल युवक को प्राथमिक उपचार के बाद वारासिवनी के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सिवनघाट का निवासी पंकज पिता देवीलाल राहगंडाले उम्र ३० वर्ष दूध डेयरी में कार्यरत है। शनिवार की रात करीब ९.३० बजे पंकज ग्राम पथरवाड़ा से कटंगी बाईपास मार्ग होते हुए अपनी मोटरसाइकिल से पेट्रोल डलवाने के लिए जा रहा था। पंकज कटंगी बाईपास पर पहुंचा ही था कि विपरीत दिशा से आ रही एक अन्य मोटरसाइकिल से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। बताया जा रहा है कि दूसरी मोटरसाइकिल को बोनकट्टा निवासी एक व्यक्ति चला रहा था जो पथरवाड़ा की ओर आ रहा था। बाईपास पर दोनों गाड़ियों की रफ्तार तेज होने के कारण संतुलन बिगड़ गया और दोनों में आमने सामने की भीषण टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि उसकी आवाज दूर तक सुनाई दी। दुर्घटना के बाद दोनों मोटरसाइकिल सवार सड़क से कई फीट दूर जा गिरे और लहूलुहान हो गए। आवाज सुनते ही आस.पास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को संभाला और फौरन संजीवनी १०८ एम्बुलेंस सेवा को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंची एम्बुलेंस की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद घायल पंकज राहगंडाले को बेहतर इलाज के लिए तत्काल वारासिवनी के सिविल अस्पताल लाकर भर्ती कराया गया। जहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका उपचार जारी है। वहीं दुर्घटना में घायल हुए बोनकट्टा निवासी दूसरे मोटरसाइकिल चालक को इलाज के लिए कटंगी के शासकीय अस्पताल ले जाया गया है। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है जिसके बाद पुलिस मामले की जांच और आगे की कार्यवाही में जुट गई है।

समंदर रो रहा है और हम सो रहे हैं

शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा जिसे समंदर किनारे बैठना अच्छा न लगता हो। पानी की उठती-गिरती लहरें, ठंडी हवा और दूर तक फैला नीला पानी हर किसी का मन मोह लेता है। लेकिन क्या कभी हम यह सोचते हैं कि जिस समंदर को हम सिर्फ घूमने-फिरने की जगह समझते हैं, वो असल में हमारी हर सांस से जुड़ा हुआ है? आज 8 जून को पूरी दुनिया विश्व महासागर दिवस मना रही है। यह दिन सिर्फ अख़बारों में बधाई देने या भाषण झाड़ने का दिन नहीं है। यह दिन एक चेतावनी है उस समंदर की तरफ से, जो इंसानों की गलतियों की वजह से अब धीरे-धीरे बीमार पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र ने इस बार रीइमेजिन यानी फिर से सोचने की बात कही है, जो हमें याद दिलाती है कि अगर समंदर नहीं बचा, तो हमारा वजूद भी नहीं बचेगा। किताबों में तो लिख दिया जाता है कि धरती पर सत्तर प्रतिशत पानी है। लेकिन आसान भाषा में समझें तो यह समंदर हमारे ग्रह के फेफड़े हैं। हम जो सांस लेते हैं, उसकी आधी से ज़्यादा ऑक्सीजन समंदर के छोटे-छोटे पौधों से आती है, न कि सिर्फ जंगलों से। दुनिया का मौसम बदलना, टाइम पर बारिश होना और धरती का तापमान काबू में रहना, यह सब इसी नीले समंदर के दम पर मुमकिन हो पाता है। लेकिन इसके बदले में हम इंसान समंदर को क्या दे रहे हैं? सिर्फ और सिर्फ अपना कचरा! हमारे घरों, नालों और फैक्ट्रियों का सारा गंदा पानी और केमिकल आखिरकार समंदर में ही जाकर मिलता है। इससे भी बड़ा दुश्मन है प्लास्टिक। हर साल लाखों टन प्लास्टिक की बोतलें, थैलियां और चिप्स के पैकेट समंदर में फेंक दिए जाते हैं। आज हालत यह है कि समंदर के बीचों-बीच प्लास्टिक के तैरते हुए बड़े-बड़े पहाड़ बन चुके हैं। इस इंसानी लापरवाही की सबसे भारी कीमत बेज़ुबान समुद्री जीव चुका रहे हैं। कछुओं के मुंह में प्लास्टिक की स्ट्रॉ फंस जाती है, तो मछलियों के पेट से टनों प्लास्टिक की थैलियां निकल रही हैं। और नुकसान सिर्फ उनका नहीं हो रहा। जो मछलियां इस प्लास्टिक को खाती हैं, जब वही मछलियां इंसानों की थाली तक पहुंचती हैं, तो वो ज़हर घूम-फिरकर हमारे खुद के शरीर में आ जाता है। अगर हम भारत की बात करें, तो हमारी तटीय सीमा बहुत बड़ी है। करोड़ों मछुआरों के परिवारों की रोटी-रोटी इसी समंदर से चलती है। लेकिन पिछले कुछ सालों में आपने भी ध्यान दिया होगा कि समुद्री तूफानों की गिनती अचानक बढ़ गई है। आए दिन चक्रवात तबाही मचाते हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि हमारी गलतियों से समंदर गर्म हो रहा है और उसका गुस्सा इन तूफानों के रूप में हमारे शहरों पर फूट रहा है। हम प्रकृति को जो दे रहे हैं, वही लौटकर हमारे पास आ रहा है। अब सवाल यह है कि एक आम आदमी क्या कर सकता है? हमें कोई बहुत बड़ा काम नहीं करना है, बस अपनी छोटी-छोटी आदतें बदलनी हैं। जब भी हम किसी बीच या नदी किनारे घूमने जाएं, तो वहां कचरा न फैलाएं। सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का इस्तेमाल बंद कर दें। आज हमारे हाथ से छूटी एक प्लास्टिक की बोतल कल किसी मासूम जीव की जान ले सकती है। रही बात सरकारों और नेताओं की, तो बड़े-बड़े वादे और कागजी नियम बहुत बन चुके। अब ज़रूरत इस बात की है कि फैक्ट्रियों के मालिक और नगर निगम वाले शहर का गंदा नाला सीधे नदियों और समंदर में गिराना बंद करें। जब तक इन पर तगड़ा जुर्माना नहीं लगेगा और कैमरे लगाकर निगरानी नहीं होगी, तब तक कुछ बदलने वाला नहीं है। आखिर में बात बस इतनी सी है कि समंदर हमें चुपचाप जीवन दे रहा है और हम बदले में उसे धीरे-धीरे मार रहे हैं। अगर हम आज भी नहीं सुधरे, तो आने वाले समय में समंदर किनारे सिर्फ कचरे के ढेर और बदबू ही मिलेगी, सुकून नहीं। इसलिए, इस 8 जून को मोबाइल पर केवल फोटो और स्टेटस लगाने का दिखावा करने के बजाय, खुद से एक छोटा सा वादा करें कि हम अपनी तरफ से गंदगी नहीं फैलाएंगे।

अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026

वैश्विक प्रतिभा, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और आर्थिक राष्ट्रवाद के बीच अमेरिका की आव्रजन नीति एक नए निर्णायक मोड़ पर खड़ी दिखाई दे रही है। राष्ट्रपति ट्रम्प के सत्ता में लौटने के बाद अमेरिकीप्रशासन ने कानूनी आव्रजन कार्यक्रमों, विशेषकर एच-1बी वीजा प्रणाली, पर लगातार सख्ती का रुख अपनाया है। उच्च वेतन आधारित चयन प्रणाली की वकालत, वीजाआवेदनों की कड़ी जांच, रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड प्रक्रिया में बाधाएं, विदेशी श्रमिकों की भर्ती पर बढ़ती निगरानी, अमेरिकी कर्मचारियों को प्राथमिकता देने वाली नीतियां तथा विदेशी छात्रों के लिए उपलब्ध अवसरों को सीमित करने जैसे अनेक कदम इस व्यापक नीति परिवर्तन का हिस्सा माने जा रहे हैं। इसी क्रम में टेक्सास से रिपब्लिकन सांसद द्वारा अमेरिकी संसद में प्रस्तुत अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026 ने वैश्विक स्तर पर बहस छेड़ दी है। यदि यह विधेयक कानून का रूप लेता है तो एच-1बी वीजा धारकों के लिए ग्रीन कार्ड प्राप्त करने का मार्ग अत्यंत कठिन हो जाएगा, वीजा अवधि घट सकती है, ओपीटी कार्यक्रम समाप्त हो सकता है और अमेरिका में कार्यरत लगभग 12 लाख भारतीय मूल के पेशेवरों तथा उनके परिवारों के भविष्य पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। यह केवल एक आव्रजन सुधार प्रस्ताव नहीं, बल्कि अमेरिका की बदलती आर्थिक, राजनीतिक और श्रम नीति का प्रतीक माना जा रहा है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि एच-1बी वीजा पिछले कई दशकों से अमेरिका की तकनीकी और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण स्तंभ रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से अमेरिकी कंपनियां विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित जैसे क्षेत्रों में उच्च कौशल वाले विदेशी पेशेवरों को नियुक्त करती हैं। विशेष रूप से भारतीय आईटी पेशेवरों ने इस कार्यक्रम का सबसे अधिक लाभ उठाया है।विश्व की प्रमुख प्रौद्योगिकी कंपनियों में कार्यरत हजारों भारतीय इंजीनियर, सॉफ्टवेयर डेवलपर, डेटा वैज्ञानिक और अनुसंधान विशेषज्ञ एच-1बी वीजा के माध्यम से अमेरिका पहुंचे हैं। यही कारण है कि एच-1बी वीजा में किसी भी प्रकार का परिवर्तन भारत के तकनीकी समुदाय और छात्रों के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण विषय बन जाता है।

साथियों वैश्विक भू-राजनीति, आर्थिक राष्ट्रवाद और प्रतिभा आधारित प्रतिस्पर्धा के इस दौर में अमेरिका द्वारा प्रस्तावित अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट 2026 केवल एक आव्रजन सुधार विधेयक नहीं माना जा रहा, बल्कि इसे वैश्विक प्रतिभा प्रवाह, तकनीकी सहयोग और अंतरराष्ट्रीय श्रम बाजार के पुनर्गठन के संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है। विशेष रूप से भारत के संदर्भ में यह विधेयक अत्यंत महत्वपूर्ण है,क्योंकि एच- 1बी वीजा प्रणाली के सबसे बड़े लाभार्थियों में भारतीय पेशेवर शामिल हैं। पिछले कुछ वर्षों में राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा अपनाई गई अमेरिका फर्स्ट नीति, कानूनी और अवैध दोनों प्रकार के आव्रजन पर सख्ती,एच-1बी वीजानियमों की समीक्षा तथा अमेरिकी नौकरियों को प्राथमिकता देने की रणनीति ने भारत को यह संकेत पहले ही दे दिया था कि भविष्य में अमेरिकी श्रम बाजार भारतीय पेशेवरों के लिए पहले जैसा खुला नहीं रह सकता। यही कारण है कि भारत समानांतर रूप से अपने आर्थिक, व्यापारिक और रणनीतिक विकल्पों को मजबूत करने में जुटा हुआ दिखाई देता है।

साथियों, रिपब्लिकन सांसद का तर्क है कि लगभग चार दशकों के इतिहास में एच-1बी कार्यक्रम का व्यापक दुरुपयोग हुआ है। उनके अनुसार अमेरिकी नियोक्ताओं ने कम वेतन पर विदेशी कर्मचारियों को नियुक्त कर अमेरिकी विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित क्षेत्र के कर्मचारियों के अवसरों को सीमित किया है। उनका दावा है कि कंपनियों ने कर्मचारियों की कथित कमी का हवाला देकर सस्ते विदेशी श्रमिकों को प्राथमिकता दी जबकि अनेक अमेरिकी नागरिक रोजगार और वेतन संबंधी चुनौतियों का सामना करते रहे। इसी सोच के आधार पर उन्होंने अमेरिकन व्हाइट- कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट प्रस्तुत किया है, जिसका घोषित उद्देश्य अमेरिकी व्हाइट-कॉलर कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना है।इस विधेयक का सबसे विवादास्पद प्रावधान एच-1बी वीजा से ग्रीन कार्ड तक पहुंचने के रास्ते को समाप्त करने की दिशा में उठाया गया कदम है। वर्तमान व्यवस्था में एच-1बी धारक अमेरिका में कार्य करते हुए रोजगार-आधारित ग्रीन कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। यही कारण है कि लाखों विदेशी पेशेवर अमेरिका में दीर्घकालिक करियर और पारिवारिक भविष्य की योजना बनाते हैं। प्रस्तावित कानून इस अवधारणा को बदलना चाहता है। इसके अनुसार एच-1बी वीजा केवल अस्थायी कार्य वीजा रहेगा और इसे स्थायी निवास प्राप्त करने के साधन के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकेगा। इससे अमेरिका में बसने की आकांक्षा रखने वाले लाखों लोगों की योजनाओं पर सटीकता से गहरा प्रभाव पड़ सकता है। साथियों, विधेयक का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू ड्यूल इंटेंट सिद्धांत को कमजोर करना है।वर्तमान प्रणाली में एच -1बी धारक अमेरिका में अस्थायी रूप से काम करते हुए भविष्य में स्थायी निवास के लिए आवेदन कर सकते हैं। लेकिन प्रस्तावित व्यवस्था में आवेदक को यह साबित करना होगा कि उसका स्थायी निवास अमेरिका के बाहर है और वह अंततः अपने देश लौटने का इरादा रखता है। यह परिवर्तन अमेरिकी आव्रजन दर्शन में एक बड़े बदलाव का संकेत देता है, क्योंकि इससे एच-1बी वीजा का स्वरूप मूलतः अस्थायी रोजगार कार्यक्रम तकसीमित हो जाएगा।विधेयक में एच-1बी वीजा की अधिकतम अवधि छह वर्ष से घटाकर केवल दो वर्ष करने काप्रस्ताव भी शामिल है। वर्तमान में अधिकांश पेशेवर छह वर्षों तक अमेरिका में रहकर कार्य कर सकते हैं और ग्रीनकार्ड प्रक्रिया लंबित होने की स्थिति में अतिरिक्त विस्तार भी प्राप्त कर सकते हैं। यदि नई व्यवस्था लागू होती है तो कंपनियों के लिए दीर्घकालिक प्रतिभा प्रबंधन कठिन हो सकता है। कर्मचारियों को भी अपने करियर और पारिवारिक निर्णयों को लेकर अधिक अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है। साथियों, एक अन्य महत्वपूर्ण बदलाव ग्रीन कार्ड प्रक्रिया लंबित रहने की स्थिति में मिलने वाले वीजा विस्तार को समाप्त करना है। आज अनेक भारतीय पेशेवर वर्षों तक ग्रीन कार्ड की प्रतीक्षा सूची में रहते हैं और इस दौरान एच-1बी विस्तार के माध्यम से अमेरिका में कार्य करते रहते हैं। प्रस्तावित कानून इस सुविधा को समाप्त कर सकता है। परिणामस्वरूप हजारों लोग ग्रीन कार्डस्वीकृत होने से पहले ही अमेरिका छोड़ने के लिए बाध्य हो सकते हैं।इस विधेयक का एक और महत्वपूर्ण आयामवैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण अर्थात ओपीटी कार्यक्रम को समाप्त करने का प्रस्ताव है।ओपीटी अमेरिकी विश्वविद्यालयों से शिक्षा प्राप्त करने वाले विदेशी छात्रों को डिग्री पूर्ण करने के बाद सीमित अवधि तक अमेरिका में कार्य करने का अवसर देता है। भारतीय छात्र इस कार्यक्रम के सबसे बड़े लाभार्थियों में शामिल हैं। ओपीटी समाप्त होने की स्थिति में अमेरिकी शिक्षा प्राप्त करने वाले विदेशी छात्रों के लिए रोजगार के अवसर काफी सीमित हो सकते हैं। इससे अमेरिका की उच्च शिक्षा प्रणाली की वैश्विक आकर्षण क्षमता पर भी प्रभाव पड़ सकता है।संसद और उनके समर्थकों का कहना है कि वर्तमान लॉटरी आधारित एच-1बी प्रणाली योग्यता और आर्थिक मूल्य के बजाय भाग्य पर आधारित है। इसलिए विधेयक में लॉटरी समाप्त कर उच्च वेतन वाली नौकरियों को प्राथमिकता देने का प्रस्ताव रखा गया है। इस मॉडल के समर्थकों का मानना है कि इससे केवल अत्यधिक कुशल और उच्च मूल्य वाले पेशेवरों को अवसर मिलेगा। हालांकि आलोचकों का तर्क है कि इससे छोटे और मध्यम आकार के नियोक्ताओं के लिए प्रतिभाशाली विदेशी कर्मचारियों की भर्ती कठिन हो सकती है।ट्रंप प्रशासन के दौरान एच-1बी नीति को लेकर पहले भी अनेक सख्त कदम देखे गए थे और अब पुनः ऐसी चर्चाएं तेज हो गई हैं। अमेरिकी श्रम बाजार में घरेलू कर्मचारियों को प्राथमिकता देने,विदेशी श्रमिकों के वेतन मानकों को बढ़ाने, आवेदनों की जांच को कठोर बनाने तथा रोजगार-आधारित आव्रजन को सीमित करने जैसे विचार रिपब्लिकन राजनीति के एक प्रभावशाली वर्ग में लंबे समय से मौजूद रहे हैं। अमेरिकन व्हाइट-कॉलर वर्कर जॉब्स एक्ट इन्हीं विचारों का विधायी विस्तार माना जा रहा है। साथियों, इस पूरे विवाद का सबसे अधिक प्रभाव भारतीय समुदाय पर पड़ सकता है। भारत एच-1बी वीजा प्राप्त करने वाले देशों में लंबे समय से अग्रणी रहा है। अमेरिकी तकनीकी उद्योग में भारतीय इंजीनियरों और पेशेवरों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। बड़ी संख्या में भारतीय परिवारों ने अमेरिका में स्थायी भविष्य की योजना एच-1बी से ग्रीन कार्ड की पारंपरिक यात्रा के आधार पर बनाई है। यदि यह मार्ग सीमित या बंद हो जाता है तो लाखों लोगों की दीर्घकालिक योजनाएं प्रभावित हो सकती हैं।भारतीय छात्रों के लिए भी यह प्रस्ताव चिंता का विषय है। हर वर्ष हजारों छात्र अमेरिकी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए जाते हैं और ओपीटी तथा बाद में एच-1बी वीजा के माध्यम से अपने करियर की शुरुआत करते हैं। यदि ओपीटी समाप्त हो जाता है और एच-1बी प्राप्त करना अधिक कठिन हो जाता है, तो अमेरिका की तुलना में अन्य देशों जैसे कनाडा , ऑस्ट्रेलिया , यूनाइटेड किंगडम और जर्मनी अधिक आकर्षक विकल्प बन सकते हैं।हालांकि यह समझना आवश्यक है कि यह अभी केवल एक प्रस्तावित विधेयक है। अमेरिकी विधायी प्रक्रिया में किसी भी बिल को कानून बनने के लिए प्रतिनिधि सभा, सीनेट और राष्ट्रपति की स्वीकृति सहित अनेक चरणों से गुजरना पड़ता है। इसलिए इसका अंतिम रूप वर्तमान प्रस्ताव से भिन्न भी हो सकता है। फिर भी इसने अमेरिकी आव्रजन नीति की दिशा को लेकर गंभीर बहस शुरू कर दी है। समर्थकों का मानना है कि यह कानून अमेरिकी श्रमिकों की रक्षा करेगा, वेतन स्तर बढ़ाएगा और घरेलू प्रतिभा को प्राथमिकता देगा। दूसरी ओर आलोचकों का तर्क है कि अमेरिका की तकनीकी श्रेष्ठता का एक बड़ा कारण दुनिया भर से प्रतिभाशाली लोगों को आकर्षित करने की क्षमता रही है। यदि विदेशी पेशेवरों और छात्रों के लिए अवसर सीमित किए जाते हैं तो दीर्घकाल में अमेरिकी नवाचार क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धात्मकता प्रभावित हो सकती है।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

विश्व शांति के लिए बढ़ता खतरा और संयम की आवश्यकता

-कांतिलाल मांडोत

मध्य पूर्व एक बार फिर अशांति और संघर्ष के दौर से गुजर रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव केवल दो देशों का विवाद नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरी दुनिया की शांति, सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है। हाल के दिनों में दोनों देशों के बीच जिस प्रकार सैन्य गतिविधियां बढ़ी हैं, उससे यह आशंका गहरा गई है कि यदि समय रहते स्थिति को नियंत्रित नहीं किया गया तो इसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर दिखाई देगा। ऐसे समय में जब दुनिया पहले से ही अनेक आर्थिक, राजनीतिक और पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना कर रही है, तब किसी नए बड़े संघर्ष की संभावना मानवता के लिए चिंता का विषय है।

हाल ही में अमेरिका द्वारा ईरान के रडार और ड्रोन ठिकानों पर की गई सैन्य कार्रवाई ने तनाव को और बढ़ा दिया है। अमेरिका का कहना है कि यह कदम अपनी सुरक्षा और क्षेत्रीय हितों की रक्षा के लिए उठाया गया है। दूसरी ओर ईरान ने इस कार्रवाई को उकसावे की नीति बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इसके जवाब में कुवैत की दिशा में मिसाइलें दागे जाने की घटनाओं ने पूरे क्षेत्र में भय और अनिश्चितता का माहौल पैदा कर दिया है। यद्यपि विभिन्न पक्ष अपने-अपने तर्क प्रस्तुत कर रहे हैं, लेकिन वास्तविकता यह है कि सैन्य कार्रवाई किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सकती।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लोगों से शांत रहने की अपील करते हुए कहा है कि अंततः सब ठीक हो जाएगा और ईरान वास्तव में समझौता करना चाहता है। यह बयान कुछ हद तक आशा जगाता है, किंतु इसके साथ ही सैन्य हमलों का जारी रहना विरोधाभासी स्थिति उत्पन्न करता है। यदि वास्तव में बातचीत और समझौते की संभावना मौजूद है तो फिर सैन्य दबाव बढ़ाने की रणनीति शांति प्रक्रिया को कमजोर कर सकती है। इतिहास गवाह है कि जब भी संवाद के स्थान पर हथियारों को प्राथमिकता दी गई है, तब संघर्ष और अधिक जटिल हुआ है।

ईरान ने भी अमेरिका के साथ चल रही अप्रत्यक्ष वार्ताओं को रोकने का संकेत देकर स्पष्ट कर दिया है कि वह दबाव की राजनीति स्वीकार करने को तैयार नहीं है। ईरानी नेतृत्व का मानना है कि लगातार सैन्य कार्रवाई और प्रतिबंधों के बीच सार्थक वार्ता संभव नहीं है। यही कारण है कि दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई लगातार गहरी होती जा रही है। किसी भी समझौते की सफलता के लिए परस्पर विश्वास आवश्यक होता है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में यह विश्वास कमजोर पड़ता दिखाई दे रहा है।

इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष होर्मुज जलडमरूमध्य है। यह समुद्री मार्ग विश्व के ऊर्जा व्यापार की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। दुनिया के बड़े हिस्से में उपयोग होने वाला तेल इसी मार्ग से होकर गुजरता है। यदि इस क्षेत्र में संघर्ष बढ़ता है या समुद्री यातायात बाधित होता है तो इसका सीधा असर वैश्विक तेल आपूर्ति पर पड़ेगा। तेल की कीमतों में वृद्धि से परिवहन, उद्योग और व्यापार प्रभावित होंगे, जिसका असर आम लोगों तक पहुंचेगा। विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर इसका विशेष रूप से नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

जापान, यूरोपीय संघ और सऊदी अरब जैसे देशों द्वारा शांति और संयम की अपील किया जाना इस बात का प्रमाण है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय इस स्थिति को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त कर रहा है। जापान ने विशेष रूप से संवाद और समझौते का रास्ता अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया है। यूरोपीय देशों का भी मानना है कि सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीतिक प्रयासों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सऊदी अरब ने क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर दिया है। इन प्रतिक्रियाओं से स्पष्ट है कि दुनिया का अधिकांश हिस्सा युद्ध नहीं बल्कि शांति चाहता है।

आज के वैश्विक युग में किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष का प्रभाव सीमित नहीं रहता। एक देश में पैदा हुई अस्थिरता दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और सामाजिक जीवन को प्रभावित करती है। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान दुनिया ने देखा कि कैसे एक क्षेत्रीय संघर्ष ने खाद्यान्न, ऊर्जा और व्यापार व्यवस्था को प्रभावित किया। यदि अमेरिका और ईरान के बीच तनाव और बढ़ता है तो उसके परिणाम भी व्यापक और दूरगामी हो सकते हैं। इसलिए यह केवल मध्य पूर्व का मामला नहीं है, बल्कि पूरी दुनिया की चिंता का विषय है।

संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं की भूमिका भी इस समय अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। इन संस्थाओं का उद्देश्य ही वैश्विक शांति और सुरक्षा बनाए रखना है। उन्हें दोनों पक्षों के बीच संवाद स्थापित कराने और तनाव कम करने के लिए सक्रिय पहल करनी चाहिए। विश्व समुदाय को भी निष्पक्ष और रचनात्मक भूमिका निभानी होगी ताकि किसी भी प्रकार की गलतफहमी या उकसावे की स्थिति को रोका जा सके।

यह भी आवश्यक है कि दोनों देशों के नेतृत्व दूरदर्शिता और धैर्य का परिचय दें। भावनात्मक प्रतिक्रियाएं और शक्ति प्रदर्शन अल्पकालिक राजनीतिक लाभ दे सकते हैं, लेकिन दीर्घकाल में वे विनाशकारी सिद्ध होते हैं। युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। हजारों परिवार उजड़ जाते हैं, आर्थिक संसाधन नष्ट हो जाते हैं और विकास की गति वर्षों पीछे चली जाती है। इसलिए किसी भी जिम्मेदार नेतृत्व का पहला कर्तव्य शांति और स्थिरता को प्राथमिकता देना होना चाहिए।

मानव इतिहास ने यह सिखाया है कि युद्ध कभी भी अंतिम समाधान नहीं होता। अंततः हर संघर्ष का समाधान बातचीत की मेज पर ही खोजा जाता है। यदि ऐसा है तो फिर अनावश्यक सैन्य टकराव और शक्ति प्रदर्शन से बचना ही बुद्धिमानी है। अमेरिका और ईरान दोनों प्रभावशाली राष्ट्र हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे वैश्विक जिम्मेदारी का परिचय दें और ऐसे कदम उठाएं जो तनाव कम करने में सहायक हों।

आज आवश्यकता इस बात की है कि दोनों देश संवाद, विश्वास और सहयोग का मार्ग अपनाएं। विश्व शांति केवल एक आदर्श नहीं बल्कि मानव सभ्यता की आवश्यकता है। यदि शांति बनी रहेगी तभी विकास, समृद्धि और स्थिरता संभव होगी। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ता तनाव पूरी दुनिया के लिए चेतावनी है कि संघर्ष का रास्ता अंततः विनाश की ओर ले जाता है, जबकि संवाद और समझौता ही स्थायी समाधान प्रदान करते हैं। विश्व समुदाय की यही अपेक्षा है कि दोनों देश संयम बरतें, शांति बनाए रखें और मानवता के हित में ऐसे निर्णय लें जो आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और स्थिर भविष्य सुनिश्चित कर सकें।

आज शान्ति और संयम से काम लेने की जरुरत

श्री राम की मर्यादा उनके कर्म ही आपको मानवता का संदेश देती है भगवान राम राजा बनने वाले थे और 14 साल का वनवास मिल गया आज थोड़ा सा दु:ख हुआ नहीं की सिस्टम और सरकार का दोष, यह लोकतान्त्रिक देश 140 करोड़ लोगों का भारत है जब ठीक नहीं लग रहा बाद में चुनाव में हरा देना बहुत ज्यादा बुराई लिखने कॉकरोच पार्टी बनाने से दूसरे देश में ऐ खबर मजाक बन जाती है इसलिए कठिन परिस्थिति में संयम और शान्ति से काम लें राम ने भगवान शिव का त्रिपुरासुर धनुष उठाया था। यहाँ तक कि देवताओं, राक्षसों और नागों की पूरी सभा भी उसे नहीं उठा पाई थी। राम ने विष्णु का शारंग धनुष भी उठाया और तीनों लोकों (ब्रह्मांड) को हिला दिया। उन्होंने धुंधुभी नाम के एक राक्षस के शव को, जो कैलाश पर्वत से भी ऊँचा था, बस एक झटके में 10 योजन दूर फेंक दिया। राम ने एक ही बाण से पृथ्वी की सात परतों को भेद दिया। एक ही साधारण बाण से पूरे समुद्र को सुखा दिया। राम ने रावण पर अचूक ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, जिसका वज़न मेरु और मंदार पर्वतों जितना था। राम कितने शक्तिशाली हैं? वे समस्त शक्ति के स्रोत हैं! वे नारायण का ही एक रूप हैं! उनकी शक्तियों की कोई सीमा नहीं है। [वाल्मीकि रामायण 5-51-45] में कहा गया है कि जिसे श्री राम मारने का निश्चय कर लें, उसे ब्रह्मा और शिव भी नहीं बचा सकते। चाहे चार मुख वाले स्वयंभू देवता ब्रह्मा हों, या तीन आँखों वाले रुद्र (जिन्होंने त्रिपुरा—माया द्वारा राक्षसों के लिए आकाश, वायु और पृथ्वी में सोने, चाँदी और लोहे से बनाए गए नगर—को जलाया था), या फिर वातावरण और आकाश के देवता तथा देवताओं के स्वामी महेंद्र हों; इनमें से कोई भी उस व्यक्ति को नहीं बचा सकता, जिसे राम युद्ध में मारने का निश्चय कर लें। वाल्मीकि रामायण 1ङ्क1ङ्क17 में कहा गया है कि वे स्वयं ही सत्य हैं और ऐसा कोई नहीं है जो उनकी बराबरी कर सके। शौर्य में राम विष्णु के समान हैं, और अपनी सुंदरता में वे चंद्रमा की तरह आकर्षक हैं; क्षमाशीलता में वे पृथ्वी के तुल्य हैं, लेकिन अपने क्रोध में वे प्रलयकारी अग्नि के समान हैं... और उदारता में वे धन के देवता कुबेर के समान हैं, तथा अपनी सत्यनिष्ठा में वे साक्षात् धर्म के समान हैं—सत्य का ही मूर्त रूप—जिनका कोई प्रतिद्वंद्वी नहीं है। वाल्मीकि रामायण के अरण्य कांड में कहा गया है कि यदि समस्त देवता और तीनों लोकों की समस्त सेनाएँ भी एक साथ आ जाएँ, तो भी वे श्री राम की शक्ति के सामने कुछ भी नहीं हैं। हे वैदेही! तुम्हारे पति को सर्प, असुर, गंधर्व, देवता, पिशाच या राक्षस—कोई भी पराजित नहीं कर सकता; इसमें तनिक भी संदेह नहीं है। हे शुभलक्षणा! देवताओं, मनुष्यों, गंधर्वों, पक्षियों, राक्षसों, किन्नरों, पशुओं, अथवा हे देवी, यहाँ तक कि अत्यंत भयानक राक्षसों में भी ऐसा कोई योद्धा नहीं है जो युद्ध में राम का सामना कर सके; क्योंकि किसी भी युद्ध में राम की शक्ति इंद्र के तुल्य होती है। इस प्रकार की बातें करना तुम्हारे लिए अनुचित है, क्योंकि युद्ध में राम को पराजित करना असंभव है; और जहाँ तक मेरी बात है, मैं राघव (राम) की अनुपस्थिति में तुम्हें इस घने वन में अकेला छोड़ने का साहस कदापि नहीं कर सकता। चाहे समस्त शक्तिशाली सम्राट अपनी संपूर्ण सेनाओं के साथ आ जाएँ, अथवा समस्त देवता अपने प्रमुखों के साथ एकत्रित हो जाएँ—अरे, उनकी तो बात ही क्या—यदि तीनों लोक भी एक साथ मिलकर, चाहे सामूहिक रूप से या अलग-अलग, विद्रोह करते हुए आ जाएँ, तो भी राम के पराक्रम को कोई रोक नहीं सकता। वाल्मीकि रामायण (1-1-65) में कहा गया है कि उन्होंने राक्षस दुंदुभि के मृत शरीर को अपने पैर के अंगूठे से मात्र स्पर्श करके ही दस योजन दूर तक उछाल दिया था! (एक योजन लगभग 13 किलोमीटर के बराबर होता है, अतः दस योजन का अर्थ हुआ 1300 किलोमीटर!) विशाल भुजाओं वाले और अत्यंत शक्तिशाली राम ने जब दुंदुभि की अस्थियों को देखा, तो वे मुस्कुराए और अपने पैर के अंगूठे की सहायता से उस संपूर्ण शरीर को दस योजन की दूरी तक फेंक दिया। वाल्मीकि रामायण (1-1-67) में वर्णित है कि श्री राम ने अपने एक ही बाण से सात वृक्षों को भेद दिया था; वह बाण एक पर्वत को चीरता हुआ पृथ्वी के सबसे निचले तल (पाताल लोक) तक जा पहुँचा था! फिर एक बार, राम ने केवल एक ही विशाल बाण से सात विशाल साल के पेड़ों को भेद दिया; यह बाण न केवल उन पेड़ों के आर-पार निकल गया, बल्कि एक पर्वत को भी चीरता हुआ पृथ्वी के सबसे निचले पाताल लोक तक जा पहुँचा—यह सब सुग्रीव के मन में विश्वास जगाने के लिए किया गया था... वाल्मीकि रामायण के युद्ध कांड में कहा गया है कि श्री राम अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही सभी राक्षसों और दुष्ट शक्तियों का संहार कर सकते हैं! इससे क्या फ़र्क पड़ता है कि वह राक्षस कितना दुष्ट है या नहीं? वह मेरा ज़रा सा भी अहित करने में सर्वथा असमर्थ है। हे सुग्रीव, वानर सेना के स्वामी! यदि मैं चाहूँ, तो पृथ्वी पर विचरण करने वाले उन सभी आसुरी जीवों, राक्षसों, अलौकिक प्राणियों और नरभक्षी पिशाचों का संहार अपनी उंगली के सिर्फ़ एक पोर से ही कर सकता हूँ। एक कथा में यह प्रसंग आता है कि कैसे एक कबूतर ने अपने शत्रु (एक बहेलिए) को—जब वह शरण माँगने उसके पास आया—अतिथि-सत्कार के समस्त नियमों का पालन करते हुए स्वीकार किया, और यहाँ तक कि उसे अपने ही शरीर का मांस परोसकर भोजन के लिए आमंत्रित किया। सच तो यह है कि श्री राम की इच्छा के बिना, इस सृष्टि में ऐसा कोई भी नहीं है जो उनके समक्ष खड़ा होने का भी साहस कर सके। श्री राम ही सब कुछ हैं। वे इस संपूर्ण ब्रह्मांड के कण-कण में व्याप्त हैं, और यह संपूर्ण ब्रह्मांड उन्हीं में समाया हुआ है। वे ब्रह्मा के रूप में सृष्टि की रचना करते हैं; शिव के रूप में उसका संहार करते हैं; और अपने आदि-स्वरूप नारायण के रूप में वे समस्त सृष्टि का पालन-पोषण करते हैं। केवल एक ही ऐसी चीज़ है जिसे स्वयं श्री राम भी कभी नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते—और वह है, किसी सच्चे भक्त की अनन्य भक्ति। जो कोई भी भक्त श्री सीता-राम की भक्ति में पूरी तरह से लीन हो जाता है, उसे साकेत धाम में परम मोक्ष प्रदान करने के लिए श्री राम सदैव तत्पर और वचनबद्ध रहते हैं।सनातन धर्म में, भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है। उनके चरणों (चरण कमल) को बहुत पवित्र और भक्तों के दुखों का नाश करने वाला माना जाता है। हिंदू धर्म में गोस्वामी तुलसीदास महाराज कहते हैं भजमन राम चरण सुखदाई क्योंकि उनके चरण स्पर्श मात्र से अहिल्या पत्थर से पुनः जीवित हो गई जो इस संसार में भगवान राम के अलावा और ?ोई नहीं कर सकता है.संसार में करने की प्रधानता है और परमात्मा में श्रद्धा, भक्ति, मानने की बात है । देरी क्यों लगती है ? क्रिया पर जोर देते हैं (इसलिए) । गीता में तत्काल सिद्धि की बात बताई है । तो क्यों है; क्योंकि वह बनी हुई है, स्वत- सिद्ध है । तो अपना स्वरूप स्वत- सिद्ध है । इसमें दृष्टि डालने की जरूरत है । ऐसे परमात्मा हैं, उसमें भक्ति - भाव, श्रद्धा की जरूरत है । भाव से सिद्धि जल्दी होती है । (मानना है) भगवान् मेरे हैं । प्रहलाद जी को पूछा भगवान् कहां है ? तो प्रह्लाद जी ने कहा कि भगवान् कहां नहीं है । ऐसे ही भगवान् राम ने वाल्मीकि जी से पूछा- मैं कहां रहूं ? तो वाल्मीकि जी कहते हैं मैं पूछता सकुचाता हूं कि आप कहां नहीं हैं ? तो इसमें भाव की प्रधानता है । मैं हूं । तो शरीर को मिलाकर कहता है - मैं हूं । तो देरी लगती है । मैं प्रकृति का अंश है । हूं परमात्मा का अंश है । 卐है卐 के साथ 卐नहीं卐 मिला दिया, तो मरने का डर लगता है । मरने का भय लगता है - मैं और मेरा मानने से । भय, इच्छा से रहित हो जाए तो तत्व की प्राप्ति हो जाए । इस वास्ते कामना के त्याग की बात भगवान् ने बहुत कही है । इच्छा, कामना के कारण ही संसार से संबंध है । आप विचार कर लो जिन से संबंध नहीं है, उनसे इच्छा नहीं होती; क्योंकि सोचते हैं हमारे को इन से क्या लेना ? एक आवश्यकता होती और एक इच्छा होती है । आवश्यकता तो है परमात्मा राम को पाने की, इच्छा होती है (ज? की) संसार की । ज? में भी आवश्यकता और इच्छा दो होती है । इसमें भी आवश्यकता की पूर्ति होती है । और इच्छा की पूर्ति नहीं होती । यह ब?ती रहती है । तो आवश्यकता परमात्म तत्व की और इच्छा है ज? तत्व की । आवश्यकता तो पूरी होती है और इच्छा पूरी नहीं होती । भोजन करते-करते कहते हैं - तृप्ति हो गई । तृप्ति नहीं हुई, थकावट हो गई । इस थकावट को ही तृप्ति कह देते हैं । पर भगवान् की प्राप्ति के बाद तृप्ति होती है । एक जानने की शक्ति है । एक करने की शक्ति है। एक मानने की शक्ति है । जानने की शक्ति को आत्मा में लगाओ । करने की शक्ति को दूसरों की सेवा में लगाओ । मानने की शक्ति को भगवान् में लगाओ । पशु, पेड़ से चीजें ले तो सकते हैं पर वो सेवा कर नहीं सकते । दूसरों की सेवा मनुष्य ही कर सकते हैं । दूसरों की सेवा करना कर्म योग है । अपने आप को जानना ज्ञान योग है और भक्ति करना यह भक्तियोग हो गया । गीता ने वासुदेव- सर्वम् को सर्वोपरि सिद्धांत बताया है । यह भक्तियोग से जल्दी सिद्ध हो जाता है । ज्ञान योग से भी प्राप्त हो जाता है (सिद्ध हो जाता है) । भक्ति वाला ज्ञान मार्ग की निंदा ना करें और ज्ञान वाला भक्ति मार्ग की निंदा ना करें । अपने मार्ग पर चलना ठीक है, पर दूसरे की निंदा ठीक नहीं है । भक्ति को उत्तम माना है, पर उत्तम मानकर भी ज्ञान को नीचा नहीं माना है । भक्ति से सब सिद्ध हो जाते हैं । कर्म योग, ज्ञान योग, भक्ति योग सब सिद्ध जाते हैं । तो मूल बात क्या है ? परमात्मा की प्राप्ति में करने की प्रधानता नहीं है ।

-संजय गोस्वामी

सट्टेबाजों की सक्रियता, मजबूत रुपए से तेल-तिलहन बाजार में गिरावट रही

सरसों, मूंगफली, सोयाबीन समेत अधिकांश तेल-तिलहन के दाम लुढ़के; बिनौला में मामूली तेजी

नई दिल्ली। एजेंसी। बीते सप्ताह घरेलू तेल-तिलहन बाजारों में सट्टेबाजों की बढ़ती सक्रियता और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने से अधिकांश खाद्य तेलों के दाम में गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों की कमजोरी और आयात सस्ता होने का भी असर दिखा। बाजार में सटोरियों की सक्रियता, मजबूत होते रुपये और विदेशों में टूटते बाजारों के चलते बीते सप्ताह सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम गिरे। रुपये के मजबूत होने से आयात सस्ता हो गया, जिससे आयातक लागत से नीचे दाम पर तेल बेच रहे हैं। गर्मी की फसल की आवक की चर्चा ने मूंगफली तेल-तिलहन के दाम में गिरावट लाई। सटोरियों ने सोयाबीन का दाम तोड़कर स्टॉक जमा करने और बाद में ऊंचा बोलने का प्रयास किया। हालांकि, कम उपलब्धता और बढ़ती मांग के कारण बिनौला तेल के दाम में मामूली सुधार आया। विशेषज्ञों ने सरकार से अपील की है कि आयातकों द्वारा लागत से कम दाम पर तेल बेचकर विदेशी मुद्रा के नुकसान पर सख्त निगरानी रखे। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 125 रुपये की गिरावट के साथ 7,650-7,675 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों तेल 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,550 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल क्रमश़ 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश़ 2,580-2,680 रुपये और 2,580-2,725 रुपये टिन (15 किलो) पर मजबूत बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाना और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमश़ 450-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश़ 6,975-7,025 रुपये और 6,825-6,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन इंदौर तेल 100 रुपये की गिरावट के साथ 15,650 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल 120 रुपये की गिरावट के साथ 12,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गर्मी की फसल आने की चर्चा के बीच बीते सप्ताह मूंगफली तिलहन का दाम 25 रुपये की गिरावट के साथ 6,600-7,175 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 300 रुपये की गिरावट के साथ 15,700 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 55 रुपये की गिरावट के साथ 2,490-2,790 रुपये प्रति टिन पर स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 150 रुपये की गिरावट के साथ 13,800 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 15,600 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 14,400 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। कम उपलब्धता के बीच मांग बढ़ने से बिनौला तेल का दाम 25 रुपये के सुधार के साथ 15,950 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

दुनिया के अन्य देशों से भी सस्ता है रसोई गैस सिलेंडर

नई दिल्ली। एजेंसी। हाल ही में सरकार द्वारा घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में 29 रुपए की वृद्धि की घोषणा ने भले ही उपभोक्ताओं की चिंता बढ़ाई हो, लेकिन पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि इस बढ़ोतरी के बावजूद भारत में रसोई गैस दुनिया के कई देशों, खासकर पड़ोसियों और विकसित राष्ट्रों की तुलना में कहीं अधिक किफायती बनी हुई है। मंत्रालय ने दावा किया है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस के दाम आसमान छूने के बाद भी सरकार की प्रतिबद्धता के चलते उपभोक्ताओं को भारी सब्सिडी का लाभ मिल रहा है। मंत्रालय के अनुसारझ एक एलपीजी सिलेंडर की वास्तविक आपूर्ति लागत अब 1,600 रुपए से भी अधिक हो चुकी है। इसके बावजूद अंतर्राष्ट्रीय बाजार से सीधा जुड़ाव होने के बावजूद, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने प्रभावी कीमतों को घरेलू उपभोक्ताओं के बजट से बाहर नहीं जाने दिया है। यही कारण है कि जहां दिल्ली में आम उपभोक्ताओं को 1,600 रुपए की लागत वाला सिलेंडर मात्र 942 रुपए में मिल रहा है, वहीं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाय) के लाभार्थियों के लिए यह कीमत और भी कम है। सरकार द्वारा दी जा रही भारी सब्सिडी की बदौलत उपभोक्ताओं को बाजार आधारित वास्तविक कीमत से भारी छूट मिल रही है। उज्ज्वला योजना के लाभार्थी परिवारों को साल के पहले चार रीफिल पर 300 रुपए प्रति सिलेंडर की डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) सब्सिडी मिलती है, जिससे इसकी प्रभावी कीमत घटकर सिर्फ 642 रुपए रह जाती है। यह कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार भाव से करीब 60 फीसदी कम है। वहीं दिल्ली में सामान्य उपभोक्ता को अब सिलेंडर 942 रुपए में मिल रहा है, जो कि वास्तविक अंतर्राष्ट्रीय बाजार कीमत से लगभग 45 फीसदी यानी करीब 700 रुपए सस्ता है। मंत्रालय ने विभिन्न देशों से तुलना करते हुए बताया कि पीएम उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को भारत में 14.2 किलोग्राम का एलपीजी सिलेंडर केवल 642 रुपए में मिल रहा है। इसकी तुलना में पड़ोसी देशों में कीमतें काफी अधिक हैं- पाकिस्तान में इतनी गैस की कीमत 1,046 रुपए (भारत से 39 फीसदी महंगी), नेपाल में 1,207 रुपए (47 फीसदी महंगी), बांग्लादेश में करीब 1,225 रुपए और श्रीलंका में 1,241 रुपए में मिल रही है। विकसित देशों में भी स्थिति अलग नहीं है। अमेरिका में 14.2 किलोग्राम एलपीजी 1,755 रुपए, ऑस्ट्रेलिया में 1,765 रुपए और कनाडा में लगभग 2,411 रुपए में मिल रही है, जो भारत के मुकाबले 63 फीसदी से 73 फीसदी तक अधिक महंगी है। सरकार की भारी सब्सिडी और रणनीतिक हस्तक्षेप के कारण ही वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत अपने नागरिकों को दुनिया की सबसे सस्ती रसोई गैस उपलब्ध करा पा रहा है, जिससे करोड़ों परिवारों को राहत मिल रही है।

झारखंड से ब्रिटेन को आम्रपाली आम का निर्यात

नई दिल्ली। एजेंसी। भारत ने झारखंड से ब्रिटेन को 1.5 टन ताजा 'आम्रपाली' आम का निर्यात किया है। वाणिज्य मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। ये आम झारखंड के सिमडेगा जिले के बानो प्रखंड स्थित बेउरा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से प्राप्त किए गए हैं। यह एक पूर्ण महिला किसान उत्पादक कंपनी (एफपीसी) है, जो स्थानीय महिला किसानों को संगठित कर कृषि उत्पादन और विपणन का कार्य करती है। आमों की यह खेप चार जून को कोलकाता से ब्रिटेन के लिए रवाना की गई। यह निर्यात झारखंड के कृषि उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने और महिला किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जीडीपी, ईरान वार्ता और बैंकिंग सेक्टर से तय होगी शेयर बाजार की चाल

मुंबई। एजेंसी। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह गिरावट दर्ज किए जाने के बाद इस सप्ताह निवेशकों की नजर शुक्रवार को जारी हुए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों के असर पर टिकी रहेगी। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते, वैश्विक संकेतों और घरेलू बैंकिंग सेक्टर की चाल इस सप्ताह बाजार की दिशा निर्धारित करेगी। जीडीपी के आंकड़े शुक्रवार को बाजार बंद होने के बाद जारी किए गए थे, जिसके चलते इनका वास्तविक असर सोमवार को बाजार खुलने पर देखने को मिलेगा। विश्लेषकों के अनुसार इस सप्ताह बाजार की दिशा कई घरेलू और वैश्विक कारकों से तय होगी। सबसे पहले अमेरिका और ईरान के बीच संभावित समझौते पर निवेशकों की करीबी नजर रहेगी। यदि इस दिशा में कोई सकारात्मक प्रगति होती है, तो कच्चे तेल की कीमतों में

नरमी आ सकती है, जिसे भारतीय बाजार के लिए एक शुभ संकेत माना जाएगा। इसके अतिरिक्त अमेरिकी बाजारों की चाल व्यापक वैश्विक रुझान, रुपये की मजबूती और विदेशी निवेशकों का रुख भी बाजार की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक सकारात्मक संकेत के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की हालिया नीति के बाद बैंकिंग शेयरों में मजबूती देखने को मिली है। बाजार विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में बैंक निफ्टी निफ्टी के मुकाबले बेहतर प्रदर्शन कर सकता है। उन्होंने बताया कि बैंक निफ्टी 54,400 के स्तर से ऊपर बंद हुआ है, जिसे तकनीकी रूप से एक महत्वपूर्ण ब्रेकआउट जोन माना जा रहा है। वहीं निफ्टी के लिए 23,100-23,150 का स्तर मजबूत सपोर्ट का काम कर सकता है। फिलहाल बाजार में बड़ी गिरावट की आशंका कम दिख रही है। विशेषज्ञों ने निवेशकों को सलाह दी है कि वे घबराने के बजाय गुणवत्ता वाले शेयरों में चरणबद्ध तरीके से खरीदारी के अवसर तलाशें।

टाटा स्टील ब्रिटेन परियोजना में देरी, बिजली कनेक्शन बना रोड़ा

नई दिल्ली। एजेंसी। टाटा स्टील की ब्रिटेन में 1.25 अरब की कम कॉर्बन उत्सर्जन वाली इस्पात परियोजना को बिजली कनेक्शन में देरी के कारण छह से आठ महीने का विलंब हो सकता है। पोर्ट टैलबोट संयंत्र में 32 लाख टन क्षमता वाला इलेक्ट्रिक आर्क फर्नेस (ईएएफ) स्थापित करने की यह योजना अब तय समय से पीछे हो सकती है, क्योंकि राष्ट्रीय ग्रिड आवश्यक उच्च-वोल्टेज कनेक्शन उपलब्ध कराने में असमर्थ है। कंपनी के एक व ?रिष्ठ अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रीय ग्रिड की परियोजना में देरी से ईएएफ का परिचालन प्रभावित होगा। यह नया संयंत्र पुराने ब्लास्ट फर्नेस की जगह लेगा और टाटा स्टील की कार्बन उत्सर्जन में 90 प्रतिशत (सालाना करीब 50 लाख टन) कमी लाने की रणनीति का प्रमुख हिस्सा है। ब्रिटेन सरकार की 50 करोड़ पाउंड की सहायता वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना में टाटा स्टील, ब्रिटेन सरकार और राष्ट्रीय ग्रिड के साथ मिलकर देरी के प्रभाव को कम करने के लिए काम कर रही है। परियोजना स्थल पर प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्य पूरे हो चुके हैं और उपकरणों का निर्माण व आपूर्ति जारी है। हालांकि, नए ईएएफ को संचालित करने के लिए उच्च क्षमता वाली बिजली आपूर्ति अनिवार्य है, जो अभी उपलब्ध नहीं है। कंपनी ने ऐसी बड़ी औद्योगिक परियोजनाओं में समय-सीमा में बदलाव को सामान्य बताया है। 3 जून को परियोजना स्थल पर आग लगने की एक घटना भी हुई थी, जिसमें कोई हताहत नहीं हुआ।

ओवरटाइम पर अब सख्ती-काम भी डबल, भुगतान भी डबल

नई दिल्ली। एजेंसी। देश की फैक्ट्रियों, मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स और कॉरपोरेट दफ्तरों में काम करने वाले लाखों कर्मचारियों के लिए ओवरटाइम हमेशा से एक बड़ा मुद्दा रहा है। अक्सर काम के बढ़ते दबाव, प्रोजेक्ट डेडलाइन या पीक सीजन के नाम पर कर्मचारियों से तय समय से अधिक काम कराया जाता है, लेकिन इसके बदले मिलने वाला उचित भुगतान कई बार विवाद का कारण बनता है। कई मामलों में कर्मचारियों को या तो बहुत कम अतिरिक्त भुगतान दिया जाता है या फिर ओवरटाइम के पैसे को लेकर कंपनियों की ओर से टालमटोल की स्थिति देखने को मिलती है। हालांकि, सरकार द्वारा लागू किए गए नए लेबर कोड्स ने इस पूरी व्यवस्था में बड़ा और सख्त बदलाव किया है। विशेषज्ञों के अनुसार 'कोड ऑन वेजेस, 2019' के तहत यह स्पष्ट कर दिया गया है कि यदि कोई कर्मचारी अपने निर्धारित कार्य घंटों से अधिक काम करता है, तो उसे उसके सामान्य वेतन की दोगुनी दर से ओवरटाइम का भुगतान करना अनिवार्य होगा। इस प्रावधान का उद्देश्य कर्मचारियों को उनके अतिरिक्त श्रम का उचित और न्यायसंगत मुआवजा दिलाना है, जिससे लंबे समय से चली आ रही असमानता को दूर किया जा सके। इसके साथ ही 'ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड, 2020' (ओएसएच कोड) में भी महत्वपूर्ण बदलाव किए गए हैं। इस कोड के तहत अब किसी भी कर्मचारी से ओवरटाइम कराने से पहले उसकी स्पष्ट सहमति लेना कानूनी रूप से अनिवार्य होगा। यानी अब कंपनियां कर्मचारियों पर अतिरिक्त काम के लिए दबाव नहीं बना सकेंगी और बिना अनुमति के ओवरटाइम नहीं कराया जा सकेगा। यह नया कानूनी ढांचा पुराने फैक्ट्री एक्ट, माइंस एक्ट और अन्य श्रम कानूनों को एकीकृत करता है। इसके दायरे में अब ग्रेनाइट प्रोसेसिंग यूनिट्स, खनन क्षेत्र, फैब्रिकेशन यार्ड्स और अन्य सभी छोटे-बड़े उद्योग शामिल हो गए हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन नए नियमों से न केवल कर्मचारियों के अधिकार मजबूत होंगे, बल्कि कंपनियों की उस परंपरागत कार्य संस्कृति पर भी रोक लगेगी, जिसमें ओवरटाइम को सस्ते श्रम के रूप में देखा जाता था। इससे आने वाले समय में कार्यस्थल पर पारदर्शिता और जवाबदेही दोनों बढ़ने की उम्मीद है।

मेष- आज का दिन संतुलित और सुखद रहेगा। धार्मिक माहौल में समय बिताने का मौका मिलेगा। नौकरी में मेहनत का फल प्रमोशन या प्रशंसा के रूप में मिल सकता है। कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से मन बेहद खुश रहेगा। माता-पिता का साथ और आशीर्वाद आपको आगे बढ़ने की ताकत देगा। प्रेम संबंधों में साथी की भावनाओं को समझना रिश्ते को और मजबूत करेगा। दिन के दूसरे हिस्से में किसी फैसले को लेकर दुविधा रह सकती है। दो विकल्पों में से सही चुनाव करना आसान नहीं होगा, इसलिए जल्दबाजी से बचना बेहतर रहेगा।

वृषभ- आज का दिन लाभ देने वाला रहेगा। परिवार में शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी आपकी होगी। किसी जरूरी बात को हर किसी से शेयर न करें। वाहन सावधानी से चलाएं, चोट लगने की आशंका है। संतान के व्यवहार को लेकर थोड़ी चिंता हो सकती है। क्रिएटिव कामों में रुचि बढ़ेगी और मन कुछ नया करने का करेगा। दिन के अंत तक आपको एहसास हो सकता है कि जिस बात को आप नजरअंदाज कर रहे थे, वही इस समय आपके लिए सबसे बड़ी खुशी का कारण है।

मिथुन- आज आपकी नेतृत्व क्षमता लोगों को प्रभावित करेगी। मुश्किलें आएंगी, लेकिन आप उनका डटकर सामना करेंगे। नया बिजनेस शुरू करने का विचार मन में आ सकता है। संतान की खुशी के लिए नया वाहन खरीद सकते हैं। पुराने कर्ज से छुटकारा पाने की दिशा में भी कदम बढ़ेंगे। योग और व्यायाम आपकी सेहत को बेहतर बनाए रखेंगे। शाम के समय किसी व्यक्ति का व्यवहार थोड़ा निराश कर सकता है या आपको लग सकता है कि आपकी बात पूरी तरह समझी नहीं जा रही। हालांकि यह स्थिति अस्थायी रहेगी।

कर्क- आज खर्चे अचानक बढ़ सकते हैं, जिससे थोड़ी टेंशन बनी रहेगी। नौकरी बदलने की सोच रहे हैं तो फिलहाल रुकना ही समझदारी होगी। काम को पूरी ईमानदारी से करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। सेहत में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। जीवनसाथी के साथ मिलकर संतान के भविष्य को लेकर कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। घर के माहौल में भी सुकून महसूस होगा। जिस बात को लेकर मन में असुरक्षा थी, वह धीरे-धीरे कम हो सकती है और भविष्य को लेकर भरोसा बढ़ सकता है।

सिंह- आज नया काम शुरू करने के लिए दिन बेहद अच्छा है। रिश्तों में प्यार और अपनापन बढ़ेगा, जिससे घर का माहौल खुशहाल रहेगा। बिजनेस में बदलाव करने से बचें। पूजा-पाठ या धार्मिक आयोजन में शामिल होने का मौका मिलेगा। जीवनसाथी के साथ शॉपिंग और अच्छा समय बिताने का अवसर मिलेगा। विद्यार्थी पढ़ाई में पूरी मेहनत करेंगे।

कन्या- आज कामकाज में नई ऊंचाइयां छूने का मौका मिलेगा। परिवार में तालमेल और प्यार बना रहेगा। किसी दूर रहने वाले अपने की याद भावुक कर सकती है। नौकरीपेशा लोग प्रमोशन को लेकर बॉस से बातचीत कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों को नया पद मिलने की संभावना है। शुगर या बीपी जैसी समस्याओं को हल्के में न लें।

तुला- आज चुनौतियां थोड़ी ज्यादा रहेंगी। जल्दबाजी में लिया गया फैसला नुकसान दे सकता है। पैसों के मामलों में किसी पर आंख बंद करके भरोसा न करें। परिवार के साथ खुलकर बातचीत करने से रिश्तों की गलतफहमियां दूर होंगी। बिजनेस में पार्टनरशिप करने से बचें। यात्रा की योजना बन सकती है।

वृश्चिक- आज धैर्य और शांति बनाए रखना आपके लिए सबसे जरूरी होगा। थकान और मानसिक बोझ से राहत मिलेगी। काम के साथ आराम के लिए भी समय निकालें। जीवनसाथी के साथ चल रही अनबन को प्यार से सुलझाने की कोशिश करें। यात्रा के दौरान कोई खास जानकारी मिल सकती है। परिवार में शादी-विवाह की खुशखबरी माहौल को आनंदमय बना सकती है।

धनु- करियर के लिहाज से आज का दिन शानदार रहेगा। तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे विद्यार्थियों को अच्छा अवसर मिल सकता है। ऑफिस की राजनीति से दूरी बनाकर रखें। आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यापार में धन लाभ के अच्छे संकेत मिल रहे हैं।

मकर- आज का दिन मिला-जुला रहेगा। दोस्तों के साथ समय बिताकर मन हल्का होगा। छिपे हुए विरोधियों से थोड़ा सतर्क रहें। दिखावे में ज्यादा पैसा खर्च करना नुकसान दे सकता है। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों को अच्छा फायदा मिल सकता है। जमीन-जायदाद से जुड़ी चर्चा परिवार में हो सकती है। घर में नए मेहमान के आने से खुशी का माहौल बनेगा।

कुंभ- आज व्यापार में कुछ रुकावटें आ सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी सब संभाल लेगी। दांपत्य जीवन में प्यार और अपनापन बना रहेगा। किसी रिश्तेदार से खुशखबरी मिलने की संभावना है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत खराब होने से भागदौड़ बढ़ सकती है। किसी अजनबी की बातों में आने से बचें।

मीन- आज का दिन काफी व्यस्त रहने वाला है। वैवाहिक जीवन में छोटी-छोटी बातों पर नोकझोंक हो सकती है। काम में कोई बड़ा रिस्क लेने से बचें। परिवार की समस्याओं को नजरअंदाज करना ठीक नहीं होगा। मन की बात अपने पिता या किसी भरोसेमंद व्यक्ति से शेयर करें। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए रास्ते खुल सकते हैं।

शब्दजाल - 8283

शब्दजाल में रणजी ट्राफी में तिहरा शतक बनाने वाले 10 नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

सं	ज	य	मां	ज	रे	क	र	अ	झ	क
प	ज	ग	प	डी	रिं	पू	ना	जी	शा	सु
वि	ज	य	व	सं	जे	दि	श	त	ला	नी
वि	कु	र	अ	सी	ब	गां	प	वा	श	ल
ज	ति	म	न	ज	म	र	धी	डे	वी	गा
य	रं	न	प	व	ट	जा	ऐ	क	प	व
ह	र	लां	श	चें	ज	क	फ	र	ल	स्क
जा	बा	बा	म	म	क	छ	र	र	श	र
रे	स	य	य	व	दि	ने	श	मों	गि	या
द	ज	र	प	ति	रं	र्त	ऐ	बें	प	रु
वि	क	सा	गु	ल	मो	ह	म्म	द	प	क

विजय मर्चेंट, सुनील गावस्कर, रमन लांबा, संजय मांजरेकर, गुल मोहम्मद, विजय हजारे, वसीम जाफर, दिनेश मोंगिया, अजीत वाडेकर, डी. जे. गांधी

शब्दजाल -8282 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7227

बायें से दायें:-

१. बॉबी, करिश्मा की 'ओ मेरे ढोलना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कहदूँ तुम्हें' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूर की हिट फिल्म-३
५. संजय कपूर, तब्बू की 'मैंने जी लिया' गीत वाली फिल्म-२
७. 'साल के बारा महीने' गीत वाली कुमार गौरव, माधुरी की फिल्म-२
८. ऋषि, माधुरी की 'मेरा पिया घर आया' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'सीता और गीता' में धर्मेन्द्र के किरदार का क्या नाम था?-२
१२. 'पलके हो खुली या बंद' गीत वाली सुनील शेट्टी, सोनाली की फिल्म-३
१३. संजयदत्त, अनिता राज की 'आते आते तेरी' गीत वाली फिल्म-२,१,२
१४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'ना वादा करते हैं' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'परदे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान की फिल्म-२
१७. राजकुमार, नाना पाटेकर, ममता कुलकर्णी, वर्षा की 'पीले पीले ओ मेरे राजा' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'रूठे रूठे पिया' गीत वाली विजय आनंद, जया की फिल्म-२,३
२१. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तनहाइयां' गीत वाली फिल्म-२
२४. 'शहरों की गलियों में' गीत वाली राजेश, शर्मिला की फिल्म-२,२
२६. गोविंदा, रवीना की 'सासूजी थारो लल्ला' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'दिल विच तेरा ही' गीत वाली अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा की फिल्म-२
२८. मिथुन, अतुल, पूजा की 'तेरे बिन मैं कुछ नहीं' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'मैं दुनिया भुला दूंगा' गीत वाली राहुल, अनु अग्रवाल की फिल्म-३
२. राजकपूर, नतून की 'रूक जा ओ जानेवाली' गीत वाली फिल्म-३
३. 'ऐ सनम जिसने तुझे' गीत वाली राजकपूर, सायरा की फिल्म-३
४. ऋषि, नीतूसिंह की 'किसी पे दिल अगर' गीत वाली फिल्म-५
६. सोमदत्त, विनोद खन्ना, लीना चंदावरकर की पहली फिल्म-२,१,२
९. गोविंदा, करिश्मा की 'याद सताए तेरी' गीत वाली फिल्म-२,२
११. फिल्म 'लक्ष्य' के गीत 'मैं ऐसा क्यों हूँ' का गायक-२
१३. सलमान, करिश्मा की 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१४. अक्षय, लारा की फिल्म-३
१५. सुनील, आशा पारेख की 'आज नाचूँ ऐसे' गीत वाली फिल्म-२
१६. 'मेरे दिल में आज' गीत वाली राजेश, शर्मिला, राखी की फिल्म-२
१८. कमल सदाना, आयशा, दिव्याकी 'दिल चीर के' गीत वाली फिल्म-२
१९. 'ले के चली मुझे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा की फिल्म-३
२०. जैकी, डिम्पल की 'क्या है तुम्हारा नाम' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'राधा ना बोले' गीत वाली फिल्म-३
२२. फिल्म 'कोशिश' में नायक कौन है-३
२३. फिल्म 'ज्वैल थीफ' में नायक कौन है-२
२५. टी. वी. धारावाहिक 'सॉस' की नायिका कौन थी?-२
२६. दीनो मोरिया, बिपाशा की 'जो भी कसमें' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 7226

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		ड		रॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रो		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जी		ग		रा		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

8 जून 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 159 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास ज्येष्ठ **पक्ष** कृष्ण
तिथि अष्टमी 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** शतभिषा 09.10 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 09.28 बजे को समाप्त। **करण** बालव 15.31 बजे तदनन्तर कौलव 03.24 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 22.2 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 50'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872734
जूलियन दिन 2461199.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जिल्हेज
तारीख 22
विशेष अधिक कालाष्टमी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.47 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	08.00 बजे से
मंगल	मेष में	सिंह	10.16 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.28 बजे से
गुरु	कर्क में	तुला	14.39 बजे से
शुक्र	मिथुन में	वृश्चिक	16.54 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.10 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.15 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.01 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	मीन	00.34 बजे से
		मेष	02.05 बजे से
		वृष	03.45 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः धर्म का अर्थ

एक बार किसी ने भगवान श्रीकृष्ण से पूछा, 'युधिष्ठिर तो आपके ही बताए हुए रास्ते पर चलते हैं फिर आप उन्हें धर्मराज क्यों कहते है? धर्मराज कहलाने लायक उनमें ऐसी कोई खूबी तो दिखती नहीं।' श्रीकृष्ण ने कहा, 'युधिष्ठिर अपना काम दो तरह से करते हैं। एक प्रत्यक्ष रूप से और दूसरा अप्रत्यक्ष रूप से। प्रत्यक्ष रूप से वह जो काम करते हैं, उसे हम आप देखते हैं। आप कह सकते हैं कि मेरे बताए रास्ते पर चलने वाला कर्म प्रत्यक्ष है। लेकिन कुछ काम वह अप्रत्यक्ष रूप से अपने मन से भी करते हैं। उनके अप्रत्यक्ष कार्यों के कारण ही उन्हें धर्मराज का पद मिला हुआ है।' उस व्यक्ति ने कहा, 'मैं कुछ समझा नहीं प्रभु।' श्रीकृष्ण ने बताया, 'महाभारत का युद्ध हो रहा था। चारों तरफ त्राहि-त्राहि मची हुई थी। युद्ध के बाद जब सभी योद्धा अपने-अपने शिविरों में आराम करने चले जाते थे, युधिष्ठिर सायंकाल वेश बदल कर एक सेवक के रूप में चुपचाप रणभूमि में चले जाते थे। उनके भाई इस रहस्य का पता करने के लिए एक दिन उनके पीछे-पीछे चले गए। वहां जाने पर पांडव पुत्रों ने देखा कि उनके बड़े भाई घायलों की मरहमपट्टी कर रहे हैं। यह देख कर भाइयों को आश्चर्य हुआ और दुख भी। सहदेव ने पूछा कि वह चोरी-चोरी अपना वेश बदल कर ऐसा तुच्छ काम क्यों करते हैं। इस पर युधिष्ठिर ने कहा कि वेश मैं इसलिए बदलता हूं कि घायलों में कई कौरव पक्ष के भी हैं। यदि मैं प्रकट रूप से जाता तो संकोच में वे अपना कष्ट हमें नहीं बताते। इस प्रकार मैं सच्ची सेवा के अधिकार से वंचित रह जाता। सेवा ही असली धर्म है सहदेव।' यह कथा सुनाकर कृष्ण बोले, 'ऐसा काम युधिष्ठिर के सिवाय दूसरा कोई नहीं कर सकता था। इस घटना को सुनने के बाद से ही मैं उन्हें धर्मराज कहने लगा। धर्म और परमार्थ अन्योन्याश्रित है। उनका यह काम सभी धर्मों से ऊपर है।'

सूडोकू नवताल- 7536

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल -7535 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

शब्द पहेली - 8751

बाएँ से दाएँ

1. घ्राणेंद्रिय-2
2. लंबी गर्दन वाला पशु-3
4. आफत, मुसीबत-2
6. लाचार-3
7. आसरा, मदद-3
8. आश्रय, शरण-3
9. राज कपूर की पोती-3
10. कर्म, भाग्य-3
11. दासत्व, गुलामी-3
13. आर्टिकल-2
14. इच्छा, लालसा-3
15. दुगना, दोगुना-2
16. भार-3
17. टेसू के फूल-3
18. राजा का भवन-3
19. चौकसी-2
20. प्रेमी, साजन-3
21. कैनाल, उपनदी-3
23. जीवन सत्व, प्राण-2
24. प्रहार, आक्रमण-3
25. ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1. अभिमान-2
2. मारना, वध करना-2
3. नृत्य, कृष्णलीला-2
4. अपव्यय करना-3
5. वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6. अज्ञात, अनाम-3
7. नदी, दरिया-3
8. जांच, परीक्षण-3
9. परीक्षा करना-3
10. जिगर-3
11. आंचल-3
12. नाश, विध्वंस-3
14. अंजन, नेत्रांजन-3
15. लाडला-3
16. शक, संदेह-3
17. तीन घंटे का समय-3
18. चिंतन-3
19. प्रथम-3
20. दंड, शिक्षा-2
21. आंशिक भीगा हुआ-2
22. प्राण, जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8750 का हल

ह	क		सा	ग	र		म	जा
द	म	न		म	वा	ली		म
	र	म	ल		ना	प	ना	
स		क	ह	र		ना	का	म
ली	न		जा	त	क		रा	जा
का	र	क		न	ह	र		क
	म	म	ता		बा	ब	न	
ना		ल	क	बा		ना	य	क
ब	र		त	र	फ		न	म

Jagrutidaur.com, Bangalore

भाजपा मंडल लांजी की मासिक बैठक सम्पन्न

मोदी जी के कार्यकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने व व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने हुई चर्चा

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय, प्रदेश एवं जिला संगठन के निर्देशानुसार प्रत्येक माह की 1 से 7 तारीख के बीच आयोजित की जाने वाली मंडल बैठकों के क्रम में भाजपा मंडल लांजी की मासिक बैठक रविवार 7 जून को क्षेत्रीय विधायक राजकुमार कर्राहे के निवास स्थान पर संपन्न हुई। आयोजित बैठक की शुरूवात उपस्थित सभी भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ के द्वारा भारत माता, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के छाया चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल एवं माल्यार्पण कर बैठक प्रारंभ की गई। बैठक में संगठनात्मक विषयों के साथ-साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मंडल के पदाधिकारी, विभिन्न मोर्चों के अध्यक्ष, शक्ति केंद्र प्रभारी, संयोजक एवं सह-संयोजक, बूथ अध्यक्ष, जिला पंचायत सदस्य, जनपद सदस्य, सरपंच, नगर परिषद अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष, पार्षद तथा मंडल क्षेत्र के वरिष्ठ एवं सक्रिय कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक के दौरान संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से बूथ समितियों एवं शक्ति केंद्र टोली की संरचना पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। कार्यकर्ताओं से आगामी कार्यक्रमों एवं अभियानों को सफल बनाने के लिए समन्वय के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्षों की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं

विकास कार्यों को आम जनता तक पहुंचाने की रणनीति पर भी चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देशहित में किए गए कार्यों की जानकारी प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाना कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। बैठक में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के पर्यावरण संरक्षण संकल्प 卐एक पेड़ माँ के नाम卐 अभियान को लेकर भी विशेष चर्चा हुई। निर्णय लिया गया कि पंचायत स्तर पर व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाकर अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाएगा तथा लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया जाएगा। बैठक के अंत में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय की गई तथा सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी की रीति-नीति और जनहितकारी योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का संकल्प लेने का आह्वान किया गया। आयोजित बैठक में मण्डल अध्यक्ष आलोक चौरसिया, महामंत्री गौरव बैस, महामंत्री तुकाराम बारेकर, सुरजदीन गुप्ता, सीताराम बाहे, मदन बेदरे, लक्ष्मण परते, रविन्द्र यादव, किशोर रामटेक्कर, मीना बिलगौर, सुशीला दुग्गड़, सुनीता रॉय, अविनाश रैंच, प्रगति पालीवाल, अमित घोंघडे, राधेश्याम दांदरे, ममता दांदरे, परमान्द सातपुते, सुनीता बसोने, विणा उपराड़े, श्यामा मुरकुटे, मनीषा दुग्गड़, वासुदेव यादव, कपिल आसटकर आदि मण्डल के कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

किसान भाई नकली बीजों से बचाव के लिए बरतें सावधानी-खरीदी पर ले पक्का बिल

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारत एक कृषि प्रधान देश है, जहां की आधे से अधिक आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है। आगामी दिनों में मानसून के आगमन के साथ खरीफ फसलों की बुवाई का दौर शुरू होने वाला है। ऐसे समय में किसान अपने खेतों के लिए उन्नत एवं उच्च गुणवत्ता वाले बीजों की खरीदारी में जुट जाते हैं। लेकिन हर वर्ष कुछ असामाजिक तत्व एवं अनियमित व्यापारी किसानों की इस आवश्यकता का फायदा उठाकर नकली अथवा निम्न गुणवत्ता वाले बीज बेच देते हैं, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार किसान अपनी मेहनत की कमाई लगाकर अच्छी उपज की उम्मीद में महंगे दामों पर बीज खरीदते हैं। कई बार व्यापारी आकर्षक पैकिंग और बड़े-बड़े दावों के साथ बीज बेच देते हैं, लेकिन जब किसान खेतों में बुवाई कर सिंचाई करता है तो बीज अपेक्षित रूप से अंकुरित नहीं होते। कई मामलों में अंकुरण दर बेहद कम रहती है, जिससे खेतों में फसल की संख्या घट जाती है और उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। नकली बीजों के कारण किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ती है। एक ओर बीज खरीदने में खर्च हुई राशि व्यर्थ चली जाती है, वहीं दूसरी ओर दोबारा बुवाई करने के लिए अतिरिक्त खर्च करना पड़ता है। इससे समय की भी हानि होती है और फसल उत्पादन प्रभावित होने से किसानों की आय पर सीधा असर पड़ता है। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे केवल अधिकृत एवं पंजीकृत विक्रेताओं से ही बीज खरीदें। बीज खरीदते समय पैकेट पर अंकित कंपनी का नाम, बैच नंबर, उत्पादन एवं समाप्ति तिथि तथा अंकुरण क्षमता की जानकारी अवश्य जांच लें। साथ ही खरीदारी का पक्का बिल लेना न भूलें, ताकि किसी प्रकार की शिकायत होने पर संबंधित विभाग के समक्ष साक्ष्य प्रस्तुत किया जा सके। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि बीज बोने के बाद अंकुरण में समस्या आती है तो किसान तुरंत कृषि विभाग या संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। समय पर शिकायत दर्ज होने से जांच कर दोषी विक्रेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है तथा किसानों को न्याय मिलने की संभावना बढ़ जाती है। कृषि क्षेत्र से जुड़े जानकारों का मानना है कि नकली बीजों की बिक्री पर प्रभावी रोक लगाने के लिए नियमित निरीक्षण, सख्त कार्रवाई और किसानों में जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। किसानों को भी किसी लालच या झूठे प्रचार के बहकावे में आने के बजाय प्रमाणित बीजों का ही उपयोग करना चाहिए।

राष्ट्र सेविका समिति शाखा गार्गी ने वृक्षारोपण कर मनाया विश्व पर्यावरण दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। राष्ट्र सेविका समिति लांजी की गार्गी शाखा द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। यह कार्यक्रम रविवार, 7 जून को आयोजित किया गया। राष्ट्र सेविका समिति महिलाओं और बालिकाओं के शारीरिक, बौद्धिक, नैतिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिए कार्यरत एक प्रमुख संगठन है। समिति अपनी शाखाओं के माध्यम से योग, खेल, संस्कार शिक्षा, नेतृत्व क्षमता विकास, स्वास्थ्य शिविर और सामाजिक सेवा जैसे अनेक कार्यक्रम नियमित रूप से चलाती है। इसके अलावा समिति देशभर में बालिकाओं के लिए छात्रावास, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र और विभिन्न सेवा प्रकल्प भी संचालित करती है। लांजी की गार्गी शाखा इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए स्थानीय स्तर पर सक्रिय भूमिका निभा रही है। गार्गी शाखा नगर की पहली शाखा है, जो प्रशिक्षित शिक्षिकाओं के मार्गदर्शन में प्रतिदिन प्रात: काल सरस्वती शिशु मंदिर में संचालित हो रही है। इस शाखा के माध्यम से बालिकाओं को शारीरिक व्यायाम, खेलकूद के साथ ही संस्कार, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी की शिक्षा दी जा रही है। वृक्षारोपण कार्यक्रम में गार्गी शाखा की सदस्यों और बालिकाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उपस्थित सदस्यों ने पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण की शपथ ली। उन्होंने कहा कि वृक्ष ही जीवन का आधार हैं, इन्हें बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान राष्ट्र सेविका समिति अध्यक्ष श्रीमती निलम भर्रे, सदस्य दुर्गा रामटेककर, विना उपराड़े, संगीता वानखेड़े, गार्गी शाखा प्रमुख व मुख्य शिक्षिका पल्लवी खरगाल, शिक्षिका आकांक्षा ठाकरे, मानसी दहिकर, पिंकी उमरे, पाखी सातपुते, रूचि पिपरे, लावन्या चन्ने के अलावा बालिकाएं दृश्या हरदे, आलया, माही, शालिनी, डॉली, पिहू, खुशी, तनवी, अंजली, सिद्धी, रिया, सुहानी, वेदिका, नव्या आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

खेत बचाओ अभियान के तहत किसानों को प्राकृतिक खेती एवं डीएसआर तकनीक की दी गई जानकारी

पराली प्रबंधन और हरी खाद के उपयोग पर दिया गया प्रशिक्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। कृषि विभाग द्वारा संचालित 卐खेत बचाओ अभियान卐 के तहत किसानों को प्राकृतिक खेती, जल संरक्षण एवं आधुनिक कृषि तकनीकों के प्रति जागरूक करने के लिए विकासखंड लांजी के विभिन्न ग्रामों में कृषक चौपाल एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि अभियान के अंतर्गत किसानों को डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) तकनीक, पराली प्रबंधन तथा प्राकृतिक खेती के विभिन्न उपायों की जानकारी दी जा रही है। अभियान के तहत ग्राम कालीमाटी में कृषकों को प्राकृतिक खेती के अंतर्गत जैविक कीटनाशक नीमास्त्र तैयार करने एवं उसके उपयोग की जानकारी दी गई। साथ ही डीएसआर पद्धति से धान की बुवाई करने की विधि एवं इसके लाभों के बारे में विस्तार से बताया गया। किसानों को समझाया गया कि यह तकनीक श्रम, समय एवं सिंचाई जल की बचत करते हुए खेती की लागत कम करने में सहायक है। इसी क्रम में ग्राम पंचायत पानगांव में आयोजित कृषक चौपाल में ग्राम पंचायत सचिव एवं पंचायत सहायक की उपस्थिति में किसानों को पराली प्रबंधन के महत्व से अवगत कराया गया। किसानों को डीएसआर खेती तकनीक के लाभ, ई-टोकन के माध्यम से खाद वितरण व्यवस्था तथा कृषि विभाग के कार्यालयों में उपलब्ध खरीफ फसलों के प्रमाणित बीजों की जानकारी प्रदान की गई। वहीं ग्राम पंचायत झालीवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में 18 कृषकों ने भाग लिया। इस दौरान किसानों को डीएसआर विधि से धान की खेती, सुपर सीडर एवं सीड ड्रिल मशीनों के उपयोग, हरी खाद के महत्व, नरवाई प्रबंधन तथा उर्वरकों के संतुलित उपयोग के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। किसानों को ढैंचा एवं सनई जैसी हरी खाद वाली फसलों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम में कृषि अवसंरचना निधि (एआईएफ) योजना के अंतर्गत आवेदन प्रक्रिया की भी जानकारी दी गई। साथ ही किसानों को एसएडीओ कार्यालय में उपलब्ध धान एवं अरहर बीजों की कीमत, अवधि, उम्र तथा उपलब्धता संबंधी जानकारी देकर प्रमाणित बीजों के उपयोग के लिए प्रेरित किया गया। उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने किसानों से आधुनिक कृषि तकनीकों के साथ प्राकृतिक खेती के सिद्धांतों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे उत्पादन लागत में कमी आएगी, मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार होगा तथा किसानों की आय में वृद्धि होगी। कृषि विभाग द्वारा जिले के विभिन्न गांवों में इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जा रहे हैं।

शासकीय महाविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर किया पौधरोपण

पद्मेश न्यूज। लांजी। विश्व पर्यावरण दिवस एवं आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मध्य संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के विशेष अभियान के तहत शासकीय महाविद्यालय लांजी में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गौतमा कठाने के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने महाविद्यालय परिसर की साफ-सफाई कर स्वच्छ वातावरण निर्माण का संदेश दिया। इसके साथ ही परिसर में विभिन्न प्रजातियों के पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण और हरित परिसर के संकल्प को मजबूत किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम प्रभारी महेन्द्र कुमार तलवरे तथा स्वामी विवेकानंद कॅरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के प्रभारी महेश ढोक ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व से अवगत कराते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखरेख करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट और जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए प्रत्येक नागरिक की भागीदारी आवश्यक है। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं की सहभागिता रही। सभी ने स्वच्छता बनाए रखने तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प भी लिया।

प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा की बैठक 10 को मुख्यमंत्री के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। लांजी। प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी की आवश्यक बैठक 10 जून दिन बुधवार को दोपहर 12 बजे से नगर के गायत्री मंदिर सभाकक्ष में आयोजित की गई है। बैठक उपरांत प्रांतीय प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन भोपाल के निर्देशानुसार मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व लांजी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। इसके अलावा बैठक में पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा के विस्तार एवं संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए सदस्यता अभियान चलाकर वार्षिक एवं आजीवन सदस्य बनाए जाने एवं पेंशनर्स साथियों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तार से विचार विमर्श किया जाएगा। बैठक में पेंशनर्स एसोसिएशन के सभी सेक्टर प्रभारी लांजी, देवलगांव, कारंजा, बहेला, भानेगांव एवं तहसील शाखा लांजी के पदाधिकारीगणों को अनिवार्य रूप से उपस्थित होने की अपील प्रोगेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन तहसील शाखा लांजी के अध्यक्ष सेवकराम ठाकरे एवं संगठन के सचिव आई एस चौहान व अन्य पदाधिकारियों ने की है।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्रॉडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

कान्हा टाइगर रिजर्व में बढ़ा खतरा... दो महीने में 8 बाघों की मौत

कैनाइन डिस्टेंपर वायरस की चपेट में आया एक और बाघ

भोपाल। एजेंसी।

कान्हा टाइगर रिजर्व में एक बार फिर कैनाइन डिस्टेंपर वायरस का मामला सामने आने से वन विभाग और वन्यजीव विशेषज्ञों की चिंता बढ़ गई है। किसली रेंज के संदुकखोल क्षेत्र में एक बाघ के असामान्य व्यवहार की सूचना मिलने पर पार्क प्रबंधन ने तत्काल रेस्क्यू अभियान चलाकर उसे मुक्की रेंज स्थित क्वारेंटाइन सेंटर में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार और लगातार निगरानी की जा रही है।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले पर्यटन क्षेत्र में आए पर्यटकों ने बाघ की असामान्य गतिविधियों को देखा और इसकी सूचना पार्क प्रबंधन को दी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम सक्रिय हुई और बाघ की लगातार मॉनिटरिंग शुरू की गई। विशेषज्ञों की सलाह के बाद गुरुवार शाम उसे सुरक्षित तरीके से रेस्क्यू कर क्वारेंटाइन सेंटर पहुंचाया गया। अधिकारियों के मुताबिक शुरुआती जांच में बाघ में न्यूरोलॉजिकल समस्या के संकेत मिले थे, लेकिन विस्तृत परीक्षण में वह सीडीवी पॉजिटिव पाया गया। फिलहाल उसे अन्य वन्यजीवों से अलग रखकर विशेष चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है।

दो महीनों में 8 बाघों की मौत से बढ़ी चिंता

कान्हा टाइगर रिजर्व में पिछले दो महीनों के दौरान 8 बाघों की मौत हो चुकी है। इनमें सीडीवी संक्रमण से मृत अमही बाघिन, उसके चार शावक और महावीर नर बाघ भी शामिल हैं। लगातार सामने आ रहे मामलों ने पार्क प्रबंधन को हाई अलर्ट पर ला दिया है।

हर संदिग्ध मामले पर त्वरित कार्रवाई

कान्हा के उपसंचालक (कोर) पीके वर्मा ने बताया कि सीडीवी के खतरे को देखते हुए किसी भी बीमार या असामान्य व्यवहार करने वाले बाघ की सूचना मिलते ही तत्काल रेस्क्यू और मेडिकल जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में दो संक्रमित बाघों का सफल उपचार कर उन्हें दोबारा जंगल में छोड़ा जा चुका है। फिलहाल विशेषज्ञों की टीम संक्रमित बाघ की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। स्वास्थ्य में सुधार और रिपोर्ट संतोषजनक आने के बाद उसे पुनः प्राकृतिक आवास में छोड़ा जाएगा।

पीएम सूर्य घर योजना से उर्जा आत्म निर्भर बन रहे परिवार

प्रदेश में 1 लाख 33 हजार संयंत्र स्थापित , 942 करोड़ रुपये जारी

जबलपुर। एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की महत्वाकांक्षी पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में सौर ऊर्जा को लेकर नागरिकों में उत्साह लगातार बढ़ रहा है। प्रदेश में अब तक 1 लाख 33 हजार 121 सौर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश में कुल 498.03 मेगावॉट सौर क्षमता विकसित की जा चुकी है। साथ ही हितग्राहियों को अब तक 942.19 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी जा चुकी है।

ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि इस योजना से परिवार ऊर्जा आत्मनिर्भर बन रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर योजना मध्यप्रदेश में ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और आमजन को आर्थिक राहत प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अभियान के रूप में स्थापित हो रही है।

पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में 30 हजार 614 सौर संयंत्र स्थापित किए गए, जिनसे 30 हजार 899 परिवार लाभान्वित हुए हैं। कंपनी क्षेत्र में 110.87 मेगावॉट क्षमता के सौर संयंत्र स्थापित हुए हैं तथा 213.60 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी वितरित की गई है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र में अब तक 47 हजार 734 सौर संयंत्र स्थापित किए गए हैं, जिनसे 50 हजार 323 परिवार लाभान्वित हुए हैं। कंपनी क्षेत्र में 185.09 मेगावॉट क्षमता के संयंत्र स्थापित हुए हैं तथा 339.28 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी जारी की गई है।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी योजना के क्रियान्वयन में अग्रणी है। यहां 54 हजार 773 संयंत्र स्थापित किए गए। इससे 56 हजार 247 परिवारों को लाभ मिला है। क्षेत्र में 202.07 मेगावॉट क्षमता विकसित हुई है और 389.31 करोड़ रुपये से अधिक की सब्सिडी जारी की गई है।

उपभोक्ताओं को मिल रहा सीधा लाभ...

योजना के तहत 1 किलोवॉट सौर संयंत्र पर 30 हजार रुपये, 2 किलोवॉट पर 60 हजार रुपये तथा 3 किलोवॉट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। इससे उपभोक्ताओं के बिजली बिलों में उल्लेखनीय कमी आ रही है और वे स्वच्छ ऊर्जा के माध्यम से आत्मनिर्भर बन रहे हैं।

मानसून की आहट से बदलेगा मौसम, लेकिन गर्मी से राहत के लिए करना होगा थोड़ा और इंतजार

अहमदाबाद। एजेंसी। गुजरात मौसम विभाग ने राज्य के लिए आगामी दिनों का महत्वपूर्ण मौसम पूर्वानुमान जारी किया है। दक्षिण-पश्चिम मानसून तेजी से आगे बढ़ते हुए महाराष्ट्र तक पहुंच चुका है, जिसके अनुसार, अगले एक सप्ताह तक तापमान में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिलेगा और लोगों को गर्मी का सामना करना पड़ेगा।

सौराष्ट्र और कच्छ में संभावित बारिश की खबर से किसानों में मानसून के आगमन को लेकर उम्मीदें बढ़ गई हैं। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून की सक्रियता बढ़ने के साथ राज्य के मौसम में धीरे-धीरे बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, मानसून महाराष्ट्र की सीमा तक पहुंचने के बावजूद गुजरात में आधिकारिक प्रवेश से पहले गर्मी का असर बना रहेगा। समुद्री तटीय क्षेत्रों में नमी बढ़ने से उमस और बेचैनी भी लोगों को परेशान कर सकती है। जहां सौराष्ट्र और कच्छ में मौसम सुहाना होने की संभावना है, वहीं मध्य और उत्तर गुजरात में गर्मी का प्रकोप जारी रहेगा। अहमदाबाद में अगले कुछ दिनों के दौरान अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। वहीं राज्य के कुछ हिस्सों में तापमान 41.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। हालांकि फिलहाल हीटवेव जैसी स्थिति की संभावना नहीं है, लेकिन मौसम विभाग ने लोगों को दोपहर के समय अनावश्यक रूप से बाहर निकलने से बचने, पर्याप्त पानी पीने और गर्मी से बचाव के उपाय अपनाने की सलाह दी है।

प्रभाव से आज सौराष्ट्र और कच्छ के विभिन्न इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश और गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है। हालांकि, अहमदाबाद सहित राज्य के अधिकांश शहरों में फिलहाल गर्मी से राहत मिलने के संकेत नहीं हैं। मौसम विभाग के

अवैध महुआ निर्मित मादक द्रव्य पदार्थ का परिवहन करते अचानक महिला ने नदी में लगाई छलांग-मृत्यु

कोरबा। एजेंसी। कोरबा जिले में नदी के रास्ते अवैध महुआ निर्मित मादक द्रव्य पदार्थ तस्करी करने के दौरान एक महिला ने नदी मे छलांग लगा दी और उसकी मृत्यु हो गई। मृतका का शव उनके निवास स्थान पर लाया गया है। अवैध शराब की तस्करी और उससे जुड़े हादसों की यह घटना अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। छत्तीसगढ़ और आसपास के ग्रामीण अंचलों में अवैध महुआ शराब के निर्माण, परिवहन और बिक्री पर लगाम लगाने के लिए आबकारी विभाग और स्थानीय पुलिस लगातार धरपकड़ अभियान चलाती है। कोरबा के ग्रामीण इलाकों में अवैध महुआ निर्मित मादक द्रव्य पदार्थ के तस्कर पुलिस की नजरों से बचने के लिए नदी के तटों, जंगलों या दुर्गम टापुओं पर भट्टियां लगाते हैं।

दिल्ली अग्निकांड में कुक केशव नेगी ने उगला राज- इलेक्ट्रिक स्टोव में हुआ था धमाका

नई दिल्ली। एजेंसी। दिल्ली के मालवीय नगर होटल अग्निकांड में पुलिस ने कुक केशव नेगी को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में कुक ने खुलासा किया कि हादसा एलपीजी सिलेंडर से नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिक स्टोव में धमाके और शॉर्ट सर्किट के कारण हुआ था। बिजली काटने के बावजूद आग पूरी 5 मंजिला इमारत में फैल गई, जिससे 21 लोगों की मौत हुई है। दिल्ली के मालवीय नगर में हुए दर्दनाक होटल अग्निकांड मामले में दिल्ली पुलिस की तफ्तीश जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। पुलिस ने इस मामले में एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए होटल के कुक (रसोइया) केशव नेगी को गिरफ्तार कर लिया है। दिलशाद गार्डन के रहने वाले केशव नेगी से हुई कड़ाई से पूछताछ में आग लगने की असल वजह और उस खौफनाक मंजर का पूरा सच सामने आ गया है। कुक ने पुलिस के सामने कुबूल किया है कि हादसा एलपीजी सिलेंडर फटने से नहीं, बल्कि किचन के इलेक्ट्रिक स्टोव में हुए एक जोरदार धमाके की वजह से हुआ था। पुलिस हिरासत में कुक केशव नेगी ने बताया कि घटना वाले दिन वह किचन में काम कर रहा था, तभी अचानक इलेक्ट्रिक स्टोव में एक जोरदार ब्लास्ट हुआ। धमाका होते ही वहां भीषण आग लग गई। केशव के मुताबिक, उसने सूझबूझ दिखाते हुए तुरंत वहां की बिजली (पावर सप्लाई) काट दी ताकि आग पर काबू पाया जा सके, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। वायरिंग और आंतरिक ढांचा चपेट में आने के कारण आग बुझने के बजाय बेहद तेजी से पूरी इमारत में फैलती चली गई। दिल्ली पुलिस की शुरुआती जांच में भी यह सामने आया है कि होटल के इंटरनल वायरिंग में हुए शॉर्ट सर्किट और कुक की लापरवाही के कारण यह हादसा इतना भयानक रूप ले बैठा। जांच टीम को मौके से किसी भी एलपीजी सिलेंडर के फटने के सबूत नहीं मिले हैं। मालवीय नगर के इस दर्दनाक अग्निकांड ने अब तक कई विदेशी नागरिकों समेत कम से कम 21 मासूम लोगों की जिंदगी छीन ली है। मृतकों में 9 भारतीय और 12 विदेशी नागरिक (बांग्लादेश, लाइबेरिया, नाइजीरिया और मोजाम्बिक के निवासी) शामिल थे। इस मामले में पुलिस ने लापरवाही बरतने के आरोप में होटल मालिक लवकेश बजाज, स्वीटी सरकार और पुष्पो सरकार को पहले ही जेल भेज दिया था। कुक केशव की गिरफ्तारी के बाद इस केस में पकड़े गए आरोपियों की संख्या चार हो गई है। पुलिस के मुताबिक, होटल की इमारत में फायर सेफ्टी (अग्निशमन सुरक्षा) नियमों का जमकर उल्लंघन किया गया था और सुरक्षा इंतजामों में गंभीर कमियां थीं।

महंगाई के खिलाफ सीपीआई ने किया प्रदर्शन-कलेक्टर के माध्यम से पीएम-सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

कोरबा। एजेंसी। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) के राष्ट्रीय आह्वान पर जिला इकाई द्वारा आईटीआई तानसेन चौक पर धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। पेट्रोल, डीजल, रसोई गैस, बिजली दरों व अन्य आवश्यक वस्तुओं की बेतहाशा मूल्यवृद्धि के विरोध में सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता, किसान, मजदूर व आमजन सड़कों पर उतरे और केंद्र-राज्य सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

धरना-प्रदर्शन के उपरांत जिला सचिव पवन कुमार वर्मा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर के माध्यम से प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के बाद भी आम जनता महंगाई की भयावह मार झेल रही है। 2014 में जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 105-108 डॉलर प्रति बैरल था तब पेट्रोल 71 रु और डीजल 55 रु था। साबित करता है कि मूल्यवृद्धि आज 2026 में कच्चा तेल घटकर 92-97 डॉलर पर आ गया है, लेकिन पेट्रोल 102-111 रु और डीजल 97-104 रु प्रति लीटर बिक रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय कारणों से नहीं, बल्कि सरकार की कर वसूली और कॉरपोरेट मुनाफे को प्राथमिकता देने की नीति का परिणाम है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल, एलपीजी, बिजली दरों में तत्काल कमी व उत्पाद शुल्क/वैट में कटौती की जाए। स्मार्ट मीटर योजना वापस हो, बिजली बिलों पर रोक लगे। विद्युत वितरण के निजीकरण पर पूर्ण रोक लगाई जाए। रेलवे के 30,000 पद समाप्त करने का आदेश वापस हो, खाली पदों पर भर्ती हो। मनरेगा में 200 दिन काम व 700 रु प्रतिदिन मजदूरी तय हो। 55 प्लस किसानों, मजदूरों, विधवा, परित्यक्ता, दिव्यांगों को 10,000 रु प्रतिमाह पेंशन दिया जाए। इसके अलावा अन्य मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा है।

इस अवसर पर कोपाध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, जिला परिषद सदस्य वरिष्ठ एन.के. दास, श्याम बिहारी बनाफर, लालमन सिंह, सुनील सिंह, सुग्रीव यदि, रामू केवट, नरेश खुटे, अजीत सिंह, विजयलक्ष्मी चौहान, सरिता चौहान, रीमा तिवारी, उषा वर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

करोड़ो की जमीन में हेराफेरी, पटवारी समेत 3 के खिलाफ एफआईआर दर्ज

भोपाल। एजेंसी। शहर के रातीबड़ थाना इलाके में सरकारी रिकॉर्ड में हेराफेरी कर एक करोड़ की जमीन हड़पने और उसे बेचने के मामले में पुलिस ने हुजूर तहसील के तत्कालीन पटवारी समेत तीन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी और साजिश का मुकदमा दर्ज कर लिया है। पटवारी ने भू-माफियाओं के साथ मिलकर सरकारी कागजों और नक्शे में जमकर काट-छांट की। तहसीलदार की जांच रिपोर्ट के मुताबिक, ग्राम फतेहपुर ढोबरा के तत्कालीन पटवारी सत्यप्रकाश यादव ने शकील खान और मो. कामिल खान नाम के दो स्थानीय लोगों के साथ मिलकर यह साजिश रची। बाद में सरकारी नक्शा शीट पर काली स्याही से एक फर्जी नंबर (बटांकन 220/1) चढ़ा दिया। दूसरे जमीन मालिक की मुख्य सड़क से लगी कीमती जमीन को पीछे की जमीन बता दिया और आगे की महंगी जमीन पर अपना फर्जी नंबर डाल दिया। लेकिन यह फर्जी रिकॉर्ड ऑनलाइन सिस्टम में दर्ज नहीं हो पाया। जब सरकारी ऑफ्टेवेयर वेब जीआईएस ने इस गलत एंट्री को रिजेक्ट कर दिया, तो पटवारी के हाथ से सुधारे गए चालू नक्शे और ऑनलाइन रिकॉर्ड का अंतर पकड़ में आ गया। इसके बाद ही इस पूरे घोटाले का भंडाफोड़ हुआ। आरोपियों ने पीड़ति की जमीन अपनी बताकर दो खरीदारों को रजिस्ट्री कर बेच दी। वहां सीमेंट के पोल लगवाकर अवैध कब्जा भी करा दिया। जांच में खुलासा हुआ कि रजिस्ट्री के वक्त कोई असली भुगतान नहीं हुआ, बल्कि सिर्फ पोस्ट-डेटेड चेक ही दिए गए थे। रातीबड़ पुलिस ने आरोपी शकील, कामिल और तत्कालीन पटवारी सत्यप्रकाश यादव पर धोखाधड़ी व आपराधिक साजिश का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी पटवारी को सस्पेंड करने और विभागीय जांच के लिए पत्र भेजा गया है।

देर रात हवाई फायरिंग कर बदमाशो ने फैलाई दहशत

भोपाल। एजेंसी। शाहजहांनाबाद थाना इलाके में स्थित अशोका कालोनी में शुक्रवार देर रात दो स्कूटी सवार बदमाशों ने हवाई फायरिंग कर दहशत फैला दी। वारदात को अंजाम देने के बाद भाग रहे बदमाशों की स्कूटी सड़क पर गिर गई। इससे पहले लोग उन्हें दबोच पाते वे फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार रात करीब दस बजे स्कूटी सवार दो युवक अशोका कालोनी की एक गली में पहुंचे और गाली-गलौज करते हुए हवा में कई राउंड फायर किए। गोली और शोर की आवाज सुनकर लोग घरों से बाहर निकल आए। बताया गया है कि बदमाश किसी व्यक्ति को डराने या इलाके में अपना वर्चस्व दिखाने आए थे। फायरिंग के तुरंत बाद भागने के दौरान उनकी स्कूटी फिसल गई और दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। बाद में उन्होंने स्कूटी उठाई और फरार हो गए।

सिंहस्थ-2028 की तैयारी-इंदौर पुलिस के विशेष प्रशिक्षण शिविर का पहला चरण संपन्न, कमिश्नर ने बांटे प्रशस्ति पत्र

इंदौर। एजेंसी। वर्ष 2028 में उज्जैन में आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध सिंहस्थ महापर्व को सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए इंदौर पुलिस ने अभी से कमर कस ली है। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार, डीआरपी लाइन इंदौर में आयोजित छह दिवसीय (1 जून से 6 जून 2026) विशेष सिंहस्थ प्रशिक्षण शिविर के पहले बैच का समापन हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने प्रशिक्षण पूरा करने वाले सभी पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) आर.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) श्रीमती सीमा अलावा और रक्षित निरीक्षक दीपक कुमार पाटील सहित प्रशिक्षणार्थी मौजूद रहे।

दिसंबर तक चलेगा महाअभियान

पुलिस कमिश्नर संतोष कुमार सिंह ने बताया कि सिंहस्थ विश्व के सबसे बड़े धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें करोड़ों श्रद्धालुओं का आगमन होता है। ऐसे विशाल समागम में बेहतर पुलिसिंग के लिए बल का दक्ष होना अनिवार्य है। यह प्रशिक्षण अभियान चरणबद्ध तरीके से दिसंबर 2026 तक निरंतर संचालित किया जाएगा, जिसमें 6-6 दिनों के विशेष मॉड्यूल के तहत इंदौर पुलिस कमिश्नरेट के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूरी तरह प्रशिक्षित किया जाएगा।

व्यवहार में संवेदनशीलता और सेवा-भाव पर जोर

शिविर के समापन पर पुलिस कमिश्नर ने जवानों से सीधा संवाद कर सिंहस्थ के दौरान रखी जाने वाली सावधानियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान श्रद्धालुओं के प्रति संवेदनशीलता, सेवा-भाव और संकट के समय त्वरित निर्णय लेने की क्षमता सबसे महत्वपूर्ण है। विशेषज्ञों द्वारा तैयार इस कोर्स में जवानों को तनाव प्रबंधन, जनसंपर्क कौशल और तकनीक आधारित आधुनिक पुलिसिंग के गुर सिखाए जा रहे हैं।

इन खास विषयों का मिला कड़ा प्रशिक्षण

6 दिनों के इस कड़े प्रशिक्षण मॉड्यूल में पुलिसकर्मियों को सिंहस्थ के इतिहास, अखाड़ों व साधु-संतों की परंपराओं के परिचय के साथ-साथ मेला क्षेत्र की भौगोलिक संरचना समझाई गई। इसके अलावा भीड़ मनोविज्ञान, क्राउड कंट्रोल, अग्नि सुरक्षा, वीआईपी सुरक्षा, महिला एवं बाल सुरक्षा, साइबर क्राइम, सोशल मीडिया मैनेजमेंट और मानवाधिकारों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा गहन प्रशिक्षण दिया गया।

यातायात और परिवहन प्रबंधन पर विशेष फोकस

सिंहस्थ के दौरान उज्जैन और इंदौर संभाग में उत्पन्न होने वाले भारी वाहनों के दबाव को देखते हुए पुलिसकर्मियों को विशेष रूप से ट्रैफिक डायवर्जन, वैकल्पिक मार्ग योजना, पार्किंग मैनेजमेंट और आपातकालीन वाहनों (जैसे एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड) के निर्बाध संचालन के लिए अन्य विभागों के साथ तालमेल बिठाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

भारत के पहली पारी के 564 रनों के जवाब में अफगानिस्तान ने 113 रनों पर ही पांच विकेट गंवाये

न्यू चंडीगढ़। शुभमन गिल और केवल राहुल के शानदार शतकों और ऋषभ पंत के अर्धशतक की सहायता से भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी आठ विकेट पर 564 रनों पर घोषित कर दी। इसके बाद बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय तक अपनी पहले पारी में पांच विकेट पर केवल 113 रन ही बनाये। दिन का खेल समाप्त होने के समय रहमत शाह 41 रनों पर खेल रहे थे। वहीं अन्य बल्लेबाज सस्ते में ही सिमट गये। इस प्रकार अफगान टीम भारतीय टीम से पहली पारी के आधार पर 451 रनों से पीछे हैं। भारत की ओर से पदार्पण कर रहे गेंदबाज मानव सुथार ने केवल 21 रन देकर तीन खिलाड़ियों को आउट किया। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा ने दो विकेट लिए। इससे पहले आज पूरे दिन भारतीय बल्लेबाज और गेंदबाज हावी रहे। भारत ने 368/3 से आगे खेलना शुरु किया।

भारतीय टीम की ओर से कप्तान शुभमन गिल सुंदर 52 रन बनाकर नाबाद रहे। पहले दिन ने 126 रन की बेहतरीन पारी खेली जबकि केएल राहुल ने 100 रन बनाए। वॉशिंगटन राहुल ने शतक लगाय था, वहीं दूसरे दिन कप्तान शुभमन ने कप्तानी पारी खेलकर 126 रन बनकार स्कोर आगे बढ़ाया। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे साई सुदर्शन ने भी 81 रन बनाए और टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। दूसरे दिन आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ ने अपने स्वाभाविक अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 81 रन बनाए। इसके अलावा मानव सुथार ने दो छक्के लगाकर 28 रन बनाये। वहीं जबकि मोहम्मद सिराज ने सिर्फ 12 गेंदों में 22 रन बना दिये। कुलदीप यादव 9 रन बनाकर नाबाद रहे। इससे भारतीय टीम ने 564 रन का विशाल स्कोर बनाया। वहीं अफगान टीम की ओर से सलीम सफी ने 140 रन देकर सबसे अधिक छह विकेट लिए। सफी ने नई गेंद से शानदार गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं की तरह ही भारतीय बल्लेबाजों ने दूसरे दिन भी जमकर रन बनाये। पहले दिन जहां केएल दिया। वहीं हशमतुल्लाह शाहिदी ने एक विकेट लिया।

शुभमन को टी20 टीम से बाहर रखने का कारण सामने आया

मुम्बई। भारतीय टी20 टीम के नये कप्तान की दौड़ में शुभमन गिल को प्रमुख दावेदार माना जा रहा था पर उनकी जगह पर श्रेयस अय्यर को कप्तानी मिल गयी। इस पर कई प्रशंसकों का हैरान भी हुई क्योंकि शुभमन ने हाल ही में समाप्त हुए आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाये थे। वहीं अब उन्हें टी20 टीम की कप्तानी नहीं दिये जाने का कारण सामने आया है।

चयन समिति ने शुभमन कहा दिया था कि अभी वह 2027 एकदिवसीय विश्व कप तक टेस्ट और एकदिवसीय मुकाबलों तक ही सीमित रहें। जिससे वह बड़े आईसीसी टूर्नामेंटों के लिए तरोताजा बने रहें। चयनकर्ताओं को लगता था कि अगर शुभमन तीनो प्रारुपों की कप्तानी करेंगे तो उन्हें थकान होने की आशंका है क्योंकि भारतीय टीम का अगले 18 महीने का कार्यक्रम बेहद व्यस्त है।

गौरतलब है कि गिल को 2027 विश्व कप शुरू होने से पहले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के नौ टेस्ट मैचों में भारत की कप्तानी करनी है और करीब 35 एकदिवसीय भी खेलने हैं। इसके अतिरिक्त, वह आईपीएल में गुजरात टाइटन्स के

कप्तान भी हैं। ऐसे में उन्हें टेस्ट और एकदिवसीय विश्व कप के लिए पूरी तरह से फिट और केंद्रित रखना जरुरी है। इसी कारण चयनकर्ता उन्हें सभी प्रारूपों में एक साथ खेलने के बोझ से बचाना चाहते हैं जिससे उनकी फॉर्म और फिटनेस प्रभावित न हो और वह बड़े मुकाबलों में प्रभावी भूमिका निभा सकें।

इसके अलावा, वर्तमान टी20 टीम में शीर्ष क्रम में संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा, ईशान किशन और पदार्पण करने जा रहे वैभव सूर्यवंशी जैसे खिलाड़ी पहले से ही मौजूद हैं। ऐसे में किसी और बल्लेबाज को शीर्ष क्रम बल्लेबाज को शीर्ष क्रम में शामिल करना टीम संतुलन को बिगाड़ देगा। शुभमन की कमजोर आईपीएल फॉर्म को देखते हुए, उन्हें टी20 टीम से बाहर रखने का मुख्य कारण भविष्य को देखते हुए बनायी गयी रणनीतिक प्राथमिकता ही है, न कि प्रदर्शन।

इसी कारण शुभमन को टी20 प्रारूप में शामिल नहीं किया गया है पर माना जा रहा है कि साल 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक या ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप से पहले उन्हें फिर से इस प्रारूप में शामिल किया जा सकता है। साल 2028 में होने वाले दो बड़े टी20 टूर्नामेंट के लिए अभी काफी समय है। ऐसे में शुभमन का ध्यान निकट भविष्य के मुकाबलों पर है।

अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में दबदबा बनाना चाहते हैं वैभव

मुम्बई। 15 साल के उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी भारतीय टी20 टीम में जगह मिलने पर बेहद खुश हैं। वैभव का कहना है कि उनका लक्ष्य अगले दो दशक तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलना है। इस बल्लेबाज ने एक राजस्थान रॉयल्स के मैनेजर रोमी भिंडर को दिए गए एक साक्षात्कार में कहा कि वह इस प्रारुप में दबदबा बनाना चाहते हैं। वैभव को घरेलू क्रिकेट के बाद आईपीएल में भी बेहतरीन प्रदर्शन के लिए आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 दौरों के साथ-साथ ही एशियाई खेलों के लिए शामिल किया गया है। अपने लक्ष्यों को लेकर वैभव ने कहा, मैं केवल खेलने नहीं आया हूं। मैं अगले 10 से 20 साल तक प्रभावी प्रदर्शन चाहता हूं।

वैभव सूर्यवंशी की एंट्री से बदलेगा प्लेइंग इलेवन का संतुलन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज और एशियन गेम्स 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान कर दिया है। इस टीम में सबसे ज्यादा चर्चा 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर हो रही है, जिन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। उनके चयन के बाद अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि उन्हें प्लेइंग इलेवन में किसकी जगह मौका मिलेगा और क्या टीम संयोजन में बदलाव देखने को मिलेगा। वैभव सूर्यवंशी का चयन उनके शानदार आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर किया गया है, जहां उन्होंने 16 पारियों में 776 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट 237.30 रहा, जिसने पूरे क्रिकेट जगत को चौंका दिया। उन्होंने इस सीजन में 72 छक्के लगाकर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ दिए, जिसमें क्रिस गेल का 59 छक्कों का रिकॉर्ड भी शामिल है। उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर उन्होंने ऑरेंज कैप भी अपने नाम की थी।

अब सवाल यह है कि उन्हें प्लेइंग इलेवन में किस पोजीशन पर शामिल किया जाएगा। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए माना जा रहा है कि वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग में उतारा जा सकता है। ऐसे में मुख्य कोच गौतम गंभीर के सामने बड़ा चयन संकट खड़ा हो गया है। यदि वैभव को ओपनिंग दी जाती है तो अभिषेक शर्मा के साथ उनकी जोड़ी बनाई जा सकती है। इस स्थिति में मौजूदा विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन की भूमिका पर सवाल खड़े हो सकते हैं। या तो उन्हें मध्यक्रम में भेजा जा सकता है या फिर उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर बैठना पड़ सकता है। टीम संयोजन को देखते हुए यह फैसला काफी अहम होगा क्योंकि यह सीधे बल्लेबाजी क्रम की स्थिरता को प्रभावित करेगा।

भारतीय टीम 26 और 28 जून को आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी, जबकि इसके बाद 1 से 11 जुलाई तक इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज होगी। इसी दौरान यह तय माना जा रहा है कि वैभव सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय डेब्यू का मौका मिल सकता है। अब सभी की नजर इस बात पर टिकी है कि गौतम गंभीर इस युवा खिलाड़ी को कैसे और किस रणनीति के तहत टीम में शामिल करते हैं और क्या वह अपनी विस्फोटक फॉर्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दोहरा पाते हैं या नहीं।

2027 विश्व कप हेतु विकेटकीपिंग को लेकर पठान ने रखा अपना पक्ष

पहली पसंद राहुल और ईशान, संजू सैमसन को भी बताया मजबूत दावेदार

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑलराउंडर इरफान पठान ने 2027 क्रिकेट विश्व कप को लेकर भारतीय टीम की संभावित विकेटकीपिंग रणनीति पर अपने विचार साझा किए हैं। उनका मानना है कि आगामी विश्व कप के लिए केएल राहुल और ईशान किशन भारत की पहली पसंद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हो सकते हैं। साथ ही उन्होंने संजू सैमसन को भी एक मजबूत विकल्प बताया है। दक्षिण अफ्रीका, नामीबिया और जिम्बाब्वे की संयुक्त मेजबानी में होने वाले 2027 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के पास विकेटकीपर की भूमिका निभाने वाले कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी मौजूद हैं। ऐसे में टीम प्रबंधन के सामने चयन को लेकर दिलचस्प चुनौती रहने वाली है।

एक बातचीत के दौरान इरफान पठान ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सूची में केएल राहुल सबसे ऊपर हैं। उनके अनुसार राहुल एक ऐसे विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं जो मध्यक्रम में बल्लेबाजी करने के साथ-साथ टीम की जरूरत के अनुसार विभिन्न भूमिकाएं निभा सकते हैं। पठान ने राहुल को बहुमुखी खिलाड़ी बताते हुए कहा कि वह टीम संतुलन के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण हैं। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर का मानना है कि ईशान किशन भी विश्व कप योजनाओं का अहम हिस्सा हो सकते हैं। उनके मुताबिक टीम को ऐसे बल्लेबाज की जरूरत होती है जो शीर्ष क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी कर सके और तेज गेंदबाजों की शॉर्ट गेंदों का प्रभावी ढंग से सामना कर सके। इस कारण ईशान किशन को भी मजबूत दावेदार माना जाना चाहिए।

हालांकि पठान ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि टीम में अतिरिक्त स्थान उपलब्ध होता है तो संजू सैमसन को अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैमसन ने जब भी वनडे क्रिकेट में मौका पाया है, उन्होंने प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। उनके अनुसार संजू अब पहले की तुलना में अधिक परिपक्व बल्लेबाज बन चुके हैं और दबाव की परिस्थितियों में लंबी पारियां खेलने की क्षमता विकसित कर चुके हैं।

संजू सैमसन का वनडे रिकॉर्ड भी उनके पक्ष में जाता है। उन्होंने अब तक 16 एकदिवसीय मुकाबलों में 56.66 की शानदार औसत और लगभग 100 के स्ट्राइक रेट से 510 रन बनाए हैं। सीमित अवसरों के बावजूद उनका प्रदर्शन लगातार प्रभावशाली रहा है। दूसरी ओर केएल राहुल पिछले कुछ वर्षों में भारत के प्रमुख विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में स्थापित हुए हैं। विशेष रूप से 2023 विश्व कप से पहले उन्होंने इस भूमिका में अपनी जगह मजबूत की थी।

भारतीय टी20 टीम की कप्तानी मिलने से सम्मानित अनुभव कर रहा- श्रेयस अय्यर

मुम्बई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के नये कप्तान बनाये जाने से श्रेयस अय्यर बेहद खुश है। श्रेयस ने कहा कि वह कप्तानी दिये जाने से सम्मानित अनुभव कर रहे हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) चयन समितिने नें शनिवार को हुई बैठक में सूर्यकुमार यादव की जगह पर अय्यर को नय कप्तान घोषित कर दिया था। कप्तानी की जिम्मेदारी मिलने से अय्यर ने कहा कि उन्हें गर्व का अनुभव हो रहा है। मुंबई टी20 लीग में सोबो मुंबई फाल्कन्स की ओर से खेल रहे श्रेयस ने कहा कहा, यह बहुत अच्छा एहसास है और इस स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करना और टीम की कप्तानी करना सम्मान की बात है। अय्यर ने अपनी खुशी व्यक्त करते हुए आगे कहा कि उन्होंने उसी दिन अपनी टीम के लिए महत्वपूर्ण रन बनाए और जीत दिलाई। इससे राष्ट्रीय टीम की कमान संभालने से पहले उनका आत्मविश्वास और बढ़ा है। जब उनसे उन प्रशंसकों के लिए कोई संदेश देने को कहा गया जिन्होंने वर्षों से उनका समर्थन किया है, तो श्रेयस ने स्वीकार किया कि उन्हें प्रशंसकों से अपार प्यार मिला है। उन्होंने कहा, मुझे प्रशंसक बहुत पसंद हैं – जिस तरह से उन्होंने मेरा समर्थन किया है और इतने सालों में अपना योगदान दिया है। मुझे लगता है कि यह बहुत बड़ी बात है, और मैं उन पर अपना प्यार और सम्मान बरसाना चाहता हूं। उन्होंने अपने प्रशंसकों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया और उनके निरंतर समर्थन के महत्व पर जोर दिया। वहीं, कप्तानी में इस महत्वपूर्ण बदलाव की आधिकारिक घोषणा के बाद, निवर्तमान कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी उन्हें बधाई दी।

वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट खेलना चाहिए, लेकिन थोपना नहीं चाहिए- रविचंद्रन अश्विन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट क्रिकेट के भविष्य, युवा खिलाड़ियों की सोच और आधुनिक क्रिकेट की चुनौतियों पर खुलकर अपने विचार रखे हैं। अश्विन ने कहा कि युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी को टेस्ट क्रिकेट जरूर खेलना चाहिए, लेकिन किसी खिलाड़ी पर इस प्रारूप को थोपना उचित नहीं होगा। अश्विन ने कहा कि व्यक्तिगत तौर पर वह मानते हैं कि वैभव सूर्यवंशी जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी को टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता आजमानी चाहिए क्योंकि यह खेल का सर्वोच्च प्रारूप है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि किसी युवा खिलाड़ी को वह रास्ता अपनाने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता जिसे वह स्वयं नहीं चुनना चाहता। उनके अनुसार आज का क्रिकेट माहौल और बदलती प्राथमिकताएं खिलाड़ियों की सोच को प्रभावित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कोचिंग के दौरान उन्होंने शायद ही किसी युवा क्रिकेटर को रेड बॉल क्रिकेट खेलने की तीव्र इच्छा के साथ देखा हो। अधिकांश खिलाड़ी जल्दी से आक्रामक शॉट सीखना चाहते हैं और सीमित ओवरों के क्रिकेट की ओर

आकर्षित होते हैं।

टेस्ट क्रिकेट के भविष्य को लेकर चिंता व्यक्त करते हुए अश्विन ने कहा कि इस प्रारूप को समय के साथ विकसित होने की जरूरत है। उनका मानना है कि टेस्ट टीम में जगह बनाने का प्रमुख आधार प्रथम श्रेणी क्रिकेट होना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन कई उत्कृष्ट प्रथम श्रेणी खिलाड़ी अवसरों के अभाव में राष्ट्रीय टीम तक नहीं पहुंच पाते। ऐसे में सवाल यह है कि युवा खिलाड़ी वर्षों तक घरेलू क्रिकेट को समर्पित क्यों रहें, जब उन्हें पर्याप्त आर्थिक लाभ और अवसर नहीं मिलते।

अश्विन के अनुसार टेस्ट क्रिकेट केवल भारत की नहीं बल्कि वैश्विक चुनौती बन चुका है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को लंबे दौरों, लगातार यात्रा, चार दिवसीय और पांच दिवसीय मैचों तथा शारीरिक दबाव का सामना करना पड़ता है, जबकि सीमित ओवरों के क्रिकेट में कम समय में अधिक कमाई की संभावना रहती है। इसके बावजूद उन्होंने कहा कि कैसी रोमांचक टेस्ट मैच में जीत का जो संतोष मिलता है, उसकी तुलना किसी अन्य प्रारूप से नहीं की जा सकती। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि यदि क्रिकेट प्रशासक वास्तव में टेस्ट क्रिकेट को मजबूत बनाना चाहते हैं तो युवा खिलाड़ियों को ऐसे कोचों के मार्गदर्शन में तैयार किया जाना चाहिए जो पारंपरिक क्रिकेट मूल्यों को महत्व देते हों। उनके अनुसार खेल की बुनियादी समझ और धैर्य विकसित करने में ऐसे प्रशिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

आधुनिक क्रिकेट में गेंदबाजों की चुनौतियों पर बात करते हुए अश्विन ने कहा कि आज के दौर में क्रिकेट पहले से कहीं अधिक तेज गति से बदल रहा है। टी20 क्रिकेट के बढ़ते प्रभाव के कारण खेल अधिक हाई-स्कोरिंग हो गया है और गेंदबाजों को हर गेंद पर नई रणनीति के साथ उतरना पड़ता है। उन्होंने कहा कि अब केवल विकेट लेने की सोच पर्याप्त नहीं है, बल्कि गेंदबाजों को टीम रणनीति के तहत सामूहिक रूप से काम करना होगा। अश्विन ने माना कि क्रिकेट अब उस दौर में प्रवेश कर चुका है जहां बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को हर गेंद पर समस्या का समाधान तलाशना पड़ता है।

रोहित की तरह ही जीत के बाद भी हटाये गये सूर्यकुमार

मुम्बई। रोहित शर्मा की तरह ही सूर्यकुमार यादव को भी खिताबी जीत के बाद भी भारतीय टी20 टीम की कप्तानी से हटा दिया गया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने सूर्यकुमार यादव की जगह पर श्रेयस अय्यर को नया टी20 कप्तान बनाया है। जिस प्रकार रोहित को चैम्पियंस ट्राफी की जीत के बाद भी भारतीय एकदिवसीय टीम की कप्तानी से हटाया गया था। वैसा ही कुछ सूर्या के साथ भी हुआ है। रोहित की जगह शुभमन गिल को एकदिवसीय का कप्तान बनाया गया था। सूर्यकुमार को कप्तानी से हटाए पर रोहित ने कहा, सूर्यकुमार के लिए कुछ भी आसान नहीं रहा है। उसने 30 या 31 साल की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया, जिसका मतलब है कि उसने कभी हार नहीं मानी। वह हमेशा टक्कर में रहना चाहता था और जब अवसर मिला, तो उसने पूरा लाभ उठाया। साल 2021 में अपने पदार्पण के बाद से ही सूर्यकुमार ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक शानदार अध्याय लिखा। उन्होंने 113 मैचों में 36.35 के औसत और 162.94 के स्ट्राइक-रेट से 3,272 रन बनाए हैं, जिसमें 25 अर्धशतक और चार शतक शामिल हैं, जिसने वह टी20 में काफी समय तक नंबर एक स्थान पर रहे। 2024 टी20 विश्व कप के बाद रोहित और विराट कोहली के संन्यास के बाद उन्हें भारतीय टीम की कप्तानी मिली थी। उनकी कप्तानी में भारत ने कोई भी सीरीज नहीं हारी और एशिया कप के साथ-साथ टी20 विश्व कप जैसे बड़े टूर्नामेंट भी जीते।

शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स को जीत दिलायी

कोलकाता। भारतीय क्रिकेट टीम में वापसी करने में असफल रहे अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने बंगाल प्रो टी20 लीग में हैट्रिक लगाकर एक नया रिकार्ड बनाया है। शमी ने इस लीग में सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स की ओर से खेलते हुए शमी ने टूर्नामेंट की पहली हैट्रिक लेकर एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। उनके इस असाधारण प्रदर्शन से सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने श्राची राढ़ टाइगर्स को 24 रनों से हरा दिया। शमी ने लगातार तीन विकेट लेकरउनक प्रदर्शन, फॉर्म और फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को करारा जवाब दिया है। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए

सर्वोटेक सिलिगुड़ी स्ट्राइकर्स ने तेजी से खेलते हुए 20 ओवरों में केवल 4 विकेट के नुकसान पर 208 रन बना दिये। युवा बल्लेबाज विशाल भाटी ने केवल 46 गेंदों में 86 रन बना दिये। उनकी इस पारी में 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे, जिसने । भाटी के अलावा करण लाल ने 39 रनों की पारी खेली । वहीं प्रमोद चंदीला ने केवल 16 गेंदों में नाबाद 36 रन बनाकर टीम को 200 रनों के ऊपर पहुंचाय। शमी ने दो गेंदों पर 8 रन बनाये।

इसके बाद 209 रनों के कठिन लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्राची राढ़ टाइगर्स ने भी आक्रामक शुरुआत की। उसके सलामी बल्लेबाजों ने तेजी से रन बनाये। शुभम डे ने 25 गेंदों पर 48 रन जबकि राहुल प्रसाद ने भी 26 गेंदों में 44 रन बना दिये। टीम तेजी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी तभी लगातार अंतराल पर विकेट गिरने से उनकी लय बिगड़ गयी। टीम बड़ी साझेदारियां बनाने में विफल रही और यही जिससे उसे हार का सामना करना पड़ा।

शमी ने ने दबाव के क्षणों में अपनी क्लास दिखाई। उन्होंने एक ही ओवर में लगातार तीन गेंदों पर तीन विकेट लेकर न केवल बंगाल प्रो टी20 लीग की पहली हैट्रिक लगायी बल्कि मैच का रुख भी पलट दिया। उनकी इस हैट्रिक से श्राची राढ़ टाइगर्स के मध्यक्रम की बल्लेबाजी ढ़ह गयी जिससे उसकी जीत की उम्मीदें समाप्त हो गयीं। टाइगर्स की टीम संभल नहीं पाई 185 रन ही बना पायी। इससे उसे 24 रनों से हार का सामना करना पड़ा। पारी के 16वें ओवर में मोहम्मद शमी ने मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया। उन्होंने चौथी गेंद पर शाहबाज अहमद को आउट किया। अगली ही गेंद पर रोहित कुमार को कैच कराया। इसके बाद शमी ने सटीक यॉर्कर फेंकी, जिसे दीपांजन मुखोपाध्याय समझ ही नहीं सके और बोल्ड हो गए। इसी के साथ शमी ने हैट्रिक पूरी कर ली। शमी ने अपने चार ओवर में 27 रन देकर 4 विकेट लिए और मैच के सबसे बड़े नायक साबित हुए।

गुलाबी गेंद के इस्तेमाल के पक्ष में गौतम गंभीर बोले- मैच का नतीजा निकलना सबसे जरूरी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने टेस्ट क्रिकेट में खराब रोशनी की स्थिति से निपटने के लिए गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का समर्थन किया है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) द्वारा हाल ही में लिए गए फैसले का स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि यदि किसी मैच का परिणाम निकालने का अवसर मौजूद हो तो उसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट में अक्सर खराब रोशनी के कारण खेल रोकना पड़ता है, जिससे मैच का समय प्रभावित होता है और कई बार नतीजा भी नहीं निकल पाता। इसी समस्या के समाधान के लिए आईसीसी ने एक नया प्रयोग मंजूर किया है। इसके तहत पारंपरिक लाल गेंद से शुरू होने वाले टेस्ट मैचों में यदि रोशनी की समस्या पैदा होती है और दोनों टीमें सहमत हों, तो फ्लडलाइट की रोशनी में गुलाबी गेंद का इस्तेमाल किया जा सकेगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य खेल के अधिक से अधिक ओवर पूरे कराना और मैच को परिणाम तक पहुंचाने की संभावना बढ़ाना है।

आईसीसी बोर्ड की हालिया बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। नया नियम एक अक्टूबर से लागू होगा। इसके तहत लाल गेंद से खेल शुरू होगा, लेकिन रोशनी कम होने की स्थिति में गुलाबी गेंद का उपयोग कर मैच जारी रखा जा सकेगा। हालांकि इसके लिए दोनों टीमों की सहमति अनिवार्य होगी। अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच से पहले मीडिया से बातचीत में गौतम गंभीर ने कहा कि उन्हें यह फैसला बेहद पसंद आया है। उनके अनुसार क्रिकेट का उद्देश्य केवल खेलना नहीं बल्कि परिणाम तक पहुंचना भी है। उन्होंने कहा कि यदि परिस्थितियां अनुमति देती हैं और दोनों टीमें तैयार हैं तो मैच को बीच में रोकने के बजाय वैकल्पिक व्यवस्था अपनाई जानी चाहिए। गंभीर ने इस फैसले के पीछे व्यावहारिक पहलुओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत को अगले वर्ष फरवरी-मार्च में घरेलू मैदान पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेलनी है। इस श्रृंखला के कुछ मुकाबले पूर्वी भारत के शहरों में प्रस्तावित हैं, जहां सूर्यास्त अपेक्षाकृत जल्दी होता है। ऐसे में खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की आशंका बनी रहती है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि यदि कोई टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप के फाइनल में जगह बनाने की दौड़ में हो और आखिरी टेस्ट मैच खराब रोशनी के कारण बिना नतीजे के समाप्त हो जाए, तो यह खेल और टीम दोनों के लिए निराशाजनक स्थिति होगी।

दिल्ली-एनसीआर समेत कई राज्य में चलेगी लू, 11-12 जून से मिल सकती है राहत

पूर्वी उत्तर प्रदेश में 10 से 12 जून के दौरान छिटपुट बारिश की संभावना

नई दिल्ली। एजेंसी।

दक्षिण-पश्चिम मानसून देश के दक्षिणी और पूर्वोत्तर हिस्सों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चेतावनी दी है कि दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बड़े हिस्से अगले कई दिनों तक भीषण गर्मी और लू की चपेट में रहेंगे। मौसम विभाग के मुताबिक दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब में 11-12 जून के दौरान कहीं-कहीं हल्की बारिश, गरज-चमक और तेज हवाएं चलने की संभावना है। इसके बावजूद मौसम विभाग ने 8 से 11 जून के बीच दिल्ली, हरियाणा, चंडीगढ़ और पंजाब के कई इलाकों में लू चलने की चेतावनी जारी की है।

पूर्वी उत्तर प्रदेश में 10 से 12 जून के दौरान छिटपुट बारिश की संभावना है, जबकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 11-12 जून को कुछ स्थानों पर बारिश हो सकती है। 9 से 10 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश और 9 से 11 जून तक पश्चिमी उत्तर प्रदेश में लू चलने की आशंका है। राजस्थान में मौसम सबसे अधिक चुनौतीपूर्ण है। पश्चिमी राजस्थान में 7 जून के दौरान तेज धूलभरी आंधी चल सकती है, जहां हवा की गति 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटा और झोंकों में 70 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। इसके बाद 8 से 12 जून तक पश्चिमी राजस्थान में भीषण लू चलने की संभावना है। वहीं पूर्वी राजस्थान में 6 से 12 जून के दौरान छिटपुट बारिश और 7 से 12 जून तक 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

वहीं, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में 7 से 12 जून तक रुक-रुक कर बारिश हो सकती है। हिमाचल प्रदेश में 6-8 जून और 11-12 जून के दौरान व उत्तराखंड में 6 से 12 जून तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ क्षेत्र में 12 जून तक बारिश और गरज-चमक की गतिविधियां जारी रहने की संभावना है। पूर्वी और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 10 जून तक, जबकि विदर्भ में अगले तीन दिन आंधी-तूफान के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। छत्तीसगढ़ में 8 से 12 जून तक इसी तरह का मौसम बना रह सकता है।

मौसम विभाग ने बताया कि अगले 2 से 3 दिनों में मानसून के महाराष्ट्र, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर भारत के और अधिक क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। इसके बाद के 4 से 5 दिनों में मानसून के महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पूर्वोत्तर भारत व उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम के कुछ और हिस्सों में पहुंचने की संभावना है।

नाम बदलने की राजनीति- सांस्कृतिक पुनर्जागरण या राजनीतिक रणनीति?

नई दिल्ली। केंद्र की पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार और विभिन्न राज्यों में भाजपा की सरकारों ने स्थलों, इमारतों के नाम परिवर्तन का जो दौर चलाया उसे लेकर अब सवाल खड़े होने लगे हैं। देश में शहरों, गली-मोहल्ले, सड़कों, रेलवे स्टेशनों और अब विश्वविद्यालयों के नाम बदलने का सिलसिला लगातार तेज होता जा रहा है। हाल ही में भोपाल स्थित बरकतुल्ला विश्वविद्यालय का नाम बदलकर मां वारदेवी भोजपाल विश्वविद्यालय किए जाने के प्रस्ताव पास होने के बाद यह बहस फिर तेज हो गई है कि नाम परिवर्तन के पीछे वास्तविक उद्देश्य क्या है।

अनावश्यक तौर पर किए जा रहे नाम परिवर्तन की आलोचना करने वालों का तर्क है कि यह प्रक्रिया राजनीतिक लाभ और भाजपा के वैचारिक एजेंडे का हिस्सा है। उनका कहना है कि नाम बदलने से रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और महंगाई जैसी मूलभूत समस्याओं का समाधान नहीं होता। विशेषज्ञों के अनुसार नाम परिवर्तन किए जाने से सरकार पर आर्थिक प्रभाव भी पड़ता है। सरकारी दस्तावेजों, साइनबोर्ड, वेबसाइटों और रिकॉर्ड को अपडेट करने में भारी खर्च आता है। इसके साथ ही सदियों की पहचान बने स्मारक अपनी असली पहचान भी खोते चले जाते हैं। उनकी पहचान कायम करने के लिए अलग से प्रयास किए जाते हैं, जिसमें काफी समय लग जाता है, जबकि दुनियाभर में ऐसे कार्यों की आलोचना ही होती है, कोई इसकी प्रशंसा नहीं करता दिखता। हालांकि समर्थकों का मानना है कि यह एक बार का निवेश है, जबकि सांस्कृतिक पहचान का लाभ लंबे समय तक बना रहता है।

विवाद को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी के नेता भी मुखर हुए हैं उन्होंने कहा है, कि यह कदम देश को औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त कर भारतीय सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित करने के लिए उठाए जा रहे हैं। पार्टी के अनुसार, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व वाले पुराने नामों को वापस लाकर राष्ट्रीय गौरव को मजबूत किया जा रहा है। इस पर विरोधी खेमा कहता देखा जाता है कि बरकतुल्ला भोपाली जैसे स्वतंत्रता सेनानी के नाम की जगह कोई और नाम रखा जाना औपनिवेशिक और विदेशी शासकों की विरासत से मुक्त करने जैसी सोच से जोड़कर कैसे देखा जा सकता है? अब इस तरह के नाम परिवर्तन को लेकर सोशल मीडिया पर विरोध दर्ज कराया जाने लगा है। विरोध करने वालों का कहना है कि नाम परिवर्तन करने की जगह मूलभूत समस्याओं पर ध्यान दिया जाए तो बेहतर होगा।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने किया सनसनीखेज दावा

अयोध्या राम मंदिर से 7 करोड़ की चोरी

अयोध्या/लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का दावा है कि अयोध्या के राम मंदिर से करोड़ों रुपए का चढ़ावा गायब हो गया है। उन्होंने रविवार को एक्स पोस्ट कर लिखा, पूरी दुनिया में भगवान राम के उपासकों के लिए ये एक बेहद संवेदनशील खबर है। राम मंदिर के चढ़ावे की करोड़ों रुपए की रकम गायब मिली है। अखिलेश ने श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट और सरकार को भी घेरा है। लिखा, करोड़ों रुपए गायब होना मंदिर ट्रस्ट के लिए अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। कोई भी सफाई देने के लिए सामने नहीं आना चाहता है। सपा अध्यक्ष ने कोर्ट से स्वत- संज्ञान लेने की मांग की है, क्योंकि इसका सीधा संबंध वैश्विक स्तर पर समस्त सनातनी समाज की प्रभु राम में गहरी आस्था से जुड़ा है। सरकार की चुप्पी संदिग्ध है। दरअसल, अयोध्या के पूर्व विधायक पवन पांडेय का दावा है कि राम मंदिर के चढ़ावे में चोरी 5 से 7.50 करोड़ तक हो सकती है। अगर चोरी नहीं हुई है तो ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय सामने आएं और प्रभु श्रीराम की कसम खाकर कहें कि सबकुछ झूठ है। अगर बात सच है तो एफआईआर करवाएं। उन्होंने कहा, अभी ये स्पष्ट नहीं है कि ये चोरी कितने समय से हो रही थी। ट्रस्ट के किन-किन सदस्यों तक ये पैसा गया है, इसकी भी जांच होनी चाहिए।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा मुगलों और अंग्रेजों ने भी शंकराचार्यों का अपमान नहीं किया

आगरा। आगरा में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि शंकराचार्यों का सम्मान सभी करते हैं, लेकिन एक व्यक्ति अहंकार में चूर होकर उनका अपमान कर रहा है। शंकराचार्यों का ऐसा अपमान मुगलों और अंग्रेजों ने भी नहीं किया था। भाजपा में भी अब दो भाजपा हो गई हैं। एक भाजपा गाय से प्रेम करती है, जबकि दूसरी गाय को माता कहने के लिए भी तैयार नहीं है। एक भाजपा संतों का सम्मान करती है, तो दूसरी संतों का अपमान करती है। हम अच्छी भाजपा को स्वीकार करते हैं और गलत भाजपा का विरोध करते हैं। दरअसल, रविवार को शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती की गविद्दि यात्रा आगरा पहुंची। यह यात्रा गो-संरक्षण और जनजागरण के उद्देश्य से निकाली जा रही है। राजपुर चुंगी स्थित परशुराम मंदिर पार्क में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा- आप लोग ऐसे लोगों को सत्ता में पहुंचाएं, जो गाय को माता का दर्जा दें।

खान सर की मुश्किलों में इजाफा हॉस्पिटल और कोचिंग इंस्टीट्यूट को भेजा गया नोटिस

पटना। पटना में फैजल खान उर्फ खान सर के नाम से फेमस टीचर की मुसीबतें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। पहले पुलिस ने गिरफ्तार करने के लिए तलाश कर रही है, अब पटना के फायर डिपार्टमेंट की ओर से उन्हें हॉस्पिटल और कोचिंग इंस्टिट्यूट को लेकर नोटिस जारी किया गया है। रविवार दोपहर फैजल खान के कोचिंग इंस्टिट्यूट 'खान ग्लोबल कोचिंग सेंटर' में फायर ऑडिट करने के लिए फायर डिपार्टमेंट की टीम पहुंची। इस दौरान देखा गया टीम फायर सेफ्टी के लहजे से उनके कोचिंग सेंटर का निरीक्षण करती नजर आई। निरीक्षण के दौरान कोचिंग सेंटर और अस्पताल में पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले, इस पर उन्हें नोटिस जारी किया गया है। इसे लेकर बिहार फायर सर्विस के सीनियर कमांडेंट रितेश पांडे ने कहा कि दिल्ली के मालवीय नगर और बिहार के मुजफ्फरपुर में हाल की घटनाओं को देखते हुए, हमारे डायरेक्टर जनरल ने बिहार, खासकर पटना में सभी होटलों, अस्पतालों और कोचिंग सेंटरों की जांच करने के सख्त निर्देश दिए ताकि यह पता लगाया जा सके कि वहां आग से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं या नहीं। आगे उन्होंने कहा, इसी सिलसिले में हमने खान ग्लोबल स्टडीज और खान हॉस्पिटल दोनों की जांच की। दोनों जगहों पर हमें आग से सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम नहीं मिले। इसलिए, हमने खान हॉस्पिटल को 15 दिन और खान ग्लोबल स्टडीज को 7-10 दिन का समय दिया है ताकि वे हमारे बताए सुरक्षा सुझावों को लागू कर सकें; इसके बाद हम उनकी प्रगति की जांच करने फिर आएंगे। अगर हमें पता चलता है कि नियमों का पालन नहीं किया गया है, तो हम कारणों की जांच करेंगे और अपने एक्ट और नियमों के अनुसार कानूनी कार्रवाई करेंगे।

मानसरोवर मार्ग पर नेपाल को है आपत्ति

नई दिल्ली। भारत दौरे पर आए नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने एक बार फिर कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर नेपाल का दावा दोहराते हुए इस मुद्दे को सार्वजनिक रूप से उठाया है। नेपाली विदेश मंत्री के इस बयान ने दोनों देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे सीमा विवाद को फिर चर्चा में ला दिया है। यह बयान ऐसे समय आया है जब उन्होंने नई दिल्ली में भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की है।

कैलाश मानसरोवर यात्रा से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में खनाल ने कहा कि यात्रा कई अलग-अलग सीमा मार्गों से संचालित होती है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु नेपाल के रास्ते भी यात्रा करते हैं। उन्होंने कहा कि नेपाल की मुख्य चिंता कालापानी और लिपुलेख क्षेत्र को लेकर भारत और चीन के बीच हुए समझौतों से जुड़ी है। उनके अनुसार नेपाल लगातार यह कहता रहा है कि यह क्षेत्र उसका हिस्सा है और नेपाल की सहमति के बिना किसी तीसरे पक्ष के साथ इस क्षेत्र से संबंधित समझौते नहीं किए जाने चाहिए।

नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि उनके देश ने इस संबंध में कूटनीतिक माध्यमों और आधिकारिक नोट के जरिए अपना पक्ष भारत और चीन दोनों के समक्ष स्पष्ट रूप से रखा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देशों के बीच संवाद और आपसी सम्मान के आधार पर किसी भी जटिल मुद्दे का समाधान निकाला जा सकता है। खनाल ने अपने बयान में भारत-नेपाल संबंधों को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अतीत के विवादों से आगे बढ़कर साझा विकास, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय समृद्धि पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उनके अनुसार नेपाल एक महत्वाकांक्षी और विकासोन्मुखी राष्ट्र के रूप में भारत के साथ मजबूत साझेदारी चाहता है।

नेपाल में हाल के राजनीतिक परिवर्तनों और युवाओं की भूमिका पर चर्चा करते हुए खनाल ने कहा कि हालिया जनआंदोलनों ने देश की राजनीति को नई दिशा दी है। वहीं अग्निवीर योजना में नेपाली युवाओं की भर्ती के प्रश्न पर उन्होंने कहा कि यदि भारत इस विषय पर औपचारिक चर्चा करना चाहे तो नेपाल बातचीत के लिए तैयार है। अपने संबोधन में खनाल ने भारत की आर्थिक और तकनीकी प्रगति की सराहना भी की। उन्होंने कहा कि भारत आज वैश्विक मंच पर तेजी से उभरती हुई आर्थिक और तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित हो रहा है और नेपाल इस विकास यात्रा का साझेदार बनना चाहता है। हालांकि, कालापानी और लिपुलेख को लेकर दिए गए उनके बयान ने एक बार फिर दोनों देशों के बीच सीमा विवाद के मुद्दे को सुर्खियों में ला दिया है।

ऑटोमेटिक सिग्नलिंग कार्य से 21 ट्रेनें प्रभावित, कई मार्ग बदले गए

बरेली। मुरादाबाद-गाजियाबाद रेलखंड के पिलखुआ-कुचेसर रोड सेक्शन में ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग कमीशनिंग कार्य के चलते रेलवे ने 21 ट्रेनों के संचालन में बदलाव किया है। इसके तहत कई ट्रेनों के मार्ग परिवर्तित किए गए हैं, जबकि कुछ को पुनर्निर्धारित और नियंत्रित कर चलाया जाएगा। रेलवे अधिकारियों के अनुसार लालकुआं-आनंद विहार एक्सप्रेस, छपरा-दिल्ली एक्सप्रेस, न्यू जलपाईगुड़ी-उधना एक्सप्रेस, लखनऊ-आनंद विहार एक्सप्रेस और सहरसा-अमृतसर एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को वैकल्पिक मार्गों से चलाया जाएगा। कुछ ट्रेनों का बरेली, मुरादाबाद, अमरोहा और हापुड़ जैसे स्टेशनों पर ठहराव भी अस्थायी रूप से समाप्त रहेगा। इसके अलावा सहरसा-आनंद विहार, मुजफ्फरपुर-पोरबंदर और लालकुआं-बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस समेत आठ ट्रेनों को निर्धारित समय से देरी से रवाना किया जाएगा।

युवा भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं, वे कठपुतली नहीं बनेंगे

बीजेपी अध्यक्ष नवीन ने बिना नाम लिए सीजेपी के संस्थापक पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने आरोप लगाया है कि कुछ ताकतें देश के युवाओं को नकारात्मक राजनीति की ओर धकेलने का कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत के युवा राष्ट्र निर्माण और अपने भविष्य को सुरक्षित करने में विश्वास रखते हैं। वे किसी के हाथ की कठपुतली नहीं बनेंगे। झारखंड के रांची में बुद्धिजीवियों के साथ संवाद करते हुए नितिन नबीन ने कहा कि कुछ लोग विदेश में बैठकर यह सोचते हैं कि वे भारत के युवाओं को दिशा दे सकते हैं। हालांकि उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन उनका यह बयान कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके के संदर्भ में माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज का युवा नवाचार, सृजन और राष्ट्र निर्माण की सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। देश में करीब दो लाख स्टार्टअप युवाओं की मेहनत और प्रतिभा का परिणाम हैं। भारत वैश्विक सूचना प्रौद्योगिकी और कृत्रिम बुद्धिमत्ता केंद्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नबीन ने कहा कि विरोध करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन यह लोकतांत्रिक मर्यादाओं के अंदर होना चाहिए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि जो लोग युवाओं को व्यवस्था विरोधी राजनीति की ओर धकेलना चाहते हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि भारत का युवा सकारात्मक राजनीति का ही चयन करेगा। बीजेपी अध्यक्ष ने पीएम मोदी के विकसित भारत 2047 विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले 12 सालों में देश में बड़े बदलाव हुए हैं। उन्होंने दावा किया कि 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी से बाहर आए हैं, 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है और 54 करोड़ जनधन खाते खोले गए हैं।

सुगियोनो बोले- भारत आने का बहाना ढूंढता रहूंगा

नई दिल्ली। भारत और इंडोनेशिया के बीच द्विपक्षीय संबंधों को नई गति देने के उद्देश्य से रविवार को नई दिल्ली में भारत-इंडोनेशिया संयुक्त आयोग (जॉइंट कमीशन) की 8वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में दोनों देशों के बीच राजनीतिक, रक्षा, समुद्री सुरक्षा, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा और सांस्कृतिक सहयोग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई।

बैठक की संयुक्त अध्यक्षता भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और इंडोनेशिया के विदेश मंत्री सुगियोनो ने की। इस दौरान इंडोनेशियाई विदेश मंत्री ने भारत की मेहमाननवाजी की सराहना करते हुए कहा कि उन्हें यहां हमेशा विशेष सम्मान और अपनापन महसूस होता है। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, ‘मैं कुछ सप्ताह पहले भी नई दिल्ली आया था और आगे भी भारत आने का कोई न कोई बहाना ढूंढता रहूंगा।’ उनके इस बयान ने बैठक के दौरान सौहार्दपूर्ण माहौल को और मजबूत किया।

बैठक के उद्घाटन सत्र में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि चार वर्षों के अंतराल के बाद आयोजित हो रही यह संयुक्त आयोग बैठक दोनों देशों के संबंधों को नई दिशा देने का अवसर है। उन्होंने याद दिलाया कि वर्ष 2025 में भारत और इंडोनेशिया ने अपने राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ मनाई थी। साथ ही उन्होंने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो की भारत यात्रा और 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में उनकी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे दोनों देशों की व्यापक रणनीतिक साझेदारी को नई ऊर्जा मिली है।

जयशंकर ने कहा कि भारत और इंडोनेशिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र के दो महत्वपूर्ण साझेदार हैं और दोनों देशों के बीच सहयोग के अनेक क्षेत्र मौजूद हैं। उन्होंने रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सहयोग, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, फार्मास्यूटिकल्स, पर्यटन, शिक्षा तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।

इंडोनेशियाई विदेश मंत्री सुगियोनो ने कहा कि 2022 के बाद आयोजित यह बैठक दोनों देशों के बीच सहयोग की प्रगति की समीक्षा करने और भविष्य की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने उम्मीद जताई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो के बीच हुई चर्चाओं के परिणामों को आगे बढ़ाने में यह बैठक अहम भूमिका निभाएगी।

उल्लेखनीय है कि भारत और इंडोनेशिया के बीच संयुक्त आयोग तंत्र की स्थापना वर्ष 2001 में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के तहत की गई थी। इससे पहले सातवीं संयुक्त आयोग बैठक जून 2022 में नई दिल्ली में आयोजित हुई थी। दोनों देशों ने इस बार भी रणनीतिक साझेदारी को ठोस परिणामों में बदलने और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत बनाने की प्रतिबद्धता दोहराई।

एलपीजी सिलेंडर पर 700 रुपये तक का नुकसान उठा रहीं कंपनियां

दुनिया के सबसे सस्ते गैस सिलेंडरों में शामिल है भारत

नई दिल्ली। घरेलू रसोई गैस (एलपीजी) सिलेंडर की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद केंद्र सरकार ने इसके पीछे की वजह स्पष्ट करते हुए कहा है कि मौजूदा समय में 14.2 किलोग्राम के एक घरेलू एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति लागत 1,600 रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। इसके मुकाबले उपभोक्ताओं से वसूली जाने वाली कीमत काफी कम होने के कारण तेल विपणन कंपनियों को प्रति सिलेंडर लगभग 700 रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलपीजी की कीमतों में तेज वृद्धि इस स्थिति का प्रमुख कारण है। विशेष रूप से होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में उत्पन्न भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति संबंधी बाधाओं के चलते सऊदी अरामको की एलपीजी कॉन्ट्रैक्ट प्राइस (सीपी) में फरवरी से अब तक करीब 46 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में प्रोपेन और ब्यूटेन के मिश्रण की कीमत 542.50 अमेरिकी डॉलर प्रति टन थी, जो अप्रैल में बढ़कर 775 डॉलर प्रति टन और जून में 790 डॉलर प्रति टन तक पहुंच गई। इसी अवधि में प्रोपेन की कीमतों में 39 प्रतिशत तथा ब्यूटेन में 52 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी हुई। इसका सीधा असर भारत में आयातित एलपीजी की लागत पर पड़ा है।

सरकार का कहना है कि बढ़ी हुई लागत के बावजूद भारत में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें दुनिया के कई देशों की तुलना में काफी कम हैं। दिल्ली में उपभोक्ता एक सिलेंडर के लिए 942 रुपये का भुगतान कर रहे हैं, जबकि वास्तविक बाजार आधारित लागत इससे कहीं अधिक है। वहीं, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रति सिलेंडर 300 रुपये की सब्सिडी मिलने से उनकी प्रभावी कीमत 642 रुपये रह जाती है।

मंत्रालय ने बताया कि घरेलू एलपीजी पर अंडर-रिकवरी वित्त वर्ष 2025-26 के अंत तक 60,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने का अनुमान है। इस बढ़ते वित्तीय बोझ को देखते हुए केंद्र सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों को 30,000 करोड़ रुपये का मुआवजा देने की मंजूरी दी है।

सरकार के अनुसार भारत में गैस सिलेंडर की कीमत पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे देशों की तुलना में कम है। मंत्रालय ने उपभोक्ताओं से ऊर्जा संरक्षण के उपाय अपनाने और एलपीजी के विवेकपूर्ण उपयोग की भी अपील की है, ताकि इस सब्सिडी वाले संसाधन का अधिकतम लाभ सुनिश्चित किया जा सके।

जंतर-मंतर प्रदर्शन पर एफआईआर को दिल्ली पुलिस ने बताया अफवाह

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी द्वारा आयोजित प्रदर्शन के बाद सोशल मीडिया पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की खबरें वायरल हुई हैं। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने इन दावों को भ्रामक और निराधार बताया है। प्रदर्शन के दौरान राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में ड्रोन कैमरों, फेस रिकग्निशन सिस्टम (एफआरएस) तथा अतिरिक्त सुरक्षा बलों की मदद से निगरानी रखी गई। सीआईएसएफ, आरएएफ और अन्य अर्धसैनिक बलों की टुकड़ियां भी तैनात रहीं। दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में पूरे क्षेत्र को सुरक्षा घेरे में रखा गया था। जंतर-मंतर में हुए प्रदर्शन को लेकर पुलिस अधिकारियों ने कहा, प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। ऐसे में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किए जाने की खबरों में कोई सच्चाई नहीं है। प्रदर्शन के दौरान पेपर लीक, परीक्षा प्रणाली में कथित गड़बड़ियों और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग उठाई गई। बड़ी संख्या में छात्र और युवा इसमें शामिल हुए।

जंतर-मंतर के प्रदर्शन को बताया ट्रेलर और दे दिया सरकार को अल्टीमेटम

कॉकरोच जनता पार्टी ने कहा- मांग नहीं मानी गई तो 7 दिन बाद फिर लौटेंगे

नई दिल्ली। परीक्षा प्रणाली में कथित अनियमितताओं, पेपर लीक की घटनाओं और शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के बाद रविवार को पार्टी ने सोशल मीडिया पर कार्यक्रम का वीडियो साझा करते हुए केंद्र सरकार को सात दिन का अल्टीमेटम दिया है और चेतावनी दी है कि मांगें पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और व्यापक बनाया जाएगा। कॉकरोच जनता पार्टी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए वीडियो के साथ लिखा कि शिक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई गई। पार्टी ने दावा किया कि यह केवल शुरुआत है और यदि जवाबदेही तय नहीं की गई तो आंदोलन का दायरा और बड़ा होगा। प्रदर्शन के दौरान सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले एक महीने से शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग की जा रही है, लेकिन इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि परीक्षा प्रणाली में लगातार सामने आ रही समस्याओं के बावजूद सरकार छात्रों और युवाओं की चिंताओं को गंभीरता से नहीं ले रही है। कॉकरोच जनता पार्टी ने अपने बयान में कहा है कि यदि सात दिनों के भीतर केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पद से नहीं हटाया गया तो अगले शनिवार को फिर से जंतर-मंतर पर प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। साथ ही आंदोलन को देशव्यापी स्वरूप देने की भी चेतावनी दी गई है। अभिजीत दीपके ने कहा कि मौजूदा प्रदर्शन आंदोलन का अंत नहीं, बल्कि शुरुआत है। उन्होंने दावा किया कि यदि मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो छात्रों और युवाओं की आवाज को देश के हर राज्य और शहर तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा और रोजगार से जुड़े मुद्दों पर युवाओं में बढ़ती नाराजगी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। प्रदर्शन को विभिन्न छात्र संगठनों और राजनीतिक समूहों का भी समर्थन मिला। आंदोलन स्थल पर कई छात्र नेता मौजूद रहे। सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा सुधार के पक्षधर सोनम वांगचुक ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर आंदोलन के प्रति समर्थन जताया। उन्होंने कहा कि जब न्याय और जवाबदेही की मांगों को अनसुना किया जाता है, तब लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाना आवश्यक हो जाता है।

बालाघाट
सोमवार 08 जून 2026
दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

कलेक्टर मृणाल मीना के नेतृत्व में बालाघाट ने रचा कीर्तिमान
शाला प्रवेश एवं पंजीयन में प्रदेश में प्रथम स्थान, 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शिक्षा के क्षेत्र में बालाघाट जिले ने एक नई उपलब्धि अपने नाम दर्ज कर ली है। वर्ष 2026-27 में कक्षा 1 से 12 तक के विद्यार्थियों के प्रवेश एवं पंजीयन अभियान में बालाघाट जिला प्रदेश में नर्मदापुरम जिले के साथ संयुक्त रूप से प्रथम स्थान पर पहुंच गया है। जिले ने निर्धारित लक्ष्य के विरुद्ध 100 प्रतिशत प्रवेश एवं पंजीयन सुनिश्चित कर शिक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। इस उल्लेखनीय सफलता के पीछे कलेक्टर मृणाल मीना का दूरदर्शी नेतृत्व, सतत मॉनिटरिंग और शिक्षा के प्रति गंभीर दृष्टिकोण प्रमुख कारण माना जा रहा है। कलेक्टर श्री मीना ने अभियान के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी, जिला परियोजना समन्वयक, बीआरसी, विकासखंड शिक्षा अधिकारियों तथा स्कूलों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों के साथ नियमित समीक्षा बैठकें कर स्पष्ट निर्देश दिए थे कि जिले का कोई भी बच्चा विद्यालय से बाहर न रहे। जिले में कक्षा 1 से 8 तक 2 लाख 13 हजार 127 बच्चों के प्रवेश एवं पंजीयन का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध 2 लाख 07 हजार 548 बच्चों का प्रवेश एवं पंजीयन कर 97 प्रतिशत उपलब्धि प्राप्त की गई। वहीं कक्षा 9 से 12 तक 92 हजार 287 विद्यार्थियों के लक्ष्य के मुकाबले 97 हजार 349 विद्यार्थियों का प्रवेश एवं पंजीयन कर 105 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की गई। कुल मिलाकर कक्षा 1 से 12 तक 3 लाख 05 हजार 414 विद्यार्थियों के लक्ष्य के विरुद्ध 3 लाख 04 हजार 897 विद्यार्थियों का प्रवेश एवं पंजीयन कर जिले ने शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा कर लिया है। आगामी दिनों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या और बढ़ने की संभावना भी जताई जा रही है। शिक्षा जगत और आमजन में इस सफलता को लेकर उत्साह का माहौल है। जिले के शिक्षकों, प्राचार्यों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों और अभिभावकों ने कलेक्टर मृणाल मीना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि उनकी सतत निगरानी और स्पष्ट कार्ययोजना के कारण यह उपलब्धि संभव हो सकी है। यह सफलता केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बालाघाट जिले में शिक्षा के प्रति बढ़ती जागरूकता, अभिभावकों के विश्वास और प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली का भी प्रमाण है। कलेक्टर मृणाल मीना के नेतृत्व में बालाघाट शिक्षा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित कर रहा है, जो अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकता है।

सत्ता पक्ष के पार्षद ने रुकवाया नाला निर्माण कार्य, गुणवत्ता पर उठाए गंभीर सवाल

सत्ता पक्ष के पार्षद मनीष नेमा बोले, गुणवत्ता से समझौता नहीं, जरूरत पड़ी तो कलेक्टर से करेंगे शिकायत

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

शहर के कृष्णा डेयरी क्षेत्र में नगर पालिका द्वारा कराए जा रहे नाली निर्माण कार्य को वार्ड क्रमांक 22 के पार्षद मनीष नेमा ने गुणवत्ता पर सवाल उठाते हुए रुकवा दिया। वार्डवासियों की शिकायत के बाद मौके पर पहुंचे पार्षद ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा है तथा तकनीकी कर्मचारियों की जगह गैर-तकनीकी लोगों से काम कराया जा रहा है। पार्षद मनीष नेमा ने कहा कि यदि निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता के साथ नहीं किया गया तो वे पूरे मामले की शिकायत कलेक्टर से करेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि वार्डवासियों के हितों से समझौता नहीं किया जाएगा और घटिया निर्माण को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। गौरतलब है कि इससे पहले भी सत्ता पक्ष के कुछ पार्षद नगर पालिका के कार्यों और व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठा चुके हैं। अब वार्ड क्रमांक 22 के पार्षद द्वारा निर्माण कार्य रुकवाए जाने के बाद राजनीतिक गलियारों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। नगर पालिका के भीतर ही विकास कार्यों की गुणवत्ता को लेकर उठ रहे सवालों ने एक बार फिर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की कार्यशैली पर बहस छेड़ दी है।

नगर पालिका में अब निर्माण कार्यों की गुणवत्ता को लेकर सवाल केवल विपक्ष तक सीमित नहीं रह गए हैं। पहले जहां कांग्रेस के पार्षद विकास कार्यों और निर्माण की गुणवत्ता को लेकर नगर पालिका प्रशासन को घेरते थे, वहीं पिछले कुछ महीनों से सत्ता पक्ष के कुछ पार्षद भी खुलकर अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब वार्ड क्रमांक 22 के पार्षद मनीष नेमा भी सामने आ गए हैं। रविवार को वार्ड क्रमांक 22 स्थित कृष्णा डेयरी रोड पर निर्माणाधीन नाले की गुणवत्ता को लेकर पार्षद मनीष नेमा ने खुलकर विरोध दर्ज कराया। बताया जा रहा है कि नगर पालिका स्वयं इस निर्माण कार्य की एजेंसी है और संबंधित ठेकेदार के माध्यम से नाले का निर्माण कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों ने पार्षद को सूचना दी कि नाला निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा जा रहा है तथा

तकनीकी मानकों की अनदेखी की जा रही है। सूचना मिलते ही पार्षद मनीष नेमा निर्माण स्थल पर पहुंचे और कार्य का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्य को तत्काल रुकवा दिया। पार्षद का आरोप है कि नाले का निर्माण निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं किया जा रहा था और कार्य में तकनीकी कर्मचारी का अभाव स्पष्ट दिखाई दे रहा था। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में प्रशिक्षित तकनीकी श्रमिकों के बजाय सामान्य मजदूरों से काम कराया जा रहा था, जिससे निर्माण की मजबूती और गुणवत्ता पर प्रश्नचिह्न खड़े हो रहे हैं। इसके अलावा नाले के भीतर से पाइपलाइन गुजरने जैसी स्थिति भी सामने आई, जिस पर उन्होंने आपत्ति दर्ज कराई। मौके पर ही पार्षद ने निर्माण कार्य की खामियों को लेकर वीडियो बनाकर अपना विरोध दर्ज कराया, जो बाद में सोशल मीडिया पर भी वायरल हो गया। वीडियो के माध्यम से उन्होंने नगर पालिका प्रशासन और निर्माण एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए तथा गुणवत्ता से समझौता नहीं किए जाने की बात कही। पद्मेश न्यूज़ से चर्चा करते हुए पार्षद मनीष नेमा ने बताया कि उन्हें वार्डवासियों द्वारा फोन कर निर्माण कार्य में अनियमितताओं की जानकारी दी गई थी। इसके बाद उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते उनकी जिम्मेदारी है कि वार्ड में होने वाले प्रत्येक विकास कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्थिति में घटिया निर्माण कार्य स्वीकार नहीं किया जाएगा। यदि आवश्यकता पड़ी तो मामले की शिकायत जिला प्रशासन और कलेक्टर स्तर तक भी की जाएगी। उनका कहना था कि जिस मार्ग पर यह निर्माण कार्य हो रहा है वहां से भारी यातायात का आवागमन होता है और यदि निर्माण मजबूत नहीं हुआ तो भविष्य में गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। पार्षद ने मांग की है कि निर्माण कार्य की तकनीकी जांच कराई जाए तथा सभी मानकों का पालन सुनिश्चित करने के बाद ही कार्य दोबारा शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता के पैसों से होने वाले विकास कार्यों में गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले कुछ समय से नगर पालिका के सत्ता पक्ष के ही कई पार्षद विभिन्न निर्माण कार्यों, सफाई व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और विकास योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठाते रहे हैं। ऐसे में अब वार्ड क्रमांक 22 के निर्माण कार्य को लेकर उठे विवाद ने नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर चर्चा छेड़ दी है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

मोती नगर चौक में वाहन चेकिंग के दौरान बड़ा हादसा
तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने सब इंस्पेक्टर राम भजन साहू को घसीटा, घायल अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर के मोती नगर चौक में रविवार शाम लगभग 7 बजे वाहन चेकिंग के दौरान एक गंभीर हादसा हो गया। यातायात ड्यूटी पर तैनात सब इंस्पेक्टर राम भजन साहू तेज रफ्तार मोटरसाइकिल की चपेट में आकर घायल हो गए। हादसा इतना भयावह था कि मोटरसाइकिल चालक उन्हें कुछ दूरी तक घसीटते हुए ले गया। घायल अवस्था में उन्हें तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती कराया गया जहां उनका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 7 जून की शाम 7:00 बजे करीब सब इंस्पेक्टर राम भजन साहू अपने स्टाफ के साथ मोती नगर चौक में नियमित वाहन चेकिंग अभियान चला रहे थे। इसी दौरान मोतीतालाब के नीचे वाली सड़क की ओर से एक मोटरसाइकिल तेज गति से चौक की तरफ आती दिखाई दी। उसी समय एक महिला सड़क पार कर रही थी। महिला की सुरक्षा को देखते हुए सब इंस्पेक्टर राम भजन साहू ने मोटरसाइकिल चालक को रोकने के लिए हाथ देकर इशारा किया और सीटी बजाई। बताया जा रहा है कि जिस हाथ से वे मोटरसाइकिल रोकने का प्रयास कर रहे थे उसी हाथ में उनका मेनपैक सेट भी था। लेकिन तेज रफ्तार मोटरसाइकिल चालक ने वाहन रोकने के बजाय सीधे सब इंस्पेक्टर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही सब इंस्पेक्टर राम भजन साहू का हाथ मोटरसाइकिल के हैंडल में फंस गया।जिसके कारण वे मोटरसाइकिल के साथ सड़क पर घसीटते चले गए। इस हादसे में उनके दोनों पैरों के घुटनों और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। घटना को देखकर मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मी तुरंत उनकी ओर दौड़े, लेकिन तब तक मोटरसाइकिल चालक सब इंस्पेक्टर राम भजन साहू का मेनपैक सेट लेकर मौके से फरार हो चुका था। घायल सब इंस्पेक्टर राम भजन साहू को तत्काल यातायात पुलिस के वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट पहुंचाया गया। जहां उनका इलाज जारी है। घटना के बाद यातायात पुलिस और कोतवाली पुलिस ने फरार मोटरसाइकिल चालक की तलाश शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी

खंगाली जा रही है। ताकि मोटरसाइकिल चालक की पहचान कर जल्द से जल्द उसे गिरफ्तार किया जा सके।इस घटना के बाद शहर में तेज रफ्तार वाहनों और लापरवाह ड्राइविंग को लेकर लोगों में चिंता का माहौल है। वहीं पुलिस विभाग में भी इस घटना को लेकर गंभीरता देखी जा रही है।

आवश्यकता है
फिल्ड कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
संपर्क करें-पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक, बालाघाट

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा कॉलेज ऑफ
इंजीनियरिंग एण्ड पॉलिटेक्निक
बी.टेक. पॉलिटेक्निक JOB SAHI
• कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग
• माईनिंग इंजीनियरिंग
• सिविल इंजीनियरिंग
• मैकेनिकल इंजीनियरिंग
• इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग
ADMISSION + OPEN
नई शिक्षा नीति के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा उत्तीर्ण छात्रों का Lateral Entry द्वारा बी.टेक. के द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा-बालाघाट
6262604111, 9425836824 www.satpudaengineeringcollege.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट